प्रतिभा खोज परीक्षा में सफल छात्र हुए पुरस्कृत

● मिथिलेश कुमार

नगर परिषद क्षेत्र के मिर्जापुर मौर्य नगर स्थित कुशवाहा छात्रावास में जिला कुशवाहा सेवा समिति के तत्वाधान में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रतिभा खोज परीक्षा में शामिल सफल छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारम्भ भगवान बुद्ध के चित्र पर पुष्प समर्पित कर हुआ। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि सहायक निदेशक सह जन सम्पर्क अधिकारी डॉ अजय कुमार सिन्हा ,एसडीओ कुमारी रूबी एवं पटना कैंसर सेंटर के निदेशक डॉ नवीन कुमार एवं अध्यक्ष महेश्वर प्रसाद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। समारोह में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जन सम्पर्क अधिकारी डॉ अजय कुमार सिन्हा ने कहा कि अपने शैक्षणिक भविष्य के निर्माण के लिए कठिन परिश्रम,प्रबल इच्छाशक्ति एवं कुशल मार्गदर्शन महत्वपूर्ण है।अगर आपको अपने शैक्षणिक भविष्य का निर्माण करना है तो आप ठोस निर्णय लें और भविष्य की तैयारी के लिए लग जाएं। समारोह का संचालन रामचन्द्र कुमार सोनी एवं पंचम कुमार मेहता ने संयुक्त रूप से किया। समारोह में आगत अतिथियों का स्वागत मोडर्न रेसिडेंशियल स्कूल के छात्राओं ने स्वागत गान से किया। आगत अतिथियों का स्वागत अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर किया। जिले के विभिन्न प्रखंडो से एक हजार से अधिक परीक्षार्थी सम्मिलित हुए थे।प्रतिभा खोज परीक्षा के नियंत्रक सेवा निवृत्त प्रधानाध्यापक यमुना प्रसाद ने बताया कि समिति के तत्वाधान में विगत चार बर्षो से प्रत्येक बर्ष प्रतिभाखोज परीक्षा का आयोजन आईआईटी, नीट, यूपीएससी/बीपीएससी एवं सामान्य प्रतियोगी परीक्षा के तर्ज पर लिया गया था।परीक्षा में सफल प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले परीक्षार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए स्कॉलरशिप रिच माइंड डिजिटल कम्पनी के निदेशक के द्वारा दिया जाएगा। सफल छात्रों में मेडिकल में प्रथम स्थान संगम राज, द्वितीय दिव्या ज्योति एवं रणधीर कुमार वीपीएससी में प्रथम रितेश कुमार,मिथुन कुमार एवं मनीष कुमार आई टी आई में ऋतु राज वर्मा, मोनू कुमार एवं तृतीय स्थान निशांत कुमार एवं सामान्य परीक्षा में सत्यम रंजन द्वितीय स्थान शिवम रंजन तथा तृतीय स्थान प्रितेश कुमार प्राप्त किया है।चारो कोटि में सफल छात्रों में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्र को केशव कपूर मेमोरियल हॉस्पिटल नवादा के निदेशक बसन्त प्रसाद, डॉ० अमित कुमार, पटना कैंसर संस्थान के निदेशक डॉ नवीन कुमार एवं अरविंद कुमार तथा समर्थ चाइल्ड हॉस्पिटल के निदेशक डॉ सुनील कुमार के द्वारा लैपटॉप प्रदान किया गया।वही द्वितीय पुरस्कार में सभी कोटि के सफल प्रतिभागियों को टैब एवं तृतीय स्थान विगत चार बर्षो में समिति के द्वारा करीब दो दर्जन से अधिक छात्र छात्राओं को देश के नामचीन कोचिंग संस्थानों में नामांकन कराया गया है। कुल 1301 परीक्षार्थियों ने विभिन्न सम्बर्ग की परीक्षा में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि कुल 15 सौ से अधिक विद्यार्थियों ने फॉर्म परीक्षा में शामिल होने के लिए फॉर्म भरा था परन्तु मात्र तेरह सौ परीक्षार्थी ही शामिल हुए।परीक्षा में सफल छात्रों को रिच माइंड डिजिटल कम्पनी बड़ौदा के आर्थिक सहयोग से सभी छात्रों को इजाफा दिया जाता है। कम्पनी के निदेशक निशिकांत सिन्हा ने समारोह को लाइव को संबोधित करते हुए सभी प्रथम छात्रों को इंजिनियर, डॉक्टर एवं सिविल सेवा की तैयारी करने में कोचिंग का खर्च उठाने के लिए आश्वस्त किया।उन्होंने कहा की परीक्षा का आयोजन को सफल बनाने में परीक्षा केंद्रों के सभी शिक्षकों एवं कुशवाहा सेवा समिति से जुड़े जिले के विभिन्न प्रखंडो से सदस्यों एवं शिक्षको की सहभागिता रही। प्रतिभा खोज परीक्षा में सफल छात्रों को समारोह पूर्वक सम्मानित किया गया।

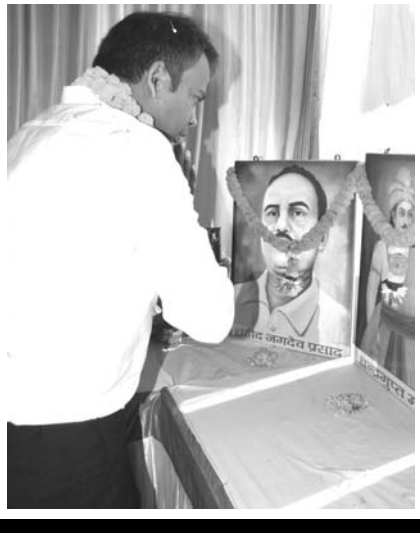

परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि परीक्षा कदाचार मुक्त एवं प्रतियोगी परीक्षा के तर्ज पर सम्पन्न हुई है। परीक्षा का मुख्य उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र छात्राओं को परीक्षा के पूर्व की तैयारी करने के लिए सहयोग एवं दिशा निर्देश भी शामिल है। परीक्षा को प्रारम्भ करने के पूर्व सभी छात्रों को समिति के विभिन्न पदों पर कार्यरत अधिकारियों के द्वारा मोटिवेशन क्लास भी लिया गया था। समारोह में सर्वश्रेष्ठ सदस्य के लिए श्री मति ललिता कुमारी को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर डॉ० चन्देश्वर प्रसाद, डॉ दीनानाथ वर्मा समिति के सचिव विजय कुमार, किड्जी संचालक संजीव कुमार, कोषाध्यक्ष संजय कुमार, दीपक कुमार, इंद्रपाल जॉनसन, अरुणजय कुमार, रविकांत वर्मा, धनवंती कुमारी, डॉ० विनीता प्रिया, अनुराधा मेहता, पूनम मेहता, सेवा निवृत्त एएनएम ललिता कुमारी, संरक्षक अर्जुन प्रसाद कुशवाहा, राम किसुन महतो, ओम साई नाथ हॉस्पिटल के निदेशक डॉ० ओम प्रकाश सहित हजारों सदस्य मौजूद थे।●

केवल सच प्रेस का असर

71 वर्षीय फर्जी शिक्षक हाफिज मो0 कलीमुद्दीन ने दिया अपना इस्तीफा

● अरविंद मिश्रा

केवल सच के दिसंबर अंक 2022 में एक खबर छपी थी 72 वर्षीय हाफिज मोहम्मद कलीमुद्दीन नवादा जिले के गोविंदपुर प्रखंड के उर्दू प्राथमिक विद्यालय माधोपुर में फर्जी तरीके से कार्यरत है, भ्रष्टाचार से जब जुड़ा मामला हो और केवल सच का कोई भी पत्रकार चुप नहीं रहता है, क्योंकि केवल सच सदैव भ्रष्टाचार के खिलाफ ही अभियान चला रहा है, और छपी खबरों पर, सरकार ने और ईमानदार पदाधिकारी ने संज्ञान भी लिया, और कई लोक सेवक जेल के सलाखों में जा चुके हैं, इस बात की जानकारी होने पर सूचना का अधिकार के तहत उनके मूल प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र आदि का मांग किया गया था, विद्यालय के प्राचार्य मो0 महबूब ने मो0 कलीमुद्दीन का विद्यालय योगदान से सहित जो भी प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया, वह बेहद चौंकाने वाला था, एडमिट कार्ड हो, अंक पत्र हो मार्कशीट हो, वोटर कार्ड हो, जन्मतिथि प्रमाण पत्र हो, सभी में काफी अंतर था, यानी फर्जी सर्टिफिकेट पर काफी मोटी रकम देकर और अपने आकाओं के सहारे जॉइनिंग लेकर सरकारी राशि का खूब दुरुपयोग करते रहे, मोहम्मद कलीमुद्दीन द्वारा उपलब्ध कराए गए सभी प्रमाण पत्रों को लेकर मगध के आयुक्त महोदय को, मगध प्रमंडल के शिक्षा निदेशक को, केवल सच प्रेस के पत्रकार द्वारा उपलब्ध कराया गया था, और 71 वर्षीय मो0कलीमुद्दीन जो गलत तरीके से फर्जी शिक्षक बनकर जो राशि को लूट रहे थे उन पर जांच हेतु अनुरोध किया गया था, ताकि फर्जी शिक्षकों से सरकार की बदनामी नहीं हो, केवल सच प्रेस द्वारा उपलब्ध कराए गए आवेदन के आलोक में आयुक्त महोदय गया और शिक्षा निदेशक गया के द्वारा जिलाधिकारी नवादा को पत्र प्रेषित किया गया था और इस फर्जी शिक्षक के सभी कागजातों को जांचों उपरांत की गई कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध करने के लिए मांग किया गया था, जिसका पत्रांक 56, दिनाक,10/1 2023 था, फिर जिलाधिकारी महोदय ने अपने गो कार्यालय कोषांग द्वारा तत्कालीन जिला शिक्षा पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार को एक पत्र भेजकर आयुक्त महोदय द्वारा आए पत्रों के संदर्भ में जांच कर प्रतिवेदन की मांग की, जिलाधिकारी महोदय के पत्र के आलोक में तत्कालीन जिला शिक्षा अधीक्षक वीरेंद्र कुमार ने अपने कार्यालय पत्रांक 220, दिनाक 31/1/2023 को मोहम्मद कलीमुद्दीन को पत्र निर्गत करते हुए, क्षेत्रीय विकास पदाधिकारी मगध प्रमंडल, के आए पत्र के आलोक में 9/2 2023 को 1:00 बजे मैट्रिक इंटरमीडिएट का मूल प्रमाण पत्र अंक पत्र का मूल प्रमाण पत्र प्रशिक्षण प्रमाण पत्र शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण होने का मूल प्रमाण पत्र मूल आधार कार्ड मूल पैन कार्ड वोटर कार्ड को लेकर उपस्थित होने के लिए निर्देश दिए, लेकिन दिगंबर ठाकुर जैसे भ्रष्ट प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी और अपने आकाओं के प्रभाव से जिला शिक्षा पदाधिकारी के आदेशों को मोहम्मद कलीमुद्दीन ने रद्दी टोकरी में फेंक दिया, लेकिन लगातार केवल सच में खबर जहां छपता रहा, वहीं कई दफा कलीमुद्दीन पर हुए अब तक कार्रवाई से संबंधित सूचना का अधिकार के तहत मांग होता रहा, कई राजनीतिक संरक्षण प्राप्त शिक्षक कलीमुद्दीन ने काफी प्रयास किया जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिलाधिकारी तक इस मामले को दबाने के लिए, लेकिन जब केवल सच प्रेस के द्वारा जिलाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी रजौली, जिला शिक्षा पदाधिकारी नवादा, डीपीओ स्थापना नवादा से सवाल पूछा जाता था कि आखिर 71 वर्ष की उम्र में भी किस नियम के तहत मोहम्मद कलीमुद्दीन नौकरी कर रहे हैं, आखिर बड़े-बड़े पदाधिकारी को भी जब उन्हें लगा कि यह मामला को लेकर सरकार को शिक्षा विभाग को किरकिरी हो रही है, तब शिक्षा विभाग के पदाधिकारी ने मोहम्मद कलीमुद्दीन पर अपना शिकंजा कसने शुरू किया, और फिर एफआईआर आदि के डर से हाफिज मोहम्मद कलीमुद्दीन ने 5/9/2023 को अपना त्यागपत्र रजिस्टर डाक से डीपीओ स्थापना को भेज दिया, अपने त्यागपत्र में उसने दर्शाया है कि 1 वर्षों से अस्वस्थ रहने के वजह से मैं अपना इस्तीफा अपनी मर्जी से से दे रहा हूं। स्थापना के डीपीओ मो0 तनवीर जी दूरभाष पर बात करने के बाद उन्होंने बताया कि मोहम्मद कलीमुद्दीन का इस्तीफा आ चुका है, फिर आरटीआई के द्वारा भी जानकारी लेने के बाद मोहम्मद कलीमुद्दीन के इस्तीफा से संबंधित पत्र की प्रति उपलब्ध कराई गई है।

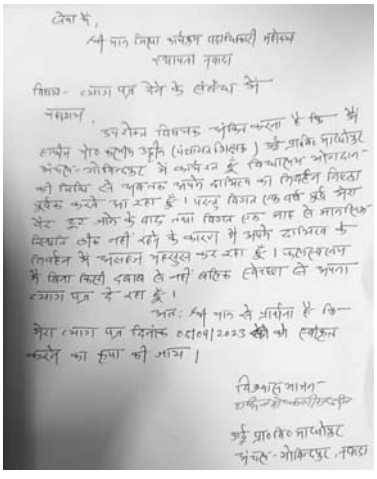

आखिर प्रश्न उठता है कि 71 वर्ष के उम्र में नौकरी देने वाले, बहाल करने वाले, और सरकारी राशि के दुरुपयोग करने वाले उन पदाधिकारी पर और बहाली करने वालों पर आखिर क्यों नहीं करवाई की जाती है, क्योंकि वैसे ही भ्रष्ट लोक सेवक और जनप्रतिनिधि सरकार को विभाग को बदनाम करते हैं, कई लोगों ने बताया कि उस विद्यालय के प्राचार्य मोहम्मद महबूब और हाफिज कलीमुद्दीन में 36 का रिश्ता था, और मोहम्मद महबूब नहीं चाहते थे की कलीमुद्दीन नौकरी में रहे, क्योंकि हर शुभ लाभ के चक्कर में मोहम्मद कलीमउद्दीन अपने दबंग छवि के कारण उनको चलने नहीं देते थे, इसके लिए मो0 महबूब ने भी उनके गलत शैक्षणिक प्रमाण पत्रों का लाभ उठाते हुए, कई रजिस्टर्ड डाक के द्वारा भी मीडिया को उपलब्ध कराते रहे, और कई प्रमुख व्यक्तियों को भी उनके फर्जी कागजात को उपलब्ध करवाई, लेकिन सब के सब राजनीतिक और प्रशासनिक प्रभाव के कारण खामोश हो गए, आखिर केवल सच में ही रंग लाया , केवल सच के 1 साल के संघर्ष के बाद 71 वर्षीय मोहम्मद कलीमुद्दीन जो फर्जी कागजातों के सहारे शिक्षक बनकर जहां सरकारी राशि को लूट रहे थे, वही शिक्षा विभाग को शर्मसार कर रहे थे, वैसे भ्रष्ट और फर्जी शिक्षक को सजा दिलाने में सफल रहा, अब शिक्षा विभाग और जिला के वरिष्ठ पदाधिकारी, बहाल करने वाले, फर्जी शिक्षकों को मदद करने वाले दिगंबर ठाकुर पर कोई कार्रवाई करती है या नहीं, मो0 कलीमुद्दीन से सरकारी राशि वसूलती है या नहीं वह विभाग जाने, लेकिन लोकतंत्र के चौथे स्तंभ ने अपना फर्ज को निभा दिया।●

नेतहीन हरिवंश ठाकुर जैसे गरीब को अब तक नहीं मिला प्रधानमंत्री आवास का लाभ

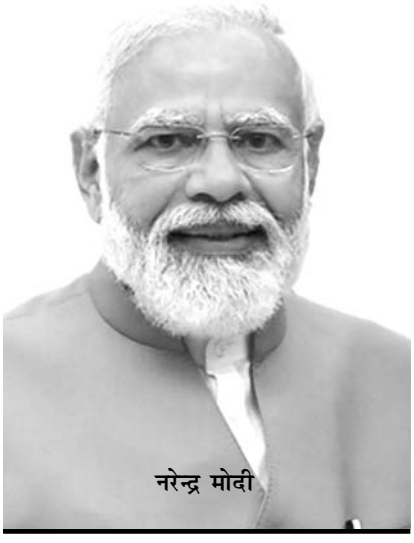
नरेन्द्र मोदी

हरिवंश ठाकुर

नीतीश कुमार

● अरविंद मिश्रा

'यहां तहजीब बिकते हैं यहां फरमान बिकते हैं, जरा तुम दाम तो बोलो यहां ईमान बिकते हैं'।

जी हां यह नवादा है, यहां मरे हुए व्यक्तियों को इंदिरा आवास मिल जाता है, और चेक भी पेमेंट हो जाता है, दूसरे के नाम पर भी इंदिरा आवास का पैसा निकल जाता है, इस तरह का खेल नवादा जिले के कौवाकोल प्रखंड में हुआ सिरदला प्रखंड में भी हुआ, अगर जांच कराई जाए तो कितने प्रखंडों में भी इस तरह की घटनाएं देखने को मिलेगा, लेकिन जब गरीब गुरुवा विकलांग लाचार को इंदिरा आवास देने की बात आएगी तो लोक सेवकों का , जनप्रतिनिधि अंधे हो जाएंगे, तरह-तरह के नियम कानून बनना शुरू कर देंगे, क्योंकि इन गरीब गुरुवार लाचार से उन्हें रिश्वत मिलने में कठिनाई होती है, उन्हें शुभ लाभ नहीं मिल पाता है, फिर उनके कार्यों को रोकने के लिए तरह-तरह के बहाना खोजना शुरू कर देते हैं , लिए एक बानगी देखिए नवादा जिले के नारदीगंज प्रखंड के अंतर्गत परमा पंचायत के रजौर ग्राम के अति पिछड़ी जाति के हरिवंश ठाकुर को,जो नेत्रहीन है ,और गरीब है रहने का कोई भी आशियाना नहीं, टूटे घर में किसी तरह अपना जीवन यापन कर रहे हैं, 20/ 22 वर्षों में एक इंदिरा आवास पाने के लिए हरिवंश ठाकुर ने जिलाधिकारी से लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी विधायक ,मुखिया सभी के दरबार में जाकर फरियाद की, लेकिन सिर्फ आश्वासन के सिवा इस गरीब को कुछ नहीं मिल पाया, भले ही कई सरकारें बदली, कितने जिला धिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि बदलें, लेकिन इस गरीब के घर की तस्वीर नहीं बदल पाई, भ्रष्ट लोक सेवक, और भ्रष्टाचार में लिप्त भ्रष्ट जनप्रतिनिधि और भ्रष्ट कर्मचारियों सिर्फ अपने शुभ लाभ के चक्कर में इस गरीब को आशियाना की स्वीकृति प्रदान नहीं की, क्योंकि इंदिरा आवास सहायक और सर्वेक्षण कर्ता सर्वेक्षण के क्रम में ही पैसा की मांग करते हैं, और जब पैसा नहीं मिलता है तो हरिवंश ठाकुर जैसे कितने गरीब गुरुवा को इंदिरा आवास मुहैया नहीं होता है, इतना ही नहीं अन्य जन उपयोगी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता है, जनता की गाढ़ी कमाई से बड़े-बड़े महोत्सव मनाने वाले राजनेता, जातीय रैली करने वाले नेता,और पंचायत स्तर पर जिला स्तर पर शिविर लगाने वाले पदाधिकारी भी ऐसे गरीब वंचित लाचार जनता के समस्याओं को समाधान करने में अक्षम रहे हैं, आप किसी भी राजनीतिक दल के चुनावी घोषणा पत्र को देखिए सभी गरीब, गुरबा, दलित, वंचित की बात करते हैं, भ्रष्टाचार मिटाने की बात करते हैं, पंचायत टोला प्रखंड विधानसभा को विकसित और समृद्ध बनाने की बात करते हैं, लेकिन चुनाव जीतने के बाद जब वह सत्ता में आते हैं तो भ्रष्टाचार के आकंठ में डूब जाते हैं, और वैसे ही भ्रष्ट बेईमान नेताओं, जनप्रतिनिधियों ,और भ्रष्ट लोक सेवक सरकार के सभी योजनाओं में गाढ़ी कमाई करने के लिए अपना जमीर बेच देते हैं, गरीबों के रु0 से अपने आलीशान मकान फॉर्म जमीन ,जेवरात खरीदने में व्यस्त रहते हैं आराम का सामान जुटाते है, भले ही गरीब लाचार सिर्फ आंसू बहा कर अपना जीवन यापन करते कार्यालय दौड़ते घूमते रहे उसकी चिंता उन भ्रष्ट तत्वों को नहीं है, हम 76 में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाए, अमृत महोत्सव की धूम रही, भारत के आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी अपने संबोध न में गरीबों के हित, उत्थान और समृद्ध भारत की कल्पना की बात किए, अरबो, खरबो बजट गांव के विकास के लिए, गरीब गुरुवा के उत्थान और विकास के लिए सुकृति प्रदान की, सभी को अपना आवास में प्रधानमंत्री आवास योजना भी है, लेकिन ऐसे गरीब असहाय लोग आज भी अपनी लाचारी का रोना रो रहे हैं, इंदिरा आवास के सपना लिए हरिवंश ठाकुर की पत्नी कई वर्ष पूर्व ही दुनिया छोड़ दी है, अब बारी है हरिवंश ठाकुर का, क्योंकि जिस तरह से प्रखंड स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार लूटपाट मचा हुआ है, उसमें हरिवंश ठाकुर का सपना पूरा होना असंभव लगता है, अगर इंदिरा आवास को निगरानी विभाग से और ईमानदार पदाधिकारी से जांच कराई जाए तो पता चलेगा कि जिन्हें 5

दीपक मिश्रा, उप विकास आयुक्त

बीघा जमीन है, दो बीघा जमीन है, दो तल्ला मकान है नौकरी पेशा है, उनको इंदिरा आवास का लाभ मिला, और जो वास्तविक इंदिरा आवास पाने के लिए लाभार्थी है आज भी वंचित है, जबकि भोजन वस्त्र और आवास मौलिक अधि कार है, लेकिन इंदिरा आवास सहायक पर्यवेक्षक, भ्रष्ट लोक सेवकों के मनमानी दबंगता से, गरीबों के समस्याओं को समाधान करने में कोई दिलचस्पी नहीं है, ऐसे भ्रष्ट लोक सेवक, कर्मचारी, वरिष्ठ पदाधिकारी के आदेशों को भी रद्दी टोकरी में फेंकने में परहेज नहीं करते हैं, बिहार में सुशासन की सरकार और बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के भी सपनों को भ्रष्ट लोक सेवक और भ्रष्ट कर्मचारियों की जमात आए दिन धजिया उड़ाते हुए सुशासन के सरकार को भी बदनाम करने को आतुर है, इतनी भ्रष्ट लोक सेवक के गिरफ्तारी के बाद भी कर्मचारियों को और भष्ट लोक सेवकों को कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, अगर जिलाधिकारी और वरिष्ठ पदाधिकारी ऐसे गरीब के मामलों को गंभीरता से लेकर निष्पादन हेतु आदेश भी देते हैं, फिर गेंद वैसे ही भ्रष्टो के पाले में ही जाता है और फिर आश्वासन और सपना दिखाने का दौर चलता है और कभी-कभी तो इनके इतने दबंग और दलालों की जमात है जो गरीब, लाचार को धमकाने से भी परहेज नहीं करते हैं अब प्रश्न उठता है कि आखिर उस पंचायत के मुखिया जी, प्रमुख जी, विधायक जी आखिर करते क्या है, आखिर जिला स्तर पर प्रखंड स्तर पर इतनी बैठकर होती है वह किसी कार्य के निष्पादन के लिए होती है, सिर्फ बात हरिवंश ठाकुर के लिए नहीं है, प्रत्येक पंचायत में सैकड़ो हरिवंश ठाकुर मिल जाएंगे, जो पानी, बिजली शिक्षा स्वास्थ्य, आयुष्मान कार्ड श्रम कार्ड, आवास से लेकर सरकार से मिलने वाली हर योजनाओं से वंचित है, वैसे हरिवंश ठाकुर को विश्वास है नवादा के उप विकास आयुक्त दीपक मिश्रा जी पर, नारदीगंज प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी रंजीत कुमार जी पर की इन दोनों पदाधिकारी के प्रयास से इस वार मेरा इंदिरा आवास मिलेगा, वैसे नवादा के उप विकास आयुक्त दीपक मिश्रा IAS है, ईमानदार, कर्मठ और जनहित कार्य के लिए सदैव तत्पर रहने वाले पदाधिकारी में इनका नाम हैं, दीपक कुमार मिश्रा

रंजीत कुमार, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी

जी के आने से नवादा में विकास की गति बढ़ी है और पूरी दृढ़ता और कर्मठता से सरकार की सभी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने के लिए सदैव प्रयत्नशील रहते हैं, वही नारदीगंज प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी रंजीत कुमार जी भी अपने अच्छे कार्यों से प्रखंड में अपनी लोकप्रियता बनाए हैं, और इन दोनों वरिष्ठ पदाधिकारी ने हरिवंश ठाकुर को आश्वासन दिए हैं कि इस वित्तीय वर्ष में आपका इंदिरा आवास जरूर बनेगा, ईश्वर पदाधिकारी को जनप्रतिनिधियों को सद्बुद्धि दें की जो इमानदारी से काम करते हुए ऐसे गरीब गुरुवा वंचित परिवार को सरकार की और से मिलने वाली योजनाओं को लाभ दिलवाए, ताकि आम जनता को सरकार पर प्रशासन पर विश्वास बना रहे।●

इंटर विद्यालय चकवाय में अभिभावक शिक्षक गोष्ठी

● सन्दीप कुमार

वारिसलीगंज प्रखण्ड के इंटर विद्यालय चकवाय में आयोजित अविभावक शिक्षक गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रभारी प्रधानाध्यापक संजय कुमार ने कहा कि विद्यालय के शैक्षणिक विकास में अभिभावकों की भूमिका अहम् होती है। उन्होंने कहा कि समय का समुचित पालन, आपके जीवन को बदलेगा। आपके बच्चे ही आपकी पूँजी है। बच्चों को समय पर विद्यालय भेजने में माता की भूमिका महत्वपूर्ण सभी माताएँ संध्या 6:30 बजे से 8:30 बजे तक अपने बच्चे-बच्चियों के पास अवश्य बैठे। इस अवधि में अपने घर का मोबाइल एवं टी.बी. बंद रखें । सुबह 4:00 बजे से 6:00 बजे तक बच्चों को अवश्य ही पढ़ने के लिए प्रेरित करें यथा संभव सुपाच्य एवं पौष्टिक आहार दें। सभी माताएँ यह शपथ लें कि अपने पाल्य-पाल्या को भूखे पेट न बिना लंच दिये विद्यालय नहीं भेजे। सभी अभिभावकों से विद्यालय के शैक्षणिक माहौल के संबंध में राय ली गई। अभिभावक संतुष्ट दिखे। सभी अभिभावकों ने विद्यालय के विकास में अपनी भूमिका देने की बात कही। यह भी तय किया गया

कि विभागीय रात्रि से अगले सप्ताह बच्चे शैक्षणिक परिभ्रमण पर आयेंगे, जिनमें पाँच माता अभिभावक भी साथ रहेंगी। सभी अपने-अपने विषय से संबंधित जानकारियों साझा की। सर्वसम्मति से शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री के.के पाठक सहित, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) को विभागीय सुधार हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया गया। विभिन्न विद्याओं में सफल प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को कॉपी- कलम एवं पुस्तक देकर सम्मानित किया गया। मौके पर शिक्षक रामेश्वर ईन्चागुरू, अनन्त मेहता, बिनोद कुमार गुप्ता, अखिलेश कुमार, मृत्युंजय कुमार ठाकुर, पुस्तकालयाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश, नवनियुक्त कम्प्यूटर शिक्षक मोनु कुमार कार्यालय सहायक सुमन सौरभ एवं परिचारी उमेश मंडल एवं अभिभावक: शत्रुधन पंडित, सन्जीवेश रविदास, मालती देवी; रेणु देवी, प्रतिभा देवी, ऊषा देवी, सुरेश चौधरी, छोटी देवी गीत देवी, अनिता देवी, पिंकी देवी, कंचन देवी आदि मौजूद थी।●

पौरा गांव वासियों के लिए नही हुआ गंगा जल उपलब्ध

सीएम नीतीश का भागीरथी प्रयास
नवादावासियों को मिलेगा शुद्ध पेयजल के रूप में गंगा जल

● मिथिलेश कुमार

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज नवादा जिला के कादिरगंज के पौरा गांव में गंगाजल आपूर्ति योजना का शिलापट्ट अनावरण कर लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने लोकार्पण के अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा अर्चना की और राज्य की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 36 मिलियन लीटर क्लियर वाटर पंप हाऊस का बटन दबाकर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने जल शोधन संयंत्र का अवलोकन किया। इस दौरान जल शोधन संयंत्र के अवयव प्री सेटलिंग टैंक, कैस्केड एरियेटर, फ्लैश मिक्सचर क्लैरी फ्लो कुलेटर एवं फिल्टर यूनिट के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने जल शोधन केंद्र परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गंगाजल आपूर्ति योजना के कार्य के सफल क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों और अभियंताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री चौतन्य प्रसाद ने मुख्यमंत्री को प्रतीक चिह्न भेंटकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान गंगाजल आपूर्ति योजना पर आधारित एक लघु फिल्म की मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुति दी गयी। गंगाजल आपूर्ति योजना के शुभारंभ के पश्चात् मुख्यमंत्री ने स्वयं पानी पीकर नवादा में हर घर तक गंगाजल को शुद्ध पेयजल के रूप में पहुंचाने की शुरुआत की। अब गंगाजी राजगृह जलाशय से लगभग 20 किलोमीटर पाईप लाईन बिछाकर नवादा के पौरा में जल-शोधन संयंत्र तक गंगाजल को पहुंचाया जा रहा है। जहां से नवादा शहर के घर-घर में बुडको (नगर आवास एवं विकास विभाग) द्वारा पानी पहुँचाने की व्यवस्था की गयी है। पौरा (नवादा) के इस जल शोधन संयंत्र में 36 मिलियन लीटर प्रतिदिन पानी को साफ करने की क्षमता है। वहीं पर एक मास्टर अंडरग्राउण्ड रिजर्वायर (MUGR) का निर्माण

भी किया गया है। जिसमें 36 मिलियन लीटर पानी साफ करने के बाद रखा जा सकता है। व्यवस्था ऐसी की गई है कि मास्टर अंडरग्राउण्ड रिजर्वायर से सीधे बुडको के चार संप हाऊस में पानी भेजा जाएगा। संप हाऊस से पंप के माध्यम से पानी को 4 वाटर टैंकों में भेजा जाएगा। प्रत्येक वाटर टैंक की क्षमता लगभग साढ़े चार लाख लीटर है। इन वाटर टैंकों के माध्यम से नवादा शहर के सभी घरों को पानी की आपूर्ति की जाएगी। इसके अंतर्गत प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन 135 लीटर (8-9 बाल्टी) की दर से गंगाजल की आपूर्ति की जाएगी। विद्युत आपूर्ति के लिए पौरा स्थित जल शोधन संयंत्र के पास ही अलग से विद्युत सब-स्टेशन का भी निर्माण किया गया है। इस योजना के शुरू होने से नवादा शहर के लोगों के साथ-साथ होटल, धर्मशाला, शिक्षण संस्थान इत्यादि में भी पेयजल की आपूर्ति होगी। इससे भू-गर्भ जल पर निर्भरता कम होगी तथा भू-गर्भ जल का दोहन कम होगा और धीरे-धीरे जल स्तर में बढ़ोतरी होगी। यह पर्यावरण संरक्षण के अनुकूल योजना है एवं इससे पूरा वातावरण बेहतर होगा। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री सह सूचना एवं जन सम्पर्क मंत्री श्री संजय कुमार झा, उद्योग मंत्री सह नवादा जिला के प्रभारी मंत्री श्री समीर कुमार महासेठ, विधायक श्री प्रकाश वीर विधायक श्रीमती नीतू कुमारी विधायक श्रीमती विभा देवी, विधान पार्षद श्री अशोक कुमार, पूर्व विधायक श्री कौशल यादव, पूर्व विधायक श्री प्रदीप कुमार, पूर्व विधान पार्षद श्री सलमान रागिब, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ० एस० सिद्धार्थ, जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री चैतन्य प्रसाद, नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव श्री संतोष कुमार मल्ल, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, मगध प्रमंडल के आयुक्त श्री मयंक बरबरे, बुडको के एम०डी० श्री धर्मेंद्र कुमार, मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक श्री क्षत्रनील सिंह, नवादा के जिलाधिकारी श्री आशुतोष कुमार वर्मा, पुलिस अधीक्षक श्री अंबरीश राहुल सहित अन्य वरीय अधिकारीगण, अभियंतागण उपस्थित थे। नवादा में गंगाजल आपूर्ति योजना के लोकार्पण के पश्चात् मुख्यमंत्री मोतनाजे जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने वहां की व्यवस्थाओं संबंध में विस्तृत जानकारी ली।

चिराग तले अंधेरा बाली कहावत भी चरितार्थ हो गयी है। जिस गाँव में करोड़ो रूपये की लागत से गंगा जल आपूर्ति संयंत्र की स्थापना की गई है उस गाँव के लोगों को गंगा पेयजल की सुविधा उपलब्ध नही कराई गई है। जिसके कारण ग्रामीणों में क्षोभ भी है। हालांकि उनलोगों ने मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट की सराहना भी किया है और उम्मीद भी जता रहे हैं कि भविष्य में हमलोगों को भी इसका लाभ मिलेगा।●

अवैध बालू खनन और भंडारण के विरुद्ध छापेमारी करने गई टीम पर बालू माफियाओं द्वारा जानलेवा हमला

● धर्मेन्द्र सिंह

बीते दिन अवैध बालू खनन और भंडारण के विरुद्ध छापेमारी करने गई खनन विभाग की टीम पर बालू माफियाओं द्वारा जानलेवा हमला किया गया। सूत्र से प्राप्त वीडियो में देखा जा रहा है कि खनन विभाग की टीम को लाठी डंडे से दौड़ा दौड़ा कर पीटा जा रहा है। वीडियो देखकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे कि आखिर किशनगंज में बालू माफियाओं का इतना उत्पादन कैसे आखिर नियम कानून को ताक रखते हुए अवैध बालू खनन भी करते हैं और जब छापेमारी के लिए विभागीय टीम पहुंचती है तो उसी पर जानलेवा हमला भी कर दिया जाता है मामले को लेकर विभाग द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। लिखित आवेदन में कहा गया है कि दिनांक-05 दिसंबर को समय लगभग 2:30 बजे जब कार्यालय में प्रतिनियुक्त गृह रक्षक बल एवम खनिज विकास पदाधिकारी, किशनगंज के साथ स्वयं उमा शंकर सिंह खान निरीक्षक के नेतृत्व में, किशनगंज अपने सरकारी वाहन से अवैध खनन परिवहन एवं भंण्डारण की रोकथाम हेतु पोठिया थाना अन्तर्गत चामरानी बालूघाट पर लगभग 3 बजे अपराह्न में पहुचे। छापेमारी दल को देखते ही सभी ट्रैक्टर के चालक ट्रौली छोड़कर भाग गये। तत्पश्चात् इसकी सूचना दूरभाष पर संबंधित थानाध्यक्ष को दी गई। 10-15 मिनट बाद लगभग 20 से 25 की संख्या में अज्ञात लोगों द्वारा छापेमारी दल के वाहन को रोककर प्रशासन के विरूद्ध गाली-गलौज करने लगे तथा झाड़ी में घात लगाकर छिपे 10-15 द्वारा छापेमारी दल पर गाली-गलौज करते हुये लाठी डंडे एवं ईट-पत्थर से अचानक हमला कर दिया गया। जिससे सभी गार्ड एवं अधोहस्ताक्षरी को गम्भीर चोटे आयी है। तत्पश्थात् इसकी सूचना वरीय पदाधिकारी को दी गई। सभी घायल व्यक्ति को जिला सदर अस्पताल, किशनगंज में लाकर उपचार कराया गया। ये सभी दबंग प्रवृति एवं राजनितिक पहुँच वाले व्यक्ति है। इनमें से कुछ

व्यवियों के विरुद्ध पोठिया थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया है। लगभग एक घंटा बाद अंचलाधिकारी पोठिया के साथ संबंधित थाना के पुलिस पदाधिकारी अपने बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। उनलोगों के द्वारा बालू लदे हुए एक ट्रोली जिसका निबंधन संख्या अंकित नहीं है, एंव एक मोटर साईकिल जिसका निबंधन संख्या-BR37D8823 को जप्त कर चिचवाबाड़ी थाना में सुरक्षार्थ हेतु रखा गया है। मामला को लेकर पोठिया थाना में 21 नामजद लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है जिसका थाना कांड संख्या 262/23 है। विदित हो की वर्त्तमान में किशनगंज जिला अन्तर्गत किसी भी बालूघाट से बालू उत्खनन कार्य हेतु किसी भी व्यक्ति या किसी संस्थान को कार्यादेश निर्गत नहीं किया गया है। 272,145, 2-6-102544 CFT बालू का अवैध खनन किया गया है। जिससे सरकार को लगभग राशि-54.41.244 रूपये राजस्व की क्षति पहुँचायी गई है, जो अवैध अवैध खनन कर्ताओं से वसूलनीय है। मामले में नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी पुलिस द्वारा किया जा रहा है। पोठिया थानाध्यक्ष निशाकांत कुमार ने 08 दिसंबर को जानकारी देते हुए बताया कि मामले में पुलिस ने एक आरोपी इनामुल हक को गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गौतम कुमार ने घटना की पुष्टि कर कहा कि अवैध खनन को लेकर छापेमारी करने गये खान निरीक्षक की टीम पर स्थानीय लोगों द्वारा हमला किया गया। घटना का केस अनुसंधान में है। वीडियो की मदद से आरोपियों को चिन्हित किया जा रहा है, जैसे ही मामले में संलिप्त लोगों की पुष्टि हो जाएगी, उनपर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सवाल यह उठता है कि आखिर इन बालू माफियाओं को इतनी हिम्मत कहा से आती है की वे टीम पर हमला कर देते है और रक्षा बल को दौड़ा दौड़ा कर पीटते है। क्या सच में इनलोगो को राजनीति संरक्षण प्राप्त है?●

गोदाम में रखा गया उर्वरक कृषि विभाग की छापेमारी में जब्त

● धर्मेन्द्र सिंह/फरीद अहमद

गोपनीय पत्र के आलोक में कृषि विभाग द्वारा की गई छापेमारी के दौरान पौआखाली थाना क्षेत्र के खानाबाड़ी से अवैध उर्वरक बीज सहित सामग्री को जप्त कर पौआखाली थाना लाया गया और कृषि विभाग द्वारा थाना में प्राथमिकी भी दर्ज करवाई गई है। लिखित आवेदन में कृषि विभाग के अधिकारी ने बताया की मामला 29 नवंबर को जिलाधिकारी एवं जिला कृषि पदाधिकारी को प्राप्त गोपनीय पत्र के आलोक में संयुक्त रूप से जिला कृषि पदाधिकारी किशनगंज, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, किशनगंज, प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी, ठाकुरगंज, संबंधित पंचायत के कृषि समन्वयक एवं पुलिस पदाधिकारी पौआखाली के साथ पत्र से वर्णित गोपनीय स्थल का छापामारी किया गया छापामारी के क्रम में असफाक पिता-गुलाम, साकिन- खानाबाड़ी पो०-सरायकुड़ी थाना पौआखाली प्रखण्ड ठाकुरगंज को उनके गोदाम में अवैध रूप से उर्वरक एवं बीज का कारोबार करते हुआ रंगे हाथ पकड़ा गया। छापामारी के क्रम में गोदम में विभिन्न प्रकार के उर्वरक एवं बीज व अन्य सामग्री पाया गया। भारत युरिया कोरोमंडल 26 बैग भारत NPK (कोरोमंडल)(20:20:0:13)-26 बैग, भारत MOP (इंडोरोमा) 03 वैग, ग्रोमोर SSP कोरोमंडल 15 वैग, गीरनार SSP कोरोमंडल 01 बैंग, नैनो युरिया-इफको-15 बोतल वजन 500 मी०ली० प्रति०, त्रिगुणा-हिमालिया एग्रो 08 वैग, मक्का त्रिमूर्ति सीडस देवराज 2945-13 पैकेट, मक्का जाम्हवी सीडस वादशाह 3455-23 पैकेट, ग्रीन स्टार॰ 3426 मक्का बीज-3 पैकेट, हिरो 55 मक्का बीज 05 पैकेट, अर्चना भक्का 01 पैकेट, एट्राजीन भाकनासी 50% WP 14 पैकेट, वेजमोर माइकॉमिक्सचर 75 पैकेट बरामद किया गया। उपरोक्त बरामद किये सामग्रियों के साथ असफाक को पुलिस पदाधिकारी पौआखाली की मौजूदगी में थाना परिसर पौआखाली 29 नंबर रात्री को लाया गया। गुप्त पत्र में वर्णित व्यक्ति असफाक के अलावा अन्य वर्णित व्यक्ति मो० इजामुद्दीन एवं मो० मुस्लीम दोनो के पिता-अब्दुल गणी, ताहिर आलम, पिता-समसुल हक सभी साकिन-खानाबाड़ी थाना पौआखाली, स्थल छापामारी के क्रम में नहीं मिले। जप्त किये गये उर्वरक एवं बीज व अन्य सामग्री जिसघ्का कोई भी कागजात सम्बन्धित व्यक्ति के द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया। जिससे प्रतित होता है कि उक्त उर्वरक, बीज व माइक्रो मिक्सचर को कालाबाजारी या तस्करी की नियत से गोदाम में लेकर रखा गया। वही असफाक

उर्वरक तस्कर का आरोपी पुलिस के गिरफ्त से अब भी बाहर

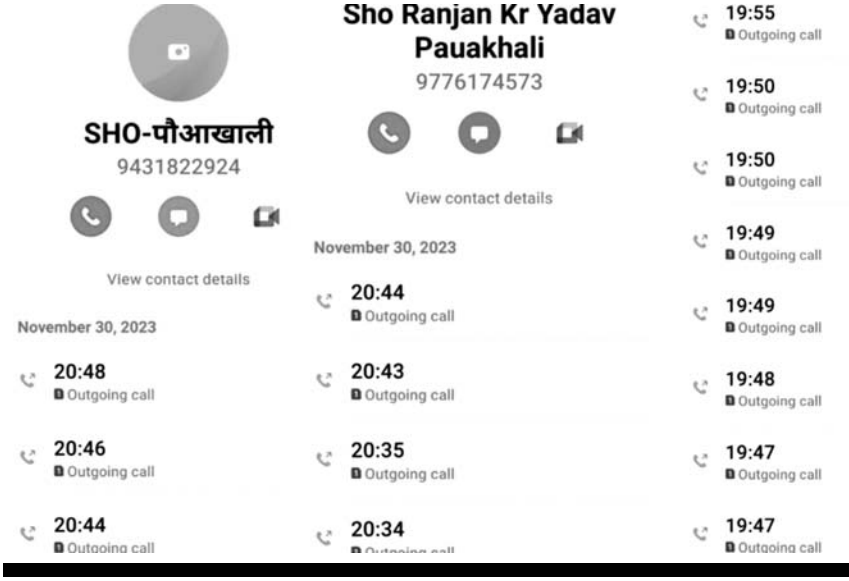

किशनगंज पौआखाली थाना कांड संख्या 61/23 के उर्वरक तस्करी के आरोपी की अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। मामला 29 नवंबर का है जब कृषि विभाग द्वारा खानाबारी में छापेमारी कर अवैध उर्वरक सामग्री के आरोप में पौआखाली थाना में मामला दर्ज कराया गया था। मामला में आरोपी के गिरफ्तारी को लेकर विभाग का अलग बयान और पुलिस का एक अखबार के मुताबिक अलग बयान पाया गया। जोकि अब उच्च स्तरीय जांच का विषय बना हुआ है। गौरतलब हो कि मामले में अब तक सूत्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है जोकि पुलिस के कार्यशैली पर कई सवाल खड़े कर रही है। जबकि कृषि विभाग का कहना है की छापेमारी के दौरान रंगे हाथों आरोपी असफाक को पकड़ा गया है।

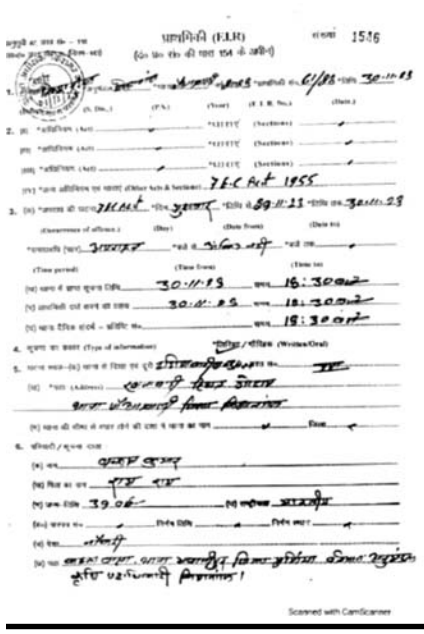

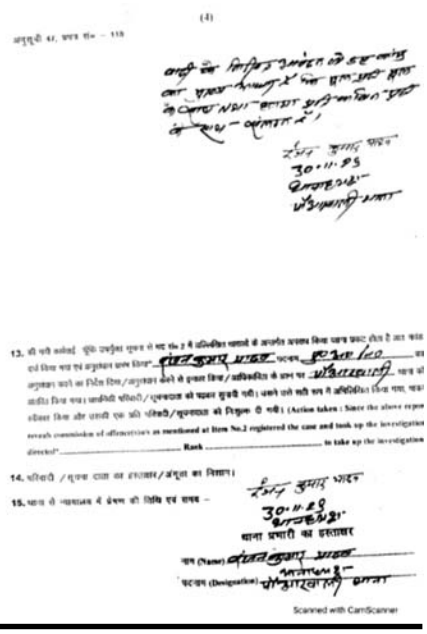

के विरुद्ध उर्वरक (नियंत्रण) 1985 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्राथमिकि दर्ज करवाई गयी है। गौरतलब हो कि थाना में दिए गए लिखित आवेदन में यह भी कहा गया है कि असफाक को उर्वरक सामग्रियों के साथ पुलिस और कृषि विभाग द्वारा थाना लाया गया था जबकि एक अखबार में खबर छपी है की थानाध्यक्ष रंजन कुमार यादव के मुताबिक असफाक छापेमारी वाले स्थल से फरार हो गया जिसके कारण उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। मामला अब झूठ सच का भी हो गया है कि आखिर पुलिस झूठ बोल रही है या फिर कृषि विभाग के एसएओ। मामले में उच्च स्तरीय जांच की आवश्यकता है। जांच से ही पता चल पाएगा की खेला कौन कर रहा है। गौर करे कि इस संबंध में जब पौआखाली थानाध्यक्ष रंजन कुमार यादव से जानने के लिए कॉल किया गया किंतु उन्होंने कॉल रिसिभ ही नही किया और ना ही खबर लिखे जाने तक मेरे कॉल का कोई उत्तर दिया। जबकि 15 से 20 बार थानाध्यक्ष को कॉल किया गया था। जिससे प्रतीत यही हो रहा है कि दाल में कुछ काला ही नही दाल पूरी के पूरी काली है जो उच्च स्तरीय जांच का विषय बनता जा रहा है। क्योंकि की एक तरफ कृषि विभाग अपने एफआईआर आवेदन में कहा है कि असफाक को उर्वरक सामग्रियों के साथ पुलिस और कृषि विभाग द्वारा थाना लाया गया था जबकि एक अखबार में खबर छपी है की थानाध्यक्ष रंजन कुमार यादव के मुताबिक असफाक छापेमारी वाले स्थल से फरार हो गया जिसके कारण उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। गौरतलब हो कि 8 नवंबर को सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत कृषि पदाधिकारी ठाकुरगंज से सूचना मांगी गई थी जिसमें पुछा गया था कि ठाकुरगंज में निबंधित कीटनाशक दुकान व उर्वरक दुकानों की सूची उपलब्ध कराने। मांगी गई सूचना कृषि विभाग द्वारा उपलब्ध कराया गया कि कितने निबंधित दुकाने है :-

☞ वर्धमान इंटरप्राइसेस , सुमित कुमार जैन
☞ द हिंदुस्तान सीड्स कंपनी, कैलाश प्रसाद सिंह
☞ श्री बालाजी सीड्स, विजय कुमार अग्रवाल
☞ किसान सेवा केंद्र, हरिशंकर महेश्वरी
☞ आईएफएफडीसी कृषक सेवा केंद्र, उत्तम कुमार

स्पेज ऑफ रिटेलर फर्टीलाइजर डिलर्स

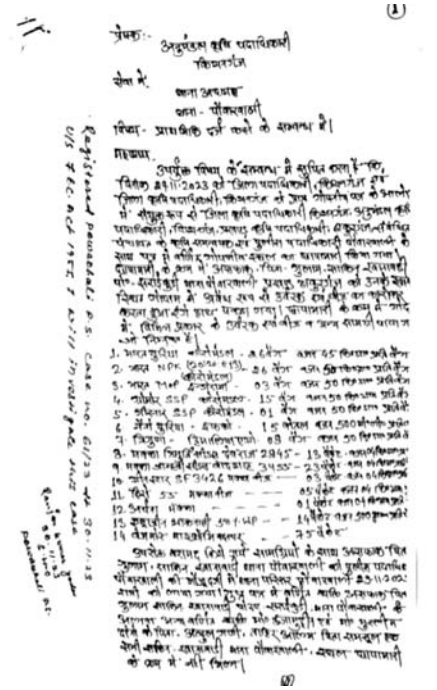

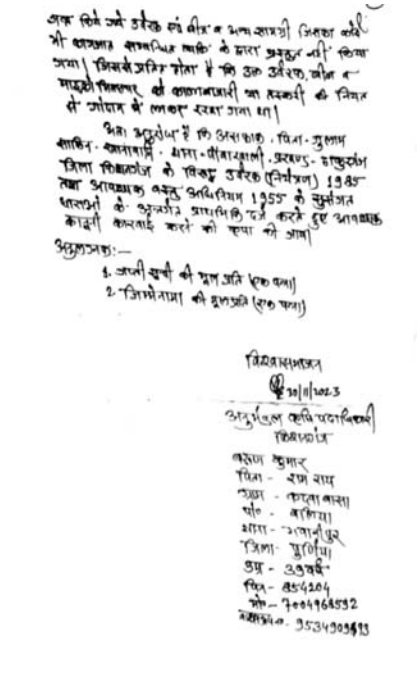

☞ वर्धमान इंटरप्राइसेस, सुमित कुमार जैन
☞ श्री बालाजी सीड्स, विजय कुमार अग्रवाल
☞ हिंदुस्तान सीड्स कंपनी, कैलाश प्रसाद सिंह
☞ गोपाल खाद बीज भंडार , गोपाल पी डी अग्रवाल
☞ एग्रीकल्चर सेंटर, मुरारी गरोरिया
☞ आईएफएफडीसी कृषक सेवा केंद्र, गीता

अतः किसे उसे उर्वरक एवं बीज व अन्य सामग्री जिसका कोई भी कागजात सम्बन्धित व्यक्ति के द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया। जिससे प्रतीत होता है कि उक्त उर्वरक, बीज व ... की कालाबाजारी या तस्करी के नियत से गोदाम में लाकर रखा गया था।
अतः अनुरोध है कि असफाक, पिता- गुलाम शाकिर, ग्राम- पौआखाली, प्रखण्ड- ठाकुरगंज जिला किशनगंज के विरुद्ध उर्वरक (नियंत्रण) 1985 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्राथमिकी दर्ज करते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की कृपा की जाए।
अनुलग्नक:-
1. जब्ती सूची की मूल प्रति (एक प्रति)
2. निरीक्षण की मूल प्रति (एक प्रति)
विश्वासभाजन
अनुमंडल कृषि पदाधिकारी
किशनगंज

देवी
- बिस्कोमान कृषक सेवा केंद्र, राहुल कुमार
नूर फर्टिलाइजर, सईद आलम
- अकरम खाद भंडार, मो० अकरम
- कोहिनूर एंटरप्राइजेज, आरिफ आलम
- सोमू खाद बीज भंडार , अतिकुर रहमान
- अताउरर रहमान खाद बीज भंडार, अताउर रहमान
- हबीबुर रहमान खाद भंडार, हबीबुर रहमान
- मनीरुल हक खाद बीज भंडार, मनीरूल हक
- नयागंज खाद बीज भंडार, अमरुद्दीन
- अलाउद्दीन खाद भंडार, मो० अलाउद्दीन
- रिया फर्टिलाइजर सेंटर, प्रदीप चौधरी
- न्यू किसान फर्टिलाइजर सेंटर, अमित कुमार सिंहा
- किसान सेवा केंद्र, हरिशंकर महेश्वरी
- शिव फर्टिलाइजर, बारी लाल साह
- मुन्ना खाद बीज भंडार , मो० मंजर आलम
- जय हनुमान खाद बीज भंडार , दिवाकर पी डी सिंहा
- रहमान खाद भंडार , लतीफुर रहमान
- एमडीएन खाद बीज भंडार, सफियान रेजा
- कलम खाद भंडार , अब्दुल कलाम
- बंदरझूला प्राथमिक कृषि साख
- सोसाइटी लिमिटेड, अजीमुद्दीन अध्यक्ष
- भातगांव प्राथमिक कृषि एसएस एलटीडी अध्यक्ष शाहबाज आलम
- दल्लेगांव प्राथमिक कृषि साख समिति एलटीडी, अनवर आलम
- मालिनगांव प्राथमिक कृषि साख समिति एलटीडी, अबुल हुसैन अध्यक्ष
- तहसीन खाद बीज भंडार, तहसीन रजा
- पौआखाली प्राथमिक कृषि साख समिति एलटीडी, मसूदा बेगम अध्यक्ष
- जफर खाद भंडार, मो० खालिद
- दिल अफरोज फर्टिलाइजर एंड सीड्स सेंटर, नकीब आलम
- मलिक एंटरप्राइजेज, यासीन मलिक
- किसान खाद बीज भंडार, राजा कुमार महतो
- परवेज खाद भंडार, मो० परवेज अंसारी
- आईएफएफडीसी कृषक सेवा केंद्र, उत्तम कुमार
- मुन्ना पेस्टिसाइड्स, मो० मुन्ना मुस्ताक
- प्यारे खाद बीज भंडार, प्यारे बाबू
- एसएम कृषि केंद्र , मो० जाकि अनवर
- आनंद सागर खाद बीज भंडार, आनंद सागर सरताज अफरीदी, सरताज अफरीदी
- रागिब खाद भंडार, मो० रागिब आलम
- लक्ष्मी नारायण खाद बीज भंडार, संपत कुमार साह

आरटीआई से प्रात जानकारी में ठाकुरगंज प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने बताया कि निम्न खाद बीज कीटनाशक की दुकानें निर्बंधि त है। गौरतलब हो की साबोडांगी चौक में कई खाद की अवैध दुकानें संचालित है जिसका कोई निबंधन नहीं किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीमा क्षेत्र से उक्त दुकानों की दूरी कम से कम पांच किलोमीटर होनी चाहिए लेकिन साबोडांगी चौक महज बॉर्डर से एक किलोमीटर के ही दायरे में ही जहां अवैध तरीके से खाद की दुकानें संचालित है। सूत्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुखानी थाना क्षेत्र के कई जगहों पर अवैध तरीके से खाद की दुकानों का संचालन किया जा रहा हैं।●

गायत्री परिवार के सभी परिजन समर्पण के प्रतीक हैं : डॉ. दिलीप जायसवाल

● **धर्मेन्द्र सिंह**

गायत्री शक्तिपीठ के मंदिर प्रांगण में उपमुख्य ट्रस्टी सुदामा राय की अध्यक्षता एवं ट्रस्टी सह मुख्य सचेतक डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल की गरिमामयी उपस्थिति में किशनगंज के समस्त गायत्री परिवार परिजनों के बीच जोनल कार्यालय सिलीगुड़ी एवं शांतिकुंज हरिद्वार के निर्णयानुसार जिला ट्रस्ट किशनगंज के मुख्य ट्रस्टी स्व० संध्या रानी आर्या के स्थान पर उनके ही परिवार के उनके ही अपने पुत्रवधू डा. प्रियंका आर्या के नाम को एक स्वर में समस्त परिजनों ने प्रस्तावित किया। वही सुदामा राय के प्रस्ताव को समर्थन किया। डा. प्रियंका आर्या गायत्री शक्तिपीठ ट्रस्ट किशनगंज के मुख्य ट्रस्टी के रूप में कार्य करेंगे। जिसकी स्वीकृत एवं समर्थन में उपस्थित सभी प्रखंड के परिजनों ने आज की गोष्ठी में सहर्ष समर्थन अपना हस्ताक्षर करके दिया। इस अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार के वरिष्ठ प्रज्ञा पुत्र राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता श्यामानंद झा ने कहा कि गायत्री परिवार का एक संगठन है, जिसका मुख्य नारा है हम बदलेंगे युग बदलेगा, अनेकता को एकता में परिवर्तन कर धरती में देवत्व की भावना को उत्पन्न करना। इसी क्रम में उपस्थित परिजनों को संबोधित करते हुए डा. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि गायत्री परिवार के सभी परिजन समर्पण का प्रतीक है, गायत्री परिवार समर्पण के नाम पर ही जाने और पहचाने जाते हैं इसमें सभी परिजनों को अपना निस्वार्थ भाव से कार्य करने की जरूरत है। इसी प्रकार के कार्य से परम पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा संचालित युग निर्माण कार्य सफल हो सकता है। आज नवनिर्वाचित मुख्य ट्रस्टी डा. प्रियंका आर्य ने उनको मुख्य ट्रस्टी के रूप में चुने जाने के लिए उपस्थित सभी परिजनों को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं गायत्री परिवार के संस्थापक परम पूज्य गुरुदेव के युग निर्माण योजना को सफल बनाने के लिए अपने निस्वार्थ और समर्पन की भाव से तन मन धन से हर एक कार्य को पारदर्शिता के साथ सभी प्रखंड के समर्पित परिजनों के साथ कदम से कदम, कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर किशनगंज जिला ट्रस्ट का नाम को रोशन किया करूंगी। इस पुनीत अवसर पर सभी प्रखंड के सम्मानित गायत्री परिवार परिजनों की उपस्थिति रही।●

कैम्प लगाकर विकसित भारत संकल्प यात्रा की हुई शुरुआत

● धर्मेन्द्र सिंह

भारत को 2027 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' की शुरुआत की गई है। इसके तहत भारत के सभी राज्य के सभी जिला के सभी पंचायत में एक दिवसीय स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जहां स्थानीय लोगों की स्वास्थ्य जांच करते हुए उन्हें विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी। 02 दिसंबर को विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरुआत जिले के बेलवा पंचायत से की गई। डीएम तुषार सिंगला के निर्देशानुसार उप विकास आयुक्त, स्पर्श गुप्ता के द्वारा हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गयी है, वही दोपहर बाद सिंघिया कुलामनी पंचायत में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस दौरान स्थानीय लोगों की स्वास्थ्य जांच करते हुए उन्हें विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी गई। मौके पर बेलवा में डीडीसी के द्वारा जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री के द्वारा कार्यक्रम के संबोधन में बताया गया है कि विकसित भारत का संकल्प चार अमृत स्तंभ पर टिका है। ये चारों अमृत स्तंभ है–महिला अमृत स्तंभ, युवा अमृत स्तंभ, किसान अमृत स्तंभ, गरीब अमृत स्तंभ। युवा चाहे जिस भी जाति के हो उसको रोजगार एवं स्वरोजगार देना है एवम् युवा के सपने को पंख देना है। किसान चाहे जिस भी जाति के हो उसकी आय को दुगुनी करना है। चारों अमृत स्तंभ को सशक्त बनाना है। हर गरीब को दवाये सस्ती से सस्ती मिले। गौर करे कि भारत सरकार का कार्यक्रम जिल में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' 15 नवंबर से 26 जनवरी तक निर्धारित है। इसमें केंद्र और राज्य सरकार द्वारा जनहित में चलाए जा रहे योजनाओ के बारे में आम जनमानस को जागरूक करना है और सुझाव प्राप्त करना है। साथ ही, आमजनमानस का अनुभव प्राप्त करना है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल क्रियान्वयन के लिए जिलाधिकारी द्वारा जिले में निगरानी टीम बनाई गई है। इसके लिए उप विकास आयुक्त को जिला नोडल पदाधिकारी एवं अन्य प्रशासनिक एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को सदस्य बनाया गया है। गठित जिलास्तरीय निगरानी समिति द्वारा पंचायत स्तर संकल्प यात्रा के क्रियान्वयन का अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण करते हुए विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम को सफल बनाने में आवश्यक सहयोग प्रदान करना है। कार्यक्रम के प्रचार प्रसार हेतु उपलब्ध कराए गए प्रचार वाहन द्वारा प्रतिदिन दो पंचायत में (प्रथम पाली व द्वितीय पाली में) लोगों को कार्यक्रम की जानकारी उपलब्ध कराना है। साथ ही सम्बंधित पंचायत में स्वास्थ्य कैम्प आयोजित कर लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य जांच करते हुए संबंधित जानकारी राज्य एवं जिला से सम्बंधित एप पर अपलोड किया जाना है। स्वास्थ्य जांच के लिए चयनित स्थल व निर्धारित तिथि का दो दिन पूर्व से संबंधित पंचायत के घर घर में प्रचार प्रसार किया जाना है। जिससे कि ज्यादा से ज्यादा लोग स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध होकर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ ले सकें। सिविल सर्जन, डा. कौशल किशोर ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा जिले के सभी प्रखंड के सभी पंचायत में चलायी जाएगी। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा रोस्टर तैयार किया गया है। इसके तहत सभी दिन के प्रथम पाली में एक पंचायत तथा दूसरी पाली में दूसरे पंचायत में स्वास्थ्य कैम्प आयोजित किया जाएगा। आयोजित कैम्प में लोगों को भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी देते हुए आवश्यक लोगों को संबंधित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। सभी पंचायतों में भी कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए निगरानी समिति बनाई गई है। जिसके द्वारा कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए आवश्यक सहयोग करते हुए लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराने में सहयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा 26 जनवरी तक जिले में संचालित की जाएगी। इस दौरान प्रतिदिन दो पंचायतों में कैम्प आयोजित कर लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिया जाएगा। डा. कौशल किशोर ने बताया कि संकल्प यात्रा के तहत सभी पंचायतों में आयोजित स्वास्थ्य कैम्प में लोगों को विभिन्न प्रकार के चिकित्सकीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसमें उपलब्ध डाक्टरों द्वारा उपस्थित लोगों की रक्तचाप, मधुमेह, टीबी, एनीमिया आदि विभिन्न बीमारियों की जांच करते हुए आवश्यक दवा का वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही स्वास्थ्य कैम्प में लोगों का आयुष्मान कार्ड भी बनाया जाएगा। जिससे कि लोग देश में कहीं भी गंभीर बीमारियों के मुफ्त उपचार का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का मुख्य उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत को विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना है। जिसके लिए देश के सभी राज्यों के सभी पंचायतों में स्वास्थ्य कैम्प आयोजित किया जा रहा है। ताकि ग्रामीण क्षेत्रों तक लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ा जा सके। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु जिला स्तरीय टीम, प्रखण्ड स्तरीय टीम, पंचायत स्तरीय टीम का गठन किया गया है। प्रत्येक प्रखण्ड में तीन नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। कार्यक्रम से संबंधित सम्पूर्ण गतिविधियां भारत सरकार द्वारा बनाये गये पोर्टल पर लगातार अपडेट किया जायेगा। इसमें PMJAY, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना, आवास योजना, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, पोषण अभियान, हर घर जल, जल जीवन मिशन, जन-धन योजना, SVAMITVA, जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री प्रणम, नैनो फर्टिलाइजेशन प्रोमोशन, एवम् अन्य योजनाओ के बारे में जानकारी दी जायेगी। विशेष प्रचार रथ में एलईडी एवम अन्य प्रबंध किए गए हैं। पंचायत में यह रथ जाकर प्रचार करेगी। प्रचार वाहन का प्रत्येक दिन दो पंचायत भ्रमण का रोस्टर बना हुआ है। इस प्रकार जिले के सभी पंचायत में जन जागरूकता रथ जाएगी।●

युवाओं की नई सोच से लौटेगा किशनगंज का वैभव

बिहारी होना अपमान नहीं, है सम्मान

● धर्मेन्द्र सिंह

युवाओं की नई सोंच से ही किशनगंज का पुराना वैभव लौटेगा। बिहारी होना अपमान नहीं सम्मान की बात है। उक्त बातें 03 दिसंबर को शहर के होटल दफ्तरी प्लेस में लेट्स इंस्पायर बिहार के तत्वाधान में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ आईपीएस (आईजी) अधिकारी विकास वैभव ने कही। युवा संवाद कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि आईपीएस विकास वैभव, विजनेश मैन पंकज अग्रवाल, डा. जलीस अख्तर नासिरी, वार्ड पार्षद सह समाजसेवी फिरोज आलम, डा. शेखर जलान, मनीष कासिवल, श्यामानंद झा, नदीम उस्मानी, अधिवक्ता कमलेश कुमार सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। युवा संवाद कार्यक्रम के तहत लगभग 40 मिनट के संबोधन में आईपीएस विकास वैभव ने किशनगंज-मगध से लेकर उत्तर कोरिया तक चर्चा की। उन्होंने बिहार के गौरवशाली इतिहास पर चर्चा करते हुए युवाओं को प्रोत्साहित किया। संबोधन करते हुए आईपीएस विकास वैभव ने कहा कि किशनगंज जिले से उनका गहरा लगाव रहा है। उन्होंने युवाओं को कहा कि आपके अंदर ज्ञान जागृत होगा तो आप मजबूत बनेगे, वही अपनी ऊर्जा का सार्थक उपयोग करेंगे। ईमानदारी के साथ किया गया कार्य निश्चित रूप से फलीभूत होता है। उन्होंने अन्य सक्षम लोगों से भी शिक्षा के विकास एवं लोगों की समस्या समाधान में आगे आने की अपील की। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि मगध की धरती ज्ञान के धरती रही है। ऐतिहासिक एवं धार्मिक दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है। मगध की धरती ने ही विश्व को शून्य दिया है। जरासंध ने राजगीर में राजधानी कायम कर कई देश प्रदेश के राजाओं महाराजाओं को अपने शक्ति का लोहा मनवाया था। विश्व का पहला विश्वविद्यालय बिहार की धरती नालंदा में ही था। पूर्व में नालंदा-गया में देश विदेश के लोग ज्ञान प्राप्ति के लिए आते थे। सम्राट अशोक गौतम बुद्ध, महावीर ने यही ज्ञान प्राप्ति कर पूरे विश्व को शांति एवं मानवता की रक्षा संदेश दिया। लेकिन आज इसी बिहार में शिक्षा का स्तर सबसे ज्यादा खराब है। उन्होंने कहा कि किशनगंज के लोग आज भी उतना ही ऊर्जावान है। ऐसे में जरूरत है युवाओं को पुनः जागृत होकर गौरवशाली अतीत को कायम करने की।गौर करे उक्त कार्यक्रम समता, शिक्षा, उद्यमिता, पर आधारित, ये कार्यक्रम है। जिसमें बिहार के 9 करोड़ युवाओं को अपने अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य करने और इंस्पायर करने का संदेश देने का एक छोटा सा पहल है। जिसकी अगुवाई आईपीएस विकास वैभव कर रहे हैं। वार्ड पार्षद सह समाजसेवी फिरोज आलम ने कहा कि 2047 जब भारत के आजादी का 100 वां वर्ष पूरा हो जाएगा तब तक हम बिहार के युवा बिहार को अग्रणी बनाने का कार्य करेंगे। यही इस लेट्स इंस्पायर बिहार की मुहिम का लक्ष है। आईपीएस विकाश वैभव ने कहा कि हम तब विश्व भर में अग्रणी थे जब हमारे पास न टेक्नोलॉजी थी, न सुविधाएं थी तब हमारे बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय स्थापित था, जहा विश्व भर के छात्र शिक्षा प्राप्त करने के लिए आते थे, भागलपुर विश्व के प्राचीनतम शहरों में से एक था, गया बौद्ध धर्म का केन्द्र था तब हम हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहे थे तो आज हमारे बिहार के बच्चे बाहर क्यों पढ़ने जा रहे हैं, रोजी रोजगार के लिए बाहर क्यों जा

रहे हैं ये चिंतन का विषय है। वही किशनगंज निवासी उत्तर कोरिया के विजनेस मैन पंकज अग्रवाल ने कहा कि यहां के युवा अपार सकारात्मक ऊर्जा एवं क्षमताओं से लबरेज हैं। सिर्फ युवाओं को जागृत करने व सही दिशा दिखलाने की जरूरत है। कालांतर में हमारा अपेक्षाकृत विकास नहीं हुआ तो इसका प्रमुख कारण कहीं ना कहीं समय के साथ लघुवादों में ग्रसित होना ही रहा है, अन्यथा इस भूमि के उज्ज्वलतम भविष्य में भला संदेह कहां है। वही राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता श्यामानंद झा ने कहा कि अगर हमें अपने भविष्य को उज्ज्वल देखना है तो हमें फिर से बड़ा सोचना होगा। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता श्यामानंद झा एवम मुख्य ट्रस्टी डा. प्रियंका आर्या एवम सक्रिय परिजन-सह-पर्यावरण प्रेमी अधिवक्ता कमलेश कुमार के द्वारा आईपीएस विकास वैभव के साथ उनके सहयोगीयों को मां गायत्री मंत्र चादर, मंत्र पट्टा, परमपूज्य गुरुदेव पंडित श्री राम शर्मा आचार्य द्वारा लिखित वाङ्मय, साहित्य साथ ही पौधा से सम्मानित कर एक अनोखा सन्देश दिया। वही सदर थाना के तेज तर्रार एएलटीएफ प्रभारी एसआई संजय कुमार यादव को गायत्री मंत्र चादर, मंत्र पट्टा, से सम्मानित किया गया। युवा संवाद कार्यक्रम में विजनेश मैन पंकज अग्रवाल, डा. जलीस अख्तर नासिरी, वार्ड पार्षद सह समाजसेवी फिरोज आलम, डा. शेखर जलान, मनीष कासिवल, श्यामानंद झा, नदीम उस्मानी, अधिवक्ता कमलेश कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।●

यूबीजीबी के सेवानिवृत कर्मियों ने केन्द्र सरकार के परिपत्र का जताया विरोध

● धर्मेन्द्र सिंह

रुईधाशा स्थित महाकाल मंदिर परिसर के भवन में 04 दिसंबर को एनएफआरआररबीएस के उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक के सेवानिवृत्त अधिकारियों व कर्मचारियों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता यूबीजीबी के सेवानिवृत्त अधिकारी नकी अनवर कर रहे थे। बैठक में कई बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें मुख्य रूप से यह कहा गया की केंद्र सरकार के परिपत्र के विरुद्ध यूबीजीबी बैंक प्रबंधन द्वारा गलत तरीके से कम्प्यूटर इंक्रीमेंट जो 1 अप्रैल 2018 के बाद सेवानिवृत्त हुए कर्मियों के लिए लागू किया गया है। जबकि इसे नियमानुसार 1 नवम्बर 1993 से लागू किया जाना था। केंद्र सरकार के इस आदेश को लेकर सेवानिवृत्त अधिकारियों व कर्मियों ने विरोध प्रकट किया। अध्यक्ष नकी अनवर व सेवानिवृत्त अधिकारी साकेत सिन्हा ने कहा कि सरकार के इस निर्णय से करीब 4 हजार पेंशन भोगी प्रभावित होंगे। ये निर्णय कही से भी न्याय संगत नहीं है। हम लोग इसका एक सिरे से विरोध जताते हैं। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यूबीजीबी प्रबंधन यदि निर्गत परिपत्र को सुधार कर 1 नवम्बर 1993 से लागू नहीं करती है तो केंद्रीय संगठन एनएफआरआर आरबीएस के आह्वान पर आंदोलन किया जाएगा। बैठक में मो. नकी अनवर, साकेत सिन्हा, मो. शमीम अहमद अंसारी, मो. परवेज आलम, मो. शम्स नावेद, मो. यासीन आदि मौजूद थे।●

जीविका ने आयोजित किया रोजगार मेला

● धर्मेन्द्र सिंह

जीविका के माध्यम से प्रखंड स्तर पर रोजगार सह स्वरोजगार परामर्श मेला आयोजित करने से छात्रों को उनके घर के आस-पास ही रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। वरीय उप समाहर्त्ता सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, रंजीत कुमार ने रसल हाई स्कूल, स्टेडियम मैदान बहादुरगंज में आयोजित रोजगार मेला का उद्घाटन करते हुए ये बातें कही। युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने इस रोजगार सह स्वरोजगार परामर्श मेला का अधिक से अधिक लाभ लेने का सुझाव दिया। साथ ही उन्होंने जीविका के माध्यम से जिला में चलाये जा रहे कार्यक्रमों की सराहना की। बहादुरगंज स्टेडियम मैदान में 29 नवंबर को दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (DDU-GKY) अंतर्गत रोजगार, स्वरोजगार सह मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया गया। जीविका के माध्यम से आयोजित इस मेला में 629 युवाओं ने रोजगार प्राप्ति हेतु पंजीयन कराया। जिसमें 318 युवाओं को नियुक्ति प्रक्रिया के अगले चरण के लिए चयनित किया गया। वहीं, 187 युवाओं ने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (RSETI) में पंजीयन कराया। बहादुरगंज जीविका प्रखंड इकाई द्वारा आयोजित इस रोजगार मेला में बार बेंडिंग और शट्रिंग सर्विसेस से क्वेस कॉर्प और सेल्स से जुड़ी नवभारत फर्टिलाइजर कंपनी, बीमा सलाहकार पद के लिए एल.आई.सी., कृषि व्यवसाय से जुड़ी उर्वर धारा, ई कॉम एक्सप्रेस सहित अन्य कई कंपनियां एवं सरकारी उपक्रम ने हिस्सा लिया। साथ ही मेले में दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना अंतर्गत कार्यरत आई.लीड., डीबीटेक सहित अन्य परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए) ने भी हिस्सा लिया। रोजगार मेले में 18 से 35 वर्ष के युवाओं को

दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना अंतर्गत चलाए जा रहे निःशुल्क रोजगार, स्वरोजगार, रोजगार परक प्रशिक्षण संस्थानों की जानकारी दी गई। इन संस्थानों में युवक, युवतियों के लिए निःशुल्क रहने, खाने और प्रशिक्षण की व्यवस्था रहती है। जिलाधिकारी तुषार सिंगला के निर्देशानुसार रंजीत कुमार डीपीआरओ ने रोजगार मेला भ्रमण किया तथा जीविका दीदियों और आगंतुक युवाओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर राज्य कार्यालय जॉब परियोजना प्रबंधक, मोबलाइजेशन कमल किशोर ने जिला में रोजगार और स्वरोजगार को लेकर जीविका के प्रयासों की सराहना की। छात्रों को इस मेला का अपने भविष्य निर्माण में सार्थक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर उपस्थित जीविका के प्रभारी जिला परियोजना प्रबंधक ने रोजगार व स्वरोजगार को लेकर जीविका द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने युवाओं को रोजगार सह स्वरोजगार मेले का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि जीविका के प्रयास से किशनगंज जिला में युवाओं को रोजगार-स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही उनकी रूचि और योग्यता के अनुसार निःशुल्क प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। युवक-युवतियों को सिलाई, नर्सिंग, होटल मैनेजमेंट, इलेक्ट्रिशियन, सेल्स, कंप्यूटर, सॉफ्ट स्किल इत्यादि का निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण दिया जाता है। इस योजना अंतर्गत महिला, अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग से आने वाले युवाओं को वरीयता दी जाती है। इस मौके पर जीविका बहादुरगंज प्रखंड के बीपीएम वरूण जयसवाल ने मेला में भाग लेने वाले अतिथि को धन्यवाद दिया। मेला में शामिल अभ्यर्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर प्रखंड कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। जीविका के जॉब प्रबंधक सतीश कुमार ने बताया कि रोजगार मेला में कुल 10 कंपनियों ने भाग लिया। मेला में प्रशिक्षण एवं नौकरी के लिए अभ्यर्थियों ने अपना आवेदन दिया। इस अवसर पर जीविका कर्मी रानी, रविंद्र, खुशबू, राजेश, बुलबुल, गीता, कोनिका उपस्थित थे।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

नागरिक सुविधा को लेकर पूजा समिति हुए सम्मानित

● धर्मेन्द्र सिंह

दुर्गा पूजा 2023 पर जिलांतर्गत पूजा समितियों के द्वारा दुर्गा पूजा पंडाल, प्रतिमा और बेहतर नागरिक सुविधा व प्रभावी नियंत्रण की व्यवस्था की गई, इसे प्रोत्साहित करने के निमित डीएम तुषार सिंगला के द्वारा उक्त तीनों श्रेणी में आकर्षक, उत्कृष्ट प्रथम तीन का चयन हेतु चयन समिति का गठन किया गया था। चयन के उपरांत डीएम और एसपी के द्वारा खेल भवन सह व्यायामशाला में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में चयनित पूजा समिति को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही, डीएम और एसपी के द्वारा संयुक्त रूप से दुर्गा पूजा और छठ पूजा में विधि व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान हेतु सभी बीडीओ/सीओ तथा एसएचओ के अतिरिक्त जिला स्तरीय दंडाधिकारी को मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। गौर करे कि दुर्गा पूजा 2023 के तीन विधाओं के प्रथम तीन स्थान प्राप्त पूजा समिति अंतर्गत प्रतिमा श्रेणी में प्रथम स्थान शिव शक्ति धाम पूजा समिति, लोहार पट्टी, किशनगंज दूसरा स्थान बाजार पूजा समिति, ठाकुरगंज और तीसरा स्थान के लिए मां अम्बे पूजा समिति, बहादुरगंज को प्रशस्त्रि पत्र और ट्रॉफी देकर डीएम और एसपी ने सम्मानित किया। इसी प्रकार सर्वश्रेष्ठ पंडाल और सजावट श्रेणी में प्रथम स्थान टाउन क्लब रूईधासा, किशनगंज, द्वितीय स्थान मनोरंजन क्लब, किशनगंज और तृतीय स्थान के लिए विप्लवी क्लब, ठाकुरगंज को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इसी

प्रकार सर्वश्रेष्ठ नागरिक सुविधा व प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रथम पुरस्कार मनोरंजन क्लब किशनगंज, द्वितीय स्थान कालीबाड़ी दुर्गा पूजा समिति, सुभाषपल्ली, किशनगंज और तीसरा स्थान प्राप्त करने पर डुमरिया दुर्गा पूजा समिति, डुमरिया किशनगंज को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में पूजा समिति के सदस्य के अतिरिक्त नागरिक एकता मंच के सदस्य उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त दशहरा, दुर्गापूजा एवं छठ पर्व 2023 के अवसर पर विधि-व्यवस्था संधारण के निमित्त प्रतिनियुक्त जिला स्तरीय दंडाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, सभी थानाध्यक्ष तथा अध्यक्ष, सचिव नागरिक एकता मंच को सम्मानित किया गया। मौके पर डीएम तुषार सिंगला ने दुर्गा पूजा 2023 पर आकर्षक पूजा पंडाल, प्रतिमा निर्माण और सुविधा के लिए सभी पूजा समिति का प्रोत्साहन किया और सम्मान समारोह की परंपरा को आगे जारी रखने की बात कही। इसे लेकर पूजा समिति सदस्य में काफी उत्साह रहा। उन्होंने नागरिक एकता मंच समेत आम जन को जिला प्रशासन के साथ उत्कृष्ट समन्वय पर आभार जताया तथा भविष्य में आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की। साथ ही उन्होंने जिला प्रशासन और जिला पुलिस के पर्व में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को विधि व्यवस्था संधारण में उनके लग्न और समर्पण की सराहना की और शुभकामनाएं दी। इसी प्रकार एसपी डा. इनाम उल हक मेंगनु के द्वारा पूजा समितियों तथा नागरिक एकता मंच को पर्व त्योहार पर प्रशासन के साथ सहयोगात्मक कार्य की सराहना की तथा दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी का मनोबल बढ़ाया। मौके पर जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारी, नगर परिषद अध्यक्ष, नागरिक एकता मंच के पदाधिकारी व सदस्य तथा बीडीओ, सीओ, एसएचओ व पूजा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।●

अंतर्राष्ट्रीय साइबर गिरोह का पर्दाफाश

● धर्मेन्द्र सिंह

पूर्णिया में तीन साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। पूर्णिया पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। इसकी जानकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी गई है। प्रेस कांफ्रेंस में एसपी ने बताया कि इन साइबर अपराधी का हैंडलर पाकिस्तान में है। पाकिस्तान से नेपाल में इन अपराध कर्मियों के माध्यम से एकाउंट खुलवाया जाता है। जिसमें अपराध का पैसा जमा किया जाता है और नेपाल में खाता खुलवाने वाले को कुल राशि का 2% भारतीय एजेंट को 5% दिया जाता है। यह तीनों भारतीय एजेंट है जिनका काम नेपाल में खाता खोलवाकर वहां से पैसा निकाल कर भारत लाना है। उसके बाद आगे हैंडलर के बताए हुए एकाउंट में डालना है। इन अपराध कर्मियों पर अग्रतर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

★ **गिरफ्तारी:-**

☞ मो० साकिम, पिता-मो० रहमान सा०-गरिया ले लोखंड वार्ड नंबर 5 थाना कुर्साकांटा जिला अररिया।

☞ सुशील कुमार पिताखमहादेव प्रसाद साह सा०-खेसरेल वार्ड-09 थाना कुर्साकांटा, जिला अररिया।

☞ मो० शाहनवाज आलम, पिता-इनामुल हक सा०- रामपुर वार्ड नंबर 3 थाना फारबिसगंज जिला अररिया।

★ **बरामदगी:-** मोबाइल-06, सिम कार्ड-05, डेबिट कार्ड -08, खाता-06 (रूपया-96000), बेलेरो-01 ●

नगर परिषद का निजाम बदलने के बाद भी व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं

● धर्मेन्द्र सिंह

शहरी व्यवस्था के सुधार के लिए सरकार की ओर से नगर निकाय में सीधे चुनाव की प्रक्रिया की ताकि व्यवस्था बेहतर तरीके से कामकाज हो। सीधे चुनाव के बाद नगर परिषद का निजाम बदलने के बाद भी व्यवस्था में फिलहाल कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। सिर्फ कागज पर ही योजनाएं तैयार की जा रही है। आलम यह है कि नगर परिषद कार्यालय परिसर तक की व्यवस्था को सुदृढ़ नहीं किया जा सका है तो शहर की व्यवस्था का क्या कहना। नगर परिषद कार्यालय में पूर्व में विभिन्न कार्यो के लिए खरीदारी किए गए लाखों के उपकरण पर अब तक न तो नए मुख्य पार्षद का ध्यान गया है और न मुख्य ही कार्यपालक पदाधिकारी का। खरीदारी किया गया लाखों का मशीन जंग लग बेकार हो रहा है। नगर परिषद क्षेत्र के साफ-सफाई एवं विभिन्न कार्यो के लिए खरीदारी वर्ष 2021 में किए गए हाइड्रोलिक एक्सवेटर नगर परिषद कार्यालय के पीछे जंग खा रहा है। करीब 25 लाख की लागत से खरीदारी किए गए इस मशीन का उपयोग न तो पूर्व के पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि के द्वारा कराया गया और न ही वर्तमान जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी कर रहे हैं। पूर्व के साथ-साथ वर्तमान मुख्य पार्षद से लेकर कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद के लाखों की संपत्ति को कबाड़ स्थिति में छोड़ दिए हैं। खरीदे गए मशीन को देखने से लगता है कि खरीदारी के बाद मात्र 10 से 15 किलोमीटर भी नहीं चला और अब तक जंग लग बेकार पड़ा हुआ है। वहीं गीला और सूखा कचरा अलग-अलग उठाव के लिए बनाया गया ट्रैक्टर ट्राली भी नगर परिषद कार्यालय के पीछे जंग खाने को छोड़ दिया गया है। इसके अलावा कुछ अन्य मशीन भी खरीदारी बाद रखा हुआ है। वहीं कुछ मशीन ऐसे हैं जिसे संचालित करने के लिए आपरेटर तक नहीं है। यह सरकारी पैसे की बर्बादी मानी जा रही है।

☞ **लाखों का होती वर्वादी देखने वाला कोई नहीं :-** नगर परिषद लोगों को सुविधा देने के लिए आम लोगों से प्राप्त राजस्व एवं विभाग के राशि से कई सामान की खरीदारी करता है। लाखों रुपये खर्च लोगों को सुविधा उपलब्ध कराने के नाम पर किया जाता लेकिन उस सामान को देखने वाला कोई नहीं होता है। नगर परिषद की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए पुरानी खरीदारी के सामान को उपयोग में नहीं लाकर सिर्फ नई खरीदारी की ओर ध्यान दिया जाता है। इसके लिए नगर परिषद के पदाधिकारी सहित जनप्रतिनिधि दोषी हैं जो विभाग के पैसा से खरीदारी किए गए सामान को उपयोग में लाने के बजाय उसे बेकार छोड़ दिए हैं।●

गर्ल्स हाई स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

● धर्मेन्द्र सिंह

एयरफोर्स में भर्ती के लिए बच्चे-बच्चियों में जागरूकता लाने के लिए गर्ल्स हाई स्कूल में 30 नवंबर को शिक्षा विभाग के सहयोग से एयरफोर्स के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एयरफोर्स के विंग कमांडर प्रदीप रेड्डी स्कूली छात्राओं को प्रेरित कर रहें थे। एयरफोर्स की टीम बिहटा से पहुंची थी। विंग कमांडर ने कहा कि अग्निवीर के अलावे अन्य माध्यमों से भी एयर फोर्स ज्वाइन कर सकते हैं। कम्पनी कमांडर ने कहा कि सफलता के लिए डिसिप्लिन सबसे महत्वपूर्ण है। आप आम जीवन मे अनुशासित रह कर एयरफोर्स ज्वाइन कर देश की सेवा कर सकते हैं। डीएम तुसार सिंगला ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य एयरफोर्स व आर्मी, नेवी में अब महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ी है। बच्चियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप भी स्कूल की शिक्षा के बाद सेना में जाकर देश सेवा के साथ अपना कैरियर सवार सकते हैं। इसके साथ ही सर्विस ज्वाइन कर जिला की

भागीदारी को भी बढ़ाना है। डीएम ने कहा कि बिहटा से एयरफोर्स की ऑफिसर आये है इसका लाभ लें। डीडीसी स्पर्श गुप्ता ने कहा कि तैयारी में समय देकर भारतीय सेना में शामिल होकर देश की सेवा में योगदान देना गौरव की बात है। ऐसे कार्यक्रमों में शामिल होकर अपने कैरियर को भी संवार सकते हैं। डीईओ सुभाष कुमार गुप्ता ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से आगे चलकर अपने कैरियर को संवारने के लिए एक लक्ष्य मिल जाएगा और देश सेवा की भावना जागृत होगी। मंच संचालन डीईओ सुभाष कुमार गुप्ता कर रहे थे। कार्यक्रम में एयरफोर्स की टीम से एयरफोर्स के ऑफिसर चिन्मय महापात्र, जी नेगी शामिल थे। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्कूलों के बच्चे अपने स्कूल के शिक्षक प्रतिनिधियों के साथ पहुंचे थे।●

व्यवहार न्यायालय परिसर में आयोजित हुई राष्ट्रीय लोक अदालत

● धर्मेन्द्र सिंह

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, किशनगंज के तत्वावधान में व्यवहार न्यायालय परिसर में 09 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। उक्त लोक अदालत में मदन किशोर कौशिक जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने पीठ के सदस्यों एवं अन्य पदाधिकारियों से अपील किया की पक्षकारों को ध्यान में रखते हुए मामलों का निपटारा उदारता पूर्वक एवं नियमानुसार करें तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, किशनगंज ओम शंकर ने पक्षकारों से विशेष अनुरोध किया कि वे अपने-अपने वादों का निष्पादन शांति पूर्वक एवं कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए सुरक्षात्मक रूप से करें। राष्ट्रीय लोक अदालत के पीठ के न्यायिक सदस्य कुमार गुंजन, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम, राघवेन्द्र नारायण सिंह, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, रोहित श्रीवास्तव, अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम, अमृत कुमार सिंह, मुंसिफ प्रथम किशनगंज, इंजमामुल हक न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, रंधीर कुमार, न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी सम्मिलित थे।

इन छः पीठों में गैर न्यायिक सदस्य के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकार किशनगंज के पैनल अधिवक्ता क्रमशः जय किशन प्रसाद, मधुकर प्रसाद गुप्ता, प्रदीप ठाकुर, महादेव प्रसाद दिनकर, प्रभात कुमार राय, एवं संगीता मानव की प्रतिनियुक्ति की गई थी। राष्ट्रीय लोक अदालत में व्यवहार न्यायालय के कुल 202 मामलें जिसमें दावा वाद के 09 मामलें, अपराधिक शमनीय 134 मामलें, विधुत विभाग के 58 मामलें एवं चेक बाउंस के 01 मामलें सम्मिलित हैं। 09 दावा वादों में कुल- 65,25,000/ का समझौता हुआ। बैंक ऋण के कुल 541 मामले में समझौता राशी कुल रूपये 8,15,43,314/- का तथा 14 टेलीफोन बिल से संबंधित मामलों में कुल रूपये 70,729/- का समझौता हुआ। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में काफी भीड़ देखी गई। जहा जिले के विभिन्न क्षेत्रो से आए पक्षकारों ने अपने-अपने वाद का निष्पादन करवाने में काफी सक्रिय भूमिका निभाई। पक्षकारों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो इसके लिए जगह-जगह सहायता केंद्र पर साथ ही प्रत्येक पीठ में एकख़एक पारा विधिक स्वंय सेवकों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, किशनगंज के कर्मी के साथ-साथ व्यवहार न्यायालय के कर्मचारीगण ने काफी सक्रीय भूमिका में दिखें।●

16 लाख लूटकर पीछे दरवाजे से लुटेरे फरार

● गुड्डू कुमार सिंह

आरा में हुई बैंक लूट ने पुलिस की नींद उड़ा दी। पांच हथियारबंद लुटेरों ने लगभग साढ़े 16 लाख रुपये लूटने के साथ ही पुलिस को चकमा भी दिया। आरोपियों ने महज 4 मिनट में लूट की वारदात को अंजाम दिया। फिर बैंककर्मियों को कमरे में बंद कर भाग गए। चौंकाने वाली बात यह है कि अपराधी भागते वक्त बैंक को अंदर से लॉक कर दिया। शटर भी डाउन कर दिया। इधर, अचानक पुलिस को इसकी भनक लगी। फौरन पुलिस बैंक के बाहर पहुंची। लुटेरों द्वारा दरवाजा लॉक भी कर दिया गया था। सभी को लगा कि लुटेरे बैंक में ही हैं, इससे इलाके में दहशत मच गई। पुलिस ने बैंक को चारों ओर से घेर लिया। एसपी से लेकर अन्य सभी पुलिस अफसर मौके पर पहुंच गए। पुलिस बाहर से आरोपियों को सरेंडर करने की अपील करती रही। करीब डेढ़ घंटे बाद पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी। तो लुटेरे अंदर नहीं मिले। पुलिसकर्मियों ने बंधक बनाए गए बैंक कर्मियों को छुड़ाया।

बताया जा रहा है कि कतीरा मोड़ पर एक्सिस बैंक में सुबह 10 बजकर 15 मिनट में पांच की संख्या में हथियारबंद बदमाश घुसे थे। एक मिनट के अंदर सभी बैंक स्टाफ को पेंट्री रूम बंद कर दिया। कैश करीब साढ़े 16 लाख कैश काउंटर पर रखा था। अपराधी उसे लूट कर पीछे के रास्ते से फरार हो गए। 15 मिनट बाद एसपी प्रमोद कुमार समेत 150 से ज्यादा पुलिसकर्मी पहुंच गए। भोजपुर पुलिस की स्पेशल टीम को भी बुला लिया गया। पुलिस जवानों ने बैंक को चारों ओर से घेर लिया। 30 मिनट तक पुलिस वाले सरेंडर करने के लिए बैंक के बाहर से अनाउंसमेंट करते रहे। हालांकि बदमाश पुलिस के पहुंचने से पहले ही स्टाफ को कैंटीन में बंधक बनाकर कैश लेकर भाग गए थे। इसके बाद

लुटेरों की सूचना देने वालों को मिलेंगे 50 हजार

नवादा थाना क्षेत्र के कतीरा मोड़-सर्किट हाउस रोड स्थित एक्सिस बैंक में दिनदहाड़े घटित डकैती कांड में संलिप्त लुटेरों की पहचान करने एवं पकड़वाने में मदद करने पर पुलिस 50 हजार रुपये का इनाम देगी। भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि कांड में संलिप्त लुटेरों की पहचान एवं कांड के उद्भेदन में मदद करने वालों के लिए पचास हजार रुपये पुलिस की ओर से घोषित किया गया है। कांड में संलिप्त लुटेरों की पहचान और कांड के उद्भेदन में मदद करने वालों को पचास हजार रुपए पुलिस की ओर से घोषित किया गया है। एसपी ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग भोजपुर पुलिस की मदद करें। मदद करने वाले की जानकारी पूरी तरह से गुप्त रखी जाएगी। साथ ही उन्हें इनाम स्वरूप घोषित राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जाएगा। पहचान के साथ अन्य जानकारी पुलिस को देने के लिए एसपी ने अपना दो मोबाइल नंबर 94318 22980 एवं 6207926706 सार्वजनिक किया है। दोनों नंबरों पर वॉट्सऐप सुविधा भी है। कांड में संलिप्त एक लुटेरा की स्पष्ट तस्वीर भी जारी की गई है, जिससे की पहचान करने में मदद मिल सकेगा। आपको बता दे कि छह दिसंबर 2023 को एक्सिस बैंक में हथियार बंद अपराधियों ने सुबह सवा दस बजे के आसपास धावा बोलकर करीब 16 लाख 96 हजार रुपये लूट लिए थे। हालांकि, घटना के चार दिनों बाद भी इसमें संलिप्त पाचों लुटेरों की पहचान नहीं हो सकी है। जिसके कारण पुलिस की ओर से इनाम की राशि घोषित की गई है। इस कांड की जांच एवं अनुसंधान की प्रगति की जानकारी लेने के लिए दो दिन पूर्व शाहाबाद डीआईजी नवीन चन्द्र झा भी आरा आए थे। कई बिंदुओं पर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए थे। वैसे इस कांड में शाहाबाद प्रक्षेत्र से लेकर पटना जिले के गिरोह के इर्द-गिर्द भी पुलिस की शक की सूई घूम रही है। दूसरे जिले के कांडों में संलिप्त लुटेरों की तस्वीर से भी फुटेज में कैद लुटेरों की तस्वीर से मैच कराने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन, अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। शुरूआती जांच में वारदात को अंजाम देने वाले अपराधियों के आरा-पटना हाइवे के रास्ते भागने के संकेत मिले थे। इस मामले में पटना पुलिस के अलावा अन्य जिलों के एसपी से भी संपर्क साधा गया है। पुलिस टावर डंप के साथ-साथ तकनीकी सूत्र की भी मदद ले रही है। पूरे ऑपरेशन की मॉनिटरिंग खुद भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार कर रहे हैं। शाहाबाद प्रक्षेत्र के डीआईजी नवीन चन्द्र झा से लेकर मुख्यालय में बैठे वरीय अधिकारी भी पल-पल का अपडेट ले रहे है। ऑपरेशन में जिला पुलिस के अलावा पटना एसटीएफ की टीम भी मदद में लगी है।

बैंक लूटकांड मामले में डीआईजी पहुंचे आरा

नवादा थाना क्षेत्र के कतीरा मोड़-सर्किट हाउस रोड स्थित एक्सिस बैंक में बुधवार की सुबह हुए दिनदहाड़े लूटकांड में शामिल लुटेरों को चिन्हित करने के लिए भोजपुर पुलिस की स्पेशल टीम तकनीकी सूत्र, टावर डंप के साथ-साथ चौक चौराहे पर लगे सीसीटीवी को लगातार खंगाल रही है। लुटेरों की पहचान के लिए एप की मदद ली जा रही है। पुलिस ने दो संदिग्धों को चिन्हित भी किया है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पटना एसटीएफ की टीम भी लगी है। पूरे ऑपरेशन की मॉनिटरिंग खुद पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार कर रहे है। शाहाबाद प्रक्षेत्र के डीआईजी नवीन चंद्र झा आरा पहुंचे। अधिकारियों के साथ बैंक लूट के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण बिंदुओ की समीक्षा बैठक की गई । साथ ही लूटकांड मामले को लेकर हुआ दिशा-निर्देश भी दिए। अभी तक प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आ रही है की अपराधी दो अलग-अलग बाइक पर आए थे । जो घटना को अंजाम देने के लिए बाइक को बैंक के बाहर पार्क किए थे । वारदात को अंजाम देने के बाद शहर से होते हुए आरा-पटना हाईवे के कुल्हड़ीया टोल प्लाजा के रास्ते पटना की ओर भागने संकेत मिल रहे है । वहीं स्पेशल टीम जेल से जमानत पर बाहर आए पुराने हिस्ट्रीशीटर अपराधियों पर नजर रखी हुई है। इसके लिए आसपास के जिलों के पुलिस अफसरों को भी डकैती की सीसीटीवी फुटेज भेज दिया गया है। साथ ही टीम विगत पांच दिनों के अंदर बैंक आने जाने संदिग्धों को चिन्हित करने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस यह संभावना जाता रही है की कांड को अंजाम देने वाले अपराधी बाहरी जिलों के भी हो सकते है। वारदात को अंजाम देने से पहले बैंक की रेकी की आशंका जताई जा रही है, जिसके चलते सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। साथ ही अपराधियों की करीबी जो लाइनर का काम किए है उसपर भी पुलिस की पैनी नजर है।

पुलिस के जवान शटर उठाकर बैंक के अंदर गए। पुलिस को बैंक के अंदर एक भी बदमाश नहीं मिले। भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार के द्वारा पुष्टि करते हुए बताया गया कि लगभग साढ़े 16 लाख रुपया अपराधी लूट कर भागे है। एसपी द्वारा बताया गया कि जैसे ही पुलिस को सूचना मिली पुलिस दो मिनट के अंदर बैंक पहुंच गई उसके बावजूद अपराधी बैंक के मेन गेट पर ताला मार भाग गए थे। इस वजह से थोड़ा कंफ्यूजन पुलिस को हुआ कि अपराधी अंदर ही हैं लेकिन जब ताला तोड़ा गया तो पता चला कि अपराधी पहले ही कैश लूट कर भाग गए। पुलिस द्वारा शहर के चारों तरफ नाकाबंदी कर दी गई है। जल्द ही अपराधियो को गिरफ्तार किया जायगा और पैसा की बरामदगी की जायगी।●

ओमकेश हत्याकाण्ड का मुख्य अभियुक्त यूपी से गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

नवादा थाना क्षेत्र के उमानगर चंदवा मोहल्ले में रहने वाले बक्सर निवासी हवलदार नागेंद्र सिंह के बेटे ओमकेश सिंह की हत्या का पुलिस ने खुलासा किया। ओमकेश के सीने में गोली मारकर हत्या की गई थी। हत्या के बाद शव को जलाया, फिर उसे बोरी में पत्थर डालकर नदी में फेंक दिया गया था। इस निर्मम हत्याकांड में शामिल नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी नवादा थाना क्षेत्र के चंदवा मोहल्ला निवासी विद्यासागर का बेटा सुशांत दीप उर्फ सुशांत तिवारी है। पकड़ा गया आरोपी बीएससी नर्सिंग का स्टूडेंट है। मेरठ में रहकर पढ़ाई करता है। उसकी गिरफ्तारी उत्तर प्रदेश के लखनऊ से की गई है। मृतक युवक ओमकेश और आरोपी सुशांत दोनों दोस्त थे। 22 नवंबर (बुधवार) को हंसी-मजाक के दौरान आरोपी सुशांत और ओमकेश के साथ झगड़ा हुआ था। इसके बाद 24 नवंबर दिन शुक्रवार की सुबह ओमकेश अपने कुछ दोस्तों के साथ मिलकर आरोपी युवक को बुलाकर बेल्ट से पिटाई कर दी थी। हालांकि, उस दिन दोनों पक्षों ने आपस में बैठकर समझौता कर लिया था। इसके बाद सुशांत ने अपने दोस्तों को पूरी घटना बताई। फिर हत्याकांड में शामिल सभी नामजद आरोपियों (बुचुल यादव, रोहित सिंह, विवेक राय और सूरज यादव) ने पहले आरोपी युवक सुशांत को चंदवा गांव के नहर किनारे बुलाया। इसके बाद ओमकेश और उसके दोस्त सुमित को फोन कर बुलाया। इसके बाद दोनों नहर किनारे पहुंचे, जहां पहले से नामजद आरोपी बैठे हुए थे। नामजद आरोपियों ने ओमकेश के साथ पहले मारपीट की। फिर उसकी गोलीमार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपियों ने शव को एक बोरे में पत्थर डालकर नदी के बीचों-बीच फेंक दिया था। भोजपुर SP प्रमोद कुमार ने बताया कि 24 नवंबर को मृतक की बड़ी बहन अनु ने नगर थाने में ओमकेश सिंह (18) के लापता होने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी में बुचुल यादव, रोहित सिंह, विवेक राय, सुशांत तिवारी और सूरज यादव पर साजिश के तहत हत्या करने का आरोप लगाया था। आवेदन में लिखा गया था कि ओमकेश अपने दोस्त सुमित के साथ घर से निकला था, लेकिन घर वापस नहीं लौटा। इसके बाद ASP चंद्र प्रकाश के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम से मृत युवक के दोस्त सुमित ने पूछताछ के दौरान सभी आरोपियों के नाम बताए। इसके बाद सुमित की निशानदेही पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, जहां 24 नवंबर (शनिवार) को कई जगह खून के छींटे पाए गए। इसके बाद FSL, डॉग स्क्वायड और क्लू टीम को बुलाया गया था। टीम ने मौके से खून से लथपथ टीशर्ट बरामद किया था। टीम ने दो दिनों की कड़ी मशक्कत के बाद 27 नवंबर (सोमवार) को शव को नदी से खोजकर बाहर निकाला। वारदात के बाद आरोपी सुशांत भागकर लखनऊ चल गया था, जहां एक कमरा लेकर छिपा हुआ था। SP ने बताया कि सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए वारंट के साथ-साथ छापेमारी चल रही है। जल्द से जल्द कुर्की की प्रक्रिया की जाएगी। मृत युवक बक्सर जिले के अरक गांव निवासी नागेंद्र सिंह का बेटा ओमकेश सिंह (18) था। वह बीए पार्ट वन का छात्र था। वर्तमान में नवादा थाना क्षेत्र के चंदवा उमानगर मोहल्ले में करीब चौदह वर्षों से किराए के मकान में रहता था। मृत युवक के पिता सहरसा जिले के सेमरी बख्तियारपुर थाने में हवलदार के पद पर कार्यरत हैं। मृत ओमकेश दो भाई और दो बहन में सबसे छोटा था। उसके परिवार में मां रीता देवी, दो बहन शालिनी कुमारी, अनु कुमारी और एक भाई अभिषेक सिंह है।●

लड़के ने कहा कुंवारा, अब बनने वाला है बच्चे का पिता!

● गुड्डू कुमार सिंह

जिले में एक शख्स को पहली पत्नी के रहते हुए दूसरी शादी करना महंगा पड़ गया है ,कई वर्षों बाद अस्पताल संचालक के दोनों पत्नियों को आपस में सामना हुआ तो, फिर क्या, वहां खूब ड्रामा हुआ, दोनों पत्नियां आपस में झगड़ पड़ीं और जमकर लात-घूंसे चले ,दोनों ने एक दूसरे के बाल नोचे और जमकर मारपीट की, ऐसे में यह झगड़ा सुलझाने के लिए पति को बीच में आना पड़ा और लड़ाई खत्म करवाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, दरअसल, घटना भोजपुर जिले के गजराजगंज थाना क्षेत्र के चौकीपुर गांव की है, दरअसल यह कहानी नैना कुमारी और रजनीश कुमार पांडे की है, नैना द्वारा बताया गया कि 24 जून 2021 को नोटरी कागजात पर सिग्नेचर कर दोनों ने शादी की थी। रजनीश द्वारा कोर्ट में शादी करने का परहेज कर रहा था, अब बात कर तो यह नैना नामक महिला भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के कुंडेश्वर गांव के देव कुमार सिंह के पुत्री बताई जा रही है। और यह लड़का रजनीश कुमार पांडे रामपुर पवन का रहने वाला रामनिवास पांडे के पुत्र बताया जा रहा है। दोनों का इश्क 2019 के लॉकडाउन में शुरु हुआ था , इन दोनों का एक 1 साल की पुत्री भी है, पर अब

रजनीश कुमार पांडे अपनी प्रेमिका नैना को पहचानने से इनकार कर रहा है, नैना दर-दर की ठोकरे खा रही है और पुलिस से लेकर पत्रकारों तक पहुंच कर अपनी बीती हुई बातों को बताकर इंसाफ की गुहार लगा रही है। पर इंसाफ कब मिलेगा इस महिला को हर किसी को समझ से बाहर है, क्योंकि ना तो पुलिस प्रशासन इस महिला का बात सुन रहा है नहीं कोई बड़े नेता पदाधिकारी, कई लोगों ने तो इतना कह दिया कि एक हाथ से ताली नहीं बजाता इसमें गलती दोनों की है, पर महिला का इंसाफ मिलना चाहिए , पर यह इंसाफ महिला को कब मिलेगा जब किसी दिन इस महिला का जान चली जाएंगी, महिला एसपी से लेकर महिला थाने तक गुहार लगाई पर सुनने वाला अब तक कोई नहीं है, लड़की ने इतना तक कह दिया कि मेरे पास कई सबूत है और हमने पुलिस को सौप भी पर अब तक हमें इंसाफ नहीं मिल रहा है क्योंकि रजनीश एक अस्पताल संचालक है और जहां मैं जाती हूं वहां पैसों का निछावर कर देता है और उसे व्यक्ति को खरीद लेता है।●

चार फर्जी सीआईडी अधिकारी हथियार के साथ गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

जिले की डुमरांव थाना की पुलिस ने एक फर्जी सीआईडी टीम के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। सभी अपने चार पहिया वाहन पर सीआईडी का बोर्ड और लोगो लगा कर घूम रहे थे। उनके पास से एक बंदूक भी मिली है। पुलिस यह मान रही है कि यह लोग सीआईडी के नाम पर अवैध वसूली का धंधा चलाते थे, फिलहाल इन्हें गिरफ्तार जेल भेज दिया गया है। बताया गया कि गुरुवार की रात डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी नगर में निकले थे। इसी बीच उन्हें सीआईडी का बोर्ड लगा कर आती एक चार पहिया गाड़ी दिखी। उन्होंने उसे रोका तो उसमें चार युवक बैठे दिखे। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम संजय सिंह, रंजन कुमार, सुरेन्द्र कुमार और वृंद कुमार बताया। अपना पता रोहतास का दावथ गांव बताया। उनके पास एक राइफल और सात गोलियां भी मिली है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि बंदूक उसके चाचा की है, लेकिन बंदूक लेकर क्यों घूम रहे थे, यह नहीं बताया। उनके पास से बरामद स्कॉर्पियो का नंबर बीआर 03 पी 6886 है। डुमरांव एसडीपीओ आफाक अख्तर अंसारी ने बताया कि महाराजा पेट्रोल पंप के पास से एक चार पहिया वाहन में सवार चार लोगों को पकड़ा गया है। तलाशी लेने पर 15 बोर की एक राइफल, सात जिंदा कारतूस, एक लोहे का बना हुआ भूजाली मिला है। उनको गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने अपने वाहन पर सीआइडी का बोर्ड लगाया हुआ था। ऐसा अंदेशा है कि पकड़े गए युवक इसी के नाम पर लोगों में भय पैदा कर अवैध वसूली करते थे। वहीं जैसे ही फर्जी सीआईडी अधिकारी की गिरफ्तारी की सूचना फैली, आरोपियों को छुड़ाने के लिए सफेदपोश के फोन आने शुरू हो गए। एसडीपीओ की माने तो सभी रोहतास के खनन माफिया, शराब माफिया, कोल माफियाऔर पत्थर माफिया से कनेक्शन है. पुलिस जेल भेजने की तैयारी कर रही है।●

तिलक-विवाह में फायरिंग होने पर कन्या व वर पक्ष पर होगी कार्रवाई

● गुड्डू कुमार सिंह

वैवाहिक और अन्य समारोहों में फायरिंग और उससे होने वाली कांडों को रोकने के लिए भोजपुर पुलिस पहल कर रही है। आयोजक से लेकर थानाध्यक्ष तक की जवाबदेही तय की जा रही है। इसके तहत संबंधित घरों तक जाकर पुलिसकर्मी और चौकीदार नोटिस पहुंचा रहे हैं। इस बारे में भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार ने सभी पुलिस उपाधीक्षकों, अंचल पुलिस निरीक्षकों, थानाध्यक्षों व चौकिदारों को निर्देश दिया है कि अपने-अपने क्षेत्र में कार्यक्रम से संबंधित व्यक्ति और वैवाहिक समारोहों में दोनों पक्षों को फायरिंग की अनुमति नहीं होने की नोटिस देना है। शादी समारोह से पहले वर और वधू दोनों पक्षों को घोषणापत्र देना होगा कि फायरिंग नहीं होगी। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि हथियारों के प्रदर्शन और हर्ष फायरिंग होने पर अब आयोजकों के खिलाफ भी अपराधियों को संरक्षण देने संबंधी केस दर्ज किया जाएगा। हालांकि, उससे पहले पुलिस की ओर से आयोजकों को नोटिस के जरिए आगाह किया जा रहा है। शादी विवाह वाले घरों तक नोटिस पहुंचाने का काम शुरू कर दिया गया है। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि सभी थानाध्यक्षों की ओर से चौकीदारों के जरिए शादी विवाह सहित हर बड़े आयोजन और सामूहिक कार्यक्रम के आयोजकों को नोटिस दी जा रही है। नोटिस के माध्यम से आयोजकों को किसी भी तरह के लाइसेंसी या गैर लाइसेंसी हथियारों के प्रदर्शन एवं हर्ष फायरिंग की अनुमति नहीं देने की बात समझायी जा रही है। नोटिस प्राप्त करने के बाद आयोजकों द्वारा स्थानीय थाने में शपथ के जरिए हर्ष फायरिंग और हथियारों के प्रदर्शन की अनुमति नहीं देने की जानकारी देनी होगी। उसके बावजूद समारोह में हर्ष फायरिंग या हथियारों के प्रदर्शन की शिकायत मिली, तो आयोजकों के खिलाफ अपराधियों का सरंक्षण देने का केस किया जायेगा। एसपी ने बताया कि काफी पहले से ही शादी विवाह सहित अन्य समारोहों में हर्ष फायरिंग और हथियारों का प्रदर्शन नहीं करने की अपील की जा रही है। उसके बाद भी हर्ष फायरिंग की घटनाएं हो रही है। उसे गंभीरता से लेते हुए सख्त कदम उठाया जा रहा है। फायरिंग होने पर विवाह भवन और कन्या-वर पक्ष घटना के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार होंगे। उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई होगी।●

अपहृत कारोबारियों को पुलिस ने कराया मुक्त

● गुड्डू कुमार सिंह

बदमाशों ने हरियाणा के फरीदाबाद से आरा आए तीन कारोबारियों को बंधक बना लिया। इनके साथ ही एक भोजपुर के शख्स को भी अगवा किया गया था। बदमाशों ने इनके साथ मारपीट की और उनके परिजनों से 5 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। परिजनों की सूचना पर हरकत में आई भोजपुर पुलिस ने ताबड़तोड़ दबिश देते हुए तीन बदमाशों को दबोच लिया है। वहीं इन बदमाशों की निशानदेही पर सभी लोगों को मुक्त करा लिया गया है। आरोपियों के पास से एक रिवॉल्वर, तीन गोली, दो बाइक और दो मोबाइल बरामद किए गए हैं। फरीदाबाद के जितेंद्र पाठक, आर्यन चौहान, दिल्ली के गगन बिहार और भोजपुर के कपिल शर्मा तिलक में शामिल होने आए थे। रविवार 26 नवंबर को चारों का अपहरण कर लिया गया। पुलिस ने सोमवार को चारों को किडनैपर्स से छुड़ा लिया है। चारों अपने दोस्त नैनीजोर गांव के कृष्ण कुमार के तिलक समारोह में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। कृष्ण ने जिन युवकों को चारों को बाइक से नैनीजोर तक छोड़ने को कहा था। उसी

ने अपने कुछ और सहयोगियों के साथ इनका अपहरण कर लिया। आरोपियों ने पांच लाख की फिरौती मांगी। इसके बाद फरीदाबाद के जितेंद्र पाठक के चचेरे भाई धर्मेंद्र पाठक ने पूरी घटना की जानकारी भोजपुर पुलिस को दी। इसके बाद भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार के निर्देश पर जगदीशपुर एसडीपीओ राजीव चन्द्र सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी सूत्र के आधार पर करनामेपुर के रमदतही बगीचा में छापेमारी कर तीनों आरोपितों को धर दबोचा गया। पुलिस को देख अपहरणकर्ता बाइक के साथ भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा किया तो उन लोगों ने पुलिस पर ही पिस्टल तान दी। पुलिस द्वारा पीछा करते हुए दो बाइक पर तीन अपराधियों को दबोच लिया गया। निशादेही पर दलना छपरा के घने बगीचा से तीनों अपहृतों को बरामद कर लिया गया।ैक्ब्व राजीव चंद्र सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में ओझवलिया गांव निवासी आयुष तिवारी, फरीदाबाद निवासी कुलदीप कश्यप और जीतू कुमार शामिल हैं। तीनों ने अगवा किए लोगों के साथ मारपीट भी की है। किडनैपर्स ने 20 हजार कैश और 70 हजार रुपए मोबाइल से ट्रांसफर भी करवा लिए थे। इस कांड में शामिल अन्य लोगों को गिरफ्तार करने की कार्रवाई की जा रही है। टीम में शाहपुर थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार, कारनामेपुर ओपी प्रभारी मनीष कुमार, अपर थानाध्यक्ष पूनम कुमारी शामिल रहे।●

भोजपुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई में दो लुटेरे गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर के संदेश थाना क्षेत्र के रेपुरा स्थित पेट्रोल पंप से लूटपाट कर भाग रहे दो अपराधियों को पुलिस ने कुछ घंटों में ही गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से लूट के 45 सौ रुपए नगद, एक देसी पिस्टल, चार गोली, दो बाइक और एक मोबाइल भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार लुटेरों में संदेश थाना क्षेत्र के कुटियारी गांव निवासी राजा यदुवंशी और बक्सर के अरक गांव निवासी हर्ष कुमार शामिल हैं। दोनों को संदेश थाना क्षेत्र के कुटियारी गांव से गिरफ्तार किया गया है। इनमें हर्ष कुमार अपने ननिहाल संदेश थाना क्षेत्र के नसरतपुर गांव में रहता था। राजा यदुवंशी पूर्व से लूट और गोलीबारी में वांछित था। उसके खिलाफ आरा के नवादा और उदवंतनगर थाने में पहले से केस दर्ज हैं। एसपी ने बताया कि मंगलवार की रात करीब 9:40 बजे दोनों अपराधी पेट्रोल पंप पर काले रंग की बाइक से आए थे और नोजलमैन से बाइक में पेट्रोल भरवाकर पैसा मांगने पर पिस्टल भिड़ा दिए थे तथा बिक्री का करीब 5600 रूपये छीनकर भाग गए थे। इसे लेकर अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। इस दौरान सदर एएसपी चन्द्र प्रकाश के नेतृत्व में गठित टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। जिसके आधार पर कांड में संलिप्त राजा को चिह्नित किया गया। इस दौरान टीम ने पहले घटना को अंजाम देने वाले राजा यदुवंशी को खुटियारी गांव पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपने साथी हर्ष कुमार का नाम बताया। निशानदेही पर पुलिस ने हर्ष के ननिहाल नसरतपुर गांव में छापेमारी कर उसे भी धर दबोचा। 7.65 एमएम का एक पिस्टल तथा चार जिंदा कारतूस राजा यदुवंशी के घर से बरामद किया गया। जबकि, प्रत्युक्त मोटर साइकिल के अलावा एक और मोटरसाइकिल को भी जब्त किया। लूटी गई राशि में से करीब 4500 रूपये नकद भी बरामद कर लिया गया। टीम में संदेश थानाध्यक्ष अवधेश कुमार, दारोगा विजय कुमार एवं संजय यादव शामिल थे।●

अवैध आग्नेयास्त्र, कारतूस एवं मोबाइल के साथ अपराधी गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

गड़हनी थानान्तर्गत लूट के कांड में संलिप्त 02 अपराधी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वादी रमेन्द्र कुमार सिंह, पे०- रघुवर दयाल सिंह, सा०-लसाड़ी, थाना-गड़हनी, जिला-भोजपुर दिनांक 09.11.2023 को संध्या में रोज की तरह गड़हनी में अपने मेडिकल क्लिनिक को बंद कर वादी अपने मोटरसाईकिल से घर जा रहा था। उसी कम में समय करीब 07:30 बजे संध्या में सिकड़िया मोड़ से करीब 100 मीटर पूर्व पहुँचे थे कि पीछे से एक मोटरसाईकिल पर सवार 03 अज्ञात व्यक्ति आये और वादी का मोटरसाईकिल रोककर पिस्टल का भय दिखाकर वादी का मोबाईल एवं नगद-20,000/- रूपया लूटकर भाग गया। इस संबंध में वादी के द्वारा दिये गये लिखित आवेदन के आधार पर गड़हनी थाना कांड सं0-176/23, दिनांक 11.11.2023, धारा-392 भा०द०वि० दर्ज किया गया। उक्त कांड में संलिप्त अपराधकर्मी की गिरफ्तारी एवं लूटी गई राशि / मोबाईल की बरामदगी हेतु अद्योहस्ताक्षरी द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर आरा के नेतृत्व में थानाध्यक्ष गड़हनी थाना एवं थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा उक्त कांड में संलिप्त 02 अपराधकर्मी को आसूचना संकलन करते हुये रेड /छापामारी कर गिरफ्तार किया गया तथा गिरफ्तार अपराध कर्मी के शरीर का विधिवत् तलासी लिया गया तो उनके पास से 01 देशी कट्टा, 03 जिंदा कारतूस एवं 03 मोबाईल (02 मोबाईल लूट का) बरामद किया गया हैं।

☞ **गिरफ्तार अभियुक्त का नाम इस प्रकार है :-**

(1) मंतोष कुमार, पे०-योगेन्द्र सिंह, सा०-तापा डिहरी, थाना-संदेश, जिला-भोजपुर। (पप) सुभाष कुमार, पे०-विनोद सिंह, सा०-सदेनपुर, थाना-तरारी, जिला-भोजपुर।

☞ **बरामदगी** :-(1) देशी कट्टा-01(पप) जिंदा कारतूस-03(पपप) मोबाईल-03 (02 लूटी गई मोबाईल)।●

कपड़े की दुकान में लगी भीषण आग

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के आरा शहर के प्रमुख बाजार चित्रटोली रोड स्थित रामचंद्र -काशीनाथ रेडीमेड कपड़े की दुकान में गुरुवार की शाम छह बजे अचानक भीषण आग लग गई। जिसमें करीब एक करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है। आग लगने का कारण शॉर्ट-सर्किट बताया जा रहा है। आग की लपटें इतनी भीषण थी कि दूसरी मंजिल की छत की सिलिंग आधे घंटे में टूटकर गिर गई। तरी मोहल्ला निवासी सुरज कुमार एवं चंदन कुमार के घायल होने की सूचना है। आग प्रथम मंजिल में उस समय लगी, जब दुकान में ग्राहक थे और बाजार में शादी और पर्व त्योहार को लेकर खरीदारों की भीड़ लगी थी। आग लगते ही आसपास की दुकानों के शटर धड़ाधड़ गिरने लगे। आसपास के दुकानदारों में दशहत का माहौल हो गया। करीब पच्चीस से तीस फीट चौड़ी सड़क पर आवागम तीन घंटे तक पूरी तरह ठप रहा। जब तक दुकान के मालिक अश्वनी कुमार और प्रबंधक पूरी तरह

समझ सकते, देखते-देखते पूरी दुकान आग की चपेट में आग गई। आसपास के दुकानदारों ने दमकल विभाग को फोन किया, लेकिन घटना के 40 मिनट बाद शाम 6:40 बजे दमकल विभाग की गाड़ी पहुंची। दमकल विभाग की जो गाड़ी पहले पहुंची वह आग बुझाने में असफल साबित हुई। उसकी पाइप से पानी ऊपर नहीं पहुंच पा रहा था। इसके आधे घंटे के बाद दूसरी दमकल की गाड़ी पहुंची। जिसके द्वारा आग बुझाने की कोशिश शुरू हुई। तब तक दुकान का सभी सामान जलकर खाक हो चुका था। दुकान की दूसरी मंजिल की छत से निकल रही लपटों पर काबू पाने के लिए एक दमकल गाड़ी अपर्याप्त साबित हुई। इसके बाद तीसरी दमकल विभाग की गाड़ी शाम 7:51 मिनट पर पहुंची। इसके बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस दौरान सदर एसडीओ लाल ज्योति नाथ साहदेव, सदर एएसपी चन्द्र प्रकाश एवं इंस्पेक्टर संजीव कुमार कैंप करते रहे। दुकान में भीषण आग लगने के कारण दुकान के आगे लगा शीशा अचानक तेज आवाज के साथ ब्लास्ट कर गया। जिसके बाद आसपास मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। शीशा ब्लास्ट करने एवं भगदड़ में कुछ लोगों को चोटें भी आई हैं। आग का भीषण रूप देखकर आसपास के दुकानदार भी सहमे हुए थे।●

दलालो के दलदल में अंचल कार्यालय बिहिया

● बिन्ध्याचल सिंह

यहाँ गाडी लगाना मना है, गेट के सामने गाडी लगाना मना है, दलालो से सावधान, कृप्या शांति बनाये रखे, यहा पेशाब करना मना है। उपयुक्त वाक्य अक्सर दीवारो पर लिखे हुये आपने पढा होगा। परन्तु जहाँ उपरोक्त वाक्य लिखा रहता है, वहाँ अक्सर वही कार्य होता है । जिसका प्रमाण अंचल कार्यालय बिहिया के दीवारो पर मिलेगा। अंचल कार्यालय बिहिया के बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी इस प्रकार है । पहला- अंचल कार्यालय बिहिया में सेवा दे रहे हल्का राजस्व कर्मचारी अपने जॉच के अनुसार रिर्पोट नही दे सकते, क्योकि दलालो व पदाधिकारीयो का दबाव बना रहता है। दूसरा - अगर किसी भी दाखिल खारिज आवेदन पर आपति का आवेदन अंचल कार्यालय को प्राप्त होता है, तो उस दाखिल खारिज आवेदन का निष्पादन 36 घंटे के अन्दर कर दिया जाता है। जिसका प्रमाण कटेया मौजा से प्राप्त कर सकते है । इसकी जानकारी नगर पंचायत ब्रहम्मपुर जिला - बक्सर के वार्ड नम्बर सात से प्रतिनिधि को जानकारी हुई, जो जॉच का विषय है । तीसरा - जमीन से सम्बन्धित कोई भी जानकारी पदाधिकारी से प्राप्त करना चाहेगे तो पदाधिकारी हल्का राजस्व कर्मचारी का हवाला देकर आपको जानकारी नही देगी। तीसरा- किसी भी दाखिल खारिज के आवेदन को निष्पादन करने में अंचल के पदाधिकारी सशरीर खेसरा पर नही जाकर कार्यालय में निष्पादन कर देते है। जिसका प्रमाण मौजा-जादोपुर खाता-112 के तमाम खेसरा से प्राप्त कर सकते है। खाता-112 में जिस खेसरा का दाखिज खारिज के आवेदन का निष्पादन हुआ है उस सभी केताओ से सेवा शुल्क ली गई है, ऐसा अगर नही है, तो विक्रेता के नाम खाता-112 में के सभी खेसरा में छठवाँ भाग ही हिस्सेदार है । तो एक हिस्सेदार को एक खेसरा का दाखिल खारिज किस नियमावली के तहत किया गया? उपरोक्त खबर इस बात को प्रमाणित करती है कि अंचलाधिकारी बिहिया का अंचल कार्यालय पुर्णत: सेवा शुल्क व हल्का राजस्व कर्मचारी पर दबाव बनाकर रिर्पोट बनवाई जाती है।●

ब्रह्मपुर थाना : अतीत से वर्तमान तक

● बिन्ध्याचल सिंह

नवम्बर–2023 से ब्रहम्मपुर थानाध्यक्ष के रूप श्री रंजीत कुमार को क्षेत्र की सुरक्षा की जिम्मेवारी सौपी गयी है जिसे वे बखुबी से निभा रहे है। उनकी पदस्थापना तब हुई जब थाना के चौकीदार ने तत्तकालीन थानाध्यक्ष बैद्यनाथ प्रसाद के कर्तब्यनिष्ठता को विश्वासघात किया, अर्थात दुसरे शब्द में:- थाना परिवार की एकता व अखण्डता अन्दर ही अन्दर विखर चुकी है। वरना 05 अप्रैल 2016 से बिहार में पूर्णत: शराबबंदी लागु है, परन्तु थाना के पश्चिम तरफ आज तक शराब की बिकी पर रोक नही लगी है। 08 नवम्बर 2023 की जानकारी के अनुसार नगर पंचायत ब्रहम्मपुर शराब की थोक विक्रेता बन चुका है। नगर के अधिकतर वार्ड में शराब की विकी हो रही है । यहा तक कि कुछ लोग मंदिर परिसर में भी शराब की बिक्री करते है । जो जाँच का विषय है । मंदिर परिसर शराब की बिकी

थाना के खुफिया तंत्र की असफलता का प्रमाण है वरना एन0एच0 - 922 पर थानाध्यक्ष के द्वारा एक कंटेनर से लगभग 50-60 लाख रू0 की शराब बरामद कर लिये वही महज चार घंटे बाद ही 30-40 लाख रू0 की शराब दुसरी बार बरामद किये। जो थानाध्यक्ष की कर्तब्यनिष्ठता व तत्परता को दर्शाता है । प्रिय पाठकगण आपको जानकारी के लिये बता दूँ कि थानाध्यक्ष ब्रहम्मपुर जिले के जिस थाना में अपनी सेवा दे चुके है वहा उनकी अपनी कर्तब्यनिष्ठता की अलग पहचान है जैसे थाना सिमरी जहा इन्होने महज तीन घंटे में घटना का पर्दाफाश कर चुके है। वही कृष्णब्रहम्म थाना में शराब व हीरोइन नशा पर नकेल कस चुके थे हांलाकि कृष्णब्रहम्म थाना आज भी शराब व हीरोइन नशा का हब बना हुआ है। श्री रंजीत कुमार नगर थाना बक्सर में सात घंटा के भीतर हत्यारो को सलाखो में पहुचा दिये,जबकि वर्तमान में थाना ब्रहम्मपुर के अन्तर्गत एन0एच0-922 पर महज चार घंटे के अन्तराल पर लगभग करोडो रू0 की शराब बरामद कर चुके है। अर्थात दुसरे शब्द में:- जिले के तेज तर्रार थानाध्यक्षो की सूची प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले श्री रंजीत कुमार की जितनी भी कर्तब्यनिष्ठता व तत्परता की गुणगान किया जाय, कम ही होगी। ●

केवल सच, जैसा नाम वैसा काम : सुरेन्द्र सिंह

● बिन्ध्याचल सिंह

बक्सर जिला के इटाढी प्रखण्ड अन्तर्गत इन्दौर पंचायत की खबर केवल सच प्रतिनिधि ने यूट्यूव के माध्यम से अक्टुबर- 2023 में इन्दौर पंचायत में योजनाओ की लुट के बारे में उजागर किये थे। जिसके परिमाणस्वरूप वर्तमान में विकास की बात की जाय तो खबर की इतनी बडी असर है कि इन्दौर पंचायत में जहा सात निश्चय योजना कागज पर संचालित हो रही थी वही आज पंचायत के सभी 13 वार्डो में धरातल पर संचालित की जा रही है। विकास की रफतार तीव्र हो चुकी है। पंचायत की विकास की विशेष जानकारी देते हुये इन्दौर पंचायत के इन्दौर गॉव के वार्ड नम्बर -03 के निवासी श्री सुरेन्द्र सिंह ने प्रतिनिधि को जानकारी दी कि केवल सच के द्वारा सार्वजनिक की गई खबर से मानो पंचायत के मुखिया श्री अमर पासवान ने विकास रूपी गाडी को कैसे तीव्र गति से संचालित कर रहे है। श्री सिंह केवल सच व मुखिया श्री पासवान को पंचायत में विकास की गंगा प्रवाहित करने के लिये बहुत-बहुत आभार व्यक्त रहे थे। आगे उन्होने जानकारी दी कि अब मुखिया जी प्रत्येक दिन पंचायत का भ्रमण और लगभग तीन-चार घंटा तक अपने आवास पर आम जनता की समस्या के सुनने व राय-मशविरा कर रहे है। हालांकि श्री सिंह इन्दौर पंचायत में हुई कायाकल्प में परिवर्तन से केवल सच पत्रिका/यूट्यूव के साथ केवल सच परिवार को बहुत-बहुत धन्यवाद बोल रहे थे।●

कृषि विभाग की दुआ, आकाश में धुआँ-धुआँ

● बिन्ध्याचल सिंह

जिला प्रशासन के लाख कोशिश के बावजुद भी किसानो के द्वारा पराली जलाने का सिलसिला जारी हैं। केवल सच प्रतिनिधि ने 18/11/2023 से खबर लिखे जाने तक विभित्र पंचायतो का अवलोकन किये देखा गया कि जिला के ब्रहम्मपुर प्रखण्ड अन्तर्गत पंचायत पोखरहा के मौजा - राजपुर पोखरहा, बगेन, एकरासी, ओझा के बरॉव, कैथी पंचायत के कैथी मौजा चौगाई प्रखण्ड के मौजा-चौगाई, केसठ पंचायत के विभित्र मौजा, डुमरॉव प्रखण्ड के कोरान सराय, मठिला पंचायतो में पराली जलाने का सिलसिला जारी है। पराली जलाने वाले किसानो को इस बात की जानकारी नही कि एक टन पुआल मिटटी में मिलाने से कितना फायदा होता है । और न कोई भी किसान सलाहकार या कृषि समन्वयक जानकारी देने वाले है जबकि जिला प्रशासन, द्वारा नुक्कड नाटक के माध्यम से जिले के प्रखण्डो में जानकारी दी जा चुकी है। आपको बताते चले कि केवल सच प्रतिनिधि ब्रहम्मपुर प्रखण्ड के पोखरहा पंचायत से लेकर इटाढी प्रखण्ड के इन्दौर पंचायत तक की निरिक्षण करने के बाद पाये कि जिला में सिमरी प्रखण्ड को छोडकर सभी प्रखण्ड के सभी मौजा में पराली जलाई गयी है जहाँ हरवेटर से धान की कटाई की गई है। 13 नवम्बर 2023 को नुक्कड नाटक व विडियो बनाकर जानकारी दी जा चुकी है कि एक टन पुआल मिटटी में मिलाने से नाइट्रोजन - 10 - 15 किलाग्राम, पोटाश - 30-40 किलाग्राम, सल्फर - 5-7 किलोग्राम प्राप्त होता है । फिर भी पराली जलाने का सिलसिला जारी है।●

एक टन पुआल जलाने से वातावरण को होने वाले नुकसान :-

- 3 किलोग्राम पार्टिकुलेट मैटर
- 60 किलोग्राम कार्बन मोनो ऑक्साईड
- 1460 किलोग्राम कार्बन डाईऑक्साईड
- 199 किलोग्राम राख
- 2 किलोग्राम सल्फर डाईऑक्साईड उत्सर्जित होता है।

पुआल जलाने से मानव स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान :-

- साँस लेने में तकलीफ
- आँखों में जलन
- नाक में तकलीफ
- गले की समस्या

एक टन पुआल नही जलाकर उसे मिट्टी में मिलाने से निम्नांकित मात्रा में पोषक तत्व प्राप्त होता है :-

- नाईट्रोजन : 20 से 30 किलोग्राम
- पोटाश : 60 से 100 किलोग्राम
- सल्फर : 5 से 7 किलोग्राम
- ऑर्गेनिक कार्बन : 600 किलोग्राम

सेक्स रैकेट बंद नहीं

● बिन्ध्याचल सिंह

बिहार का पहला जिला बक्सर है जो अवैध शराब की बरामदगी के विनिष्टिकरण व भ्रष्टाचार में प्रथम स्थान रखता है । प्रिय पाठकगण आपलोगो को जानकारी देना चाहता हूँ कि जिला प्रशासन के द्वारा 19 अक्टुबर 2023 को 13000 लीटर शराब का विनिष्टिकरण बाजार समिति के प्रागंण में कराया गया जिसका बाजार मूल्य ढाई करोड है, जबकि 16 नवम्बर 2023 को 22000 लीटर जिसका बाजार मूल्य साढे सात करोड है। इससे आप अंदाज लगा सकते है कि शराबबंदी के प्रति जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन कितना सक्रिय है । जो महज एक महीना में लगभग 10 करोड रू0 की शराब की विनिष्टकरण किया गया । ठीक उसके उल्टे जिला के विभित्र कार्य में भी ऐसे ही तत्परता के साथ कार्यालय कर्मी द्वारा भी भ्रष्टाचार के साथ किया जाता है। जिले का एकलौता विभाग पशु पालन विभाग है, जो इससे अछूता है। वरना लगभग सभी विभाग अग्रणी है। इसमें भी नगर परिषद्, डुमरॉव और बक्सर है। जबकि आई०सी०डी०एस० में फर्जी महिला पर्यवक्षिका का भरमार है, उपयुक्त बात की जानकारी विभाग के विशेष बात की जानकारी रखने वाले एक समाजसेवी ने दी। हालाकि उन्होने नाम नही छपने की शर्त रखी। समाजिक कार्यकर्ता हरेकृष्णा यादव की बात, प्राथमिकता से लिया जाय तो जिला में औषधि निरिक्षक निरिक्षण के नाम पर मेडिकल दुकानो से अवैध वसूली करते रहते हैं। वही जिला में लिगांनुपात का काफी अन्दर सिविल सर्जन बक्सर की देन है, जो अवैध जॉच। घर व अल्ट्रासाउंड संचालित करवाते है। जिला में सेक्स रैकेट की अवैध धंधा आजतक न बंद हुआ है, न होगा ऐसा स्थानीय लोग, समाजसेवी व स्थानीय दुकानदारो का कहना है । आपलोगो को याद दिलना चाहता हूँ कि वर्ष-दिसम्बर-2022 में जिला प्रशासन द्वारा स्टेशन रोड स्थित होटलो में छापेमारी की गई थी जिसमें दर्जनो जोडी की गिरफतारी हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 06-07 महीना होटल बंद किये गये थे, परन्तु आज भी उसी रफतार में जिला में सैक्स रैकेट का धंधा फल - फुल रहा है। कुछ जानकारो के कथानुसार जब-जब प्रशासन व होटल मालिको के बीच कमीशन का अन्तर होता है तो होटलो पर छापा पड़ता है, वरना सेक्स का धंधा चलते रहता है।●

26वीं पूर्वी क्षेत्रीय परिषद् की बैठक में शामिल हुए मुख्यमंत्री

● अमित कुमार

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में 10 दिसम्बर को 26वीं पूर्वी क्षेत्रीय परिषद् की बैठक हुयी, जिसमें मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार शामिल हुये। बिहार के मुख्यमंत्री ने बैठक की मेजबानी की। लगभग तीन घंटे तक चली इस बैठक में बिहार, झारखंड, ओडिसा और पश्चिम बंगाल के मंत्री और वरीय अधिकारी बैठक में शामिल हुये।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह खुशी की बात है कि आज पूर्वी क्षेत्रीय परिषद् की 26वीं बैठक पटना में आयोजित हो रही है। इस बैठक में मैं केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का अभिनंदन एवं स्वागत करता हूँ जो इस बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। इस बैठक में आये हुये अन्य तीनों राज्यों के प्रतिनिधिगण तथा अन्य लोगों का स्वागत एवं अभिनंदन करता हूँ। उन्होंने कहा कि आप सब जानते हैं कि पहले बंगाल, उड़ीसा, बिहार एवं झारखण्ड एक ही राज्य था। वर्ष 1912 में बंगाल से अलग होकर 'बिहार एवं उड़ीसा' राज्य अस्तित्व में आये। वर्ष 1936 में बिहार से उड़ीसा अलग हो गया था और 23 वर्श पूर्व वर्श 2000 में बिहार से झारखण्ड अलग हो गया इसलिए इन चारों राज्यों की स्थिति लगभग एक जैसी है। जब से हम सरकार में हैं, पूर्वी क्षेत्रीय परिषद् की बैठकों में हमेशा जाते ही रहे हैं। हम 28 फरवरी, 2020 में ओड़ीसा में आयोजित बैठक में भाग लिये थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की बैठक में केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार के बीच कई मुद्दों पर बात होनी है। हम चाहते थे कि केन्द्र सरकार जातीय आधार पर जनगणना कराये। इसके लिए हमलोग शुरू से ही प्रयासरत थे। इसके लिए वर्ष 2019 एवं 2020 में बिहार विधानमंडल में सर्वसम्मति से जाति आधारित जनगणना के लिए प्रस्ताव पारित कर केन्द्र सरकार को भेजा, फिर हम सभी दलों के प्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री जी से मिले। केन्द्र सरकार द्वारा इस पर कोई विचार नहीं किया गया। राज्य सरकार ने अपने संसाधनों से जाति आधारित गणना करा ली है और इसके आंकड़ों को जारी किया गया, जिसके अनुसार बिहार की कुल आबादी 13 करोड़ 7 लाख 25 हजार 310 है जिसमें 53 लाख 72 हजार 22 लोग बिहार के बाहर रह रहे हैं। 12 करोड़ 53 लाख 53 हजार राज्य में रह रहे हैं। जाति आधारित गणना में पिछड़ा वर्ग-27.12 प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ा-36.01 प्रतिशत, अनुसूचित जाति-19.65 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति-1.68 प्रतिशत, सामान्य वर्ग-15.52 प्रतिशत की आबादी पायी गयी है। इन आंकड़ों के आधार पर सभी पार्टियों की सहमति से जिसमें भाजपा भी शामिल है समाज के सभी कमजोर वर्गों के सामाजिक उत्थान के लिए आरक्षण में इनकी भागीदारी बढ़ाने का

निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में आरक्षण की सीमा 50 से बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके लिए कानून पारित हो गया है। सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए पूर्व से ही 10 प्रतिशत आरक्षण उपलब्ध है। सभी को मिलाकर कुल आरक्षण 75 प्रतिशत हो गया है। हमारी सरकार ने केन्द्र सरकार से आरक्षण के नये कानून को संविधान की 9वीं अनुसूची में डालने के लिए अनुरोध किया है। आशा है केन्द्र सरकार इसे शीघ्र ही संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करेगी। जाति आधारित गणना में लोगों की आर्थिक स्थिति की जानकारी ली गयी है। सभी जातियों में गरीब परिवार मिले हैं, जिनमें 25.09 प्रतिशत सामान्य वर्ग के, 33.16 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग के, 33.58 प्रतिशत अति पिछड़ा वर्ग के, 42.93 प्रतिशत अनुसूचित जाति तथा 42.70 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोग गरीब हैं। सभी वर्गों में गरीब परिवारों की कुल संख्या 94 लाख है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब परिवारों को आगे बढ़ाने के लिए इसके एक सदस्य को रोजगार हेतु 2 लाख रूपये तक की सहायता की योजना बनायी गयी है। जिन परिवारों के पास आवास/घर नहीं है उन्हें जमीन खरीदने की राशि को 60 हजार से 1 लाख रुपये कर दिया है। मकान बनाने के लिए 1 लाख 20 हजार रूपये दिये जायेंगे। वर्श 2018 से ''सतत जीविकोपार्जन योजना'' के तहत अत्यंत निर्धन परिवार को रोजगार हेतु दी जा रही है। 1 लाख रूपये की सहायता राशि को बढ़ाकर 2 लाख रूपये कर दिया गया है। इन सब कार्यों में कुल मिलाकर 2 लाख 50 हजार करोड़ रूपये लगेंगे, जिसे अगले 5 सालों में पूरा कर लिया जायेगा। यदि केन्द्र सरकार द्वारा बिहार को ''विशेष राज्य का दर्जा'' मिल जाय तो हम इस काम को बहुत कम समय में ही पूरा कर लेंगे। हम वर्ष 2010 से ही बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा की माँग कर रहे हैं। बिहार बहुत ही ऐतिहासिक राज्य है, लगातार विकास के बाद भी बिहार विकास के मापदंडों में राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे है। बिहार, विशेष राज्य के दर्जे की सभी शर्तों को पूरा करता है। अब तो जाति आधारित गणना में गरीबी एवं पिछड़ेपन के आँकड़े भी इसका समर्थन करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि बिहार को विशेष राज्य के दर्जा देने के बारे में आप जरूर सोचेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वी क्षेत्रीय परिषद् की 26वीं बैठक में पधारने के लिए आप सभी को हम धन्यवाद देते हैं। आशा करते हैं कि बैठक के दौरान जो निर्णय होंगे वे चारों राज्यों के विकास में सहायक होंगे। हमें पूरी उम्मीद है कि गृह मंत्री जी देश भर में जातीय आधारित जनगणना कराने एवं बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने के बारे में पहल जरूर करेंगे।

बैठक में बिहार के उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, वित्त मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी और जल संसाधन मंत्री श्री संजय कुमार झा, पश्चिम बंगाल की मंत्री श्रीमती चन्द्रमा भट्टाचार्य, ओड़ीसा के मंत्री श्री प्रदीप कुमार आम्त, उड़ीसा के मंत्री श्री तुशार कान्ति बेहरा, झारखण्ड के मंत्री श्री रामेश्वर उरांव, झारखण्ड के मंत्री श्री चम्पई सोरेन, केन्द्र सरकार के सचिवगण, चारों राज्यों के मुख्य सचिव, बिहार के पुलिस महानिदेशक, पूर्वी क्षेत्रीय परिषद् की सचिव तथा केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकारों के वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे। ●

मुख्यमंत्री ने पीएमसीएच के पुनर्विकास कार्य का लिया जायजा

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने 16 दिसम्बर को पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पुनर्विकास कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान पी0एम0सी0एच0 के हॉस्पिटल ब्लॉक के पास स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत ने मुख्यमंत्री को पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल के निर्माणाधीन कार्य और मास्टर प्लान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्माणाधीन कार्यों को तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया।

इसके पश्चात् कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मुख्यमंत्री को पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल के रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट वर्क की प्रगति के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान बताया गया कि 48 एकड़ में फैले पी0एम0सी0एच0 का पुनर्विकास कार्य तेजी से किया जा रहा है। 5,462 बेड का यह अस्पताल बनेगा। इसका निर्माण कार्य तीन फेज में कराया जा रहा है। पहले फेज का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। प्रथम फेज में 2,073 बेड का निर्माण कार्य जल्द ही पूर्ण हो जाएगा और उसके बाद दूसरे तथा तीसरे फेज का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल को विश्वस्तरीय अस्पताल बनाया जा रहा है, जिसमें मरीजों को बेहतर ढंग की आधुनिक तकनीक से युक्त इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। यहां कार्य करनेवाले चिकित्सकों से लेकर कर्मियों तक के लिए आवास

का निर्माण कराया जा रहा है।

साथ ही पढ़नेवाले छात्र-छात्राओं के रहने के लिए भी बेहतर ढंग से छात्रावास का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि पहले फेज का निर्माण कार्य पूर्ण होते ही दूसरे और तीसरे फेज का निर्माण कार्य भी तेजी से पूर्ण करें। जब यह पूरी तरह से बनकर तैयार हो जाएगा तो मुझे काफी खुशी होगी। पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल का जे0पी0 गंगा पथ और अशोक राजपथ से बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करें ताकि मरीजों और उनके परिजनों को पी0एम0सी0एच0 पहुँचने में कम समय लगे और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने अशोक राजपथ पर बन रहे डबल डेकर पुल का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को तेजी से निर्माण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री पाटलि पथ पर रुके और अधिकारियों को निर्देश दिया कि पाटलि पथ और नेहरु पथ के बीच सीधा संपर्क बनाने की योजना पर काम करें।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, स्वास्थ्य, पथ निर्माण तथा आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री अभय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ0 आई0एस0 ठाकुर, पटना के जिलाधिकारी डॉ0 चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री राजीव मिश्रा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे। ●

देकुली धाम के विकासात्मक कार्यों का मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास

● **त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने शिवहर जिला समाहरणालय परिसर में 13 दिसम्बर को पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व0 रघुनाथ झा की आदमकद प्रतिमा का रिमोट के माध्यम से अनावरण किया तथा पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने शिवहर जिला अतिथि गृह में निर्मित होनेवाले अतिरिक्त कमरों का शिलान्यास किया तथा शिवहर नगर परिषद् में बस स्टैंड के निर्माण तथा सात निश्चय-2 के तहत शिवहर नगर क्षेत्र अन्तर्गत स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज के निर्माण कार्य का भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। इस दौरान अधिकारियों ने शिवहर बस स्टैंड में उपलब्ध होने वाले जनसुविधाओं के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने शिवहर

बस स्टैंड के परिसर का मुआयना कर कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। शिवहर नगर परिषद् के चेयरमैन श्री राजन नंदन सिंह के परिजनों द्वारा शिवहर बस स्टैंड के लिए जमीन दान की गई है, जिसके लिए मुख्यमंत्री ने श्री राजन नंदन सिंह को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने श्री राजन नंदन सिंह के आग्रह पर उनके दादा स्व0 कमलेश्वरी नंदन सिंह के नाम पर शिवहर बस स्टैंड का नामकरण करने का निर्देश दिया। इसके पश्चात् देकुली धाम पहुंचकर मुख्यमंत्री ने बाबा भुवनेश्वर नाथ की पूजा अर्चना की एवं राज्य की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने देकुली धाम में 11.29 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटकीय सुविधाओं के विकास कार्यों का शिलान्यास किया।

पर्यटन विभाग के सचिव श्री अभय कुमार सिंह ने साइट प्लान के माध्यम से देकुली धाम में उपलब्ध कराई जानेवाली पर्यटकीय सुविधाओं के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत रुप से अवगत कराया। देकुली धाम परिसर में स्थित तालाब का मुख्यमंत्री ने जायजा लिया। जायजा के क्रम में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जल-जीवन-हरियाली योजना के तहत तालाब का सौंदर्यीकरण ठीक ढंग से कराएं। इसके चारों तरफ घाट का निर्माण कराएं ताकि यहां आनेवाले श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना करने में सहूलियत हो। वर्ष 2019 से जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत सभी जगह तालाबों के जीर्णोद्धार का काम कराया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान पर्यटन विभाग द्वारा देकुली धाम में उपलब्ध कराई जानेवाली पर्यटकीय सुविधाओं के विकास पर आधारित लघु फिल्म

मुख्यमंत्री के समक्ष प्रदर्शित की गई। देकुली धाम प्रबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री को अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह् भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। देकुली धाम के विकासात्मक प्रस्तावित योजना में मंदिर के चारों दिशा में द्वार का प्रावध ान किया गया है। मुख्य द्वार पश्चिम की तरफ से तालाब के समीप किया गया है, जहां से श्रद्धालू जल लेकर जलाभिषेक के लिए मंदिर में प्रवेश करेगें। मंदिर परिसर के पूरे क्षेत्र में नये फ्लोर का निर्माण का प्रावधान है। मंदिर परिसर में एक (ळ+घ1) भवन का निर्माण प्रस्तावित है, जिसके भूतल पर सामुदायिक कार्यों/सेवाओं हेतु कमरे तथा ऊपरी तल पर डॉरमेटरी का प्रावधान किया गया है। मंदिर परिसर के विपरीत एन0एच0-104 के दूसरे तरफ पार्किंग हेतु चिन्हित स्थल पर पेवर ब्लॉक के साथ फ्लोर तथा चहारदीवारी का प्रावधान भी किया गया है। इसी परिसर में जन-सुविधाओं का भी प्रावधान है। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद् के सभापति श्री देवेश चंद्र ठाकुर, वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो0 जमा खान, विधायक श्री चेतन आनंद,

विधायक श्री संजय कुमार गुप्ता, विधान पार्षद श्री खालिद अनवर, विधान पार्षद श्रीमती रेखा कुमारी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, पर्यटन विभाग के सचिव श्री अभय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, तिरहुत प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक श्री पंकज सिन्हा, षिवहर के जिलाधिकारी श्री पंकज कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री अनंत कुमार राय सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, वरीय अधिकारी एवं आमजन उपस्थित थे।●

बहादुर सैनिकों के पुनर्वास के लिए अंशदान करें : सीएम

● **अमित कुमार**

शस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर सैनिक कल्याण निदेशालय के निदेशक ब्रिगेडियर मृगेन्द्र कुमार ने मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार से 01 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में मुलाकात कर उन्हें सशस्त्र सेना झंडा दिवस का फ्लैग लगाया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बिहार स्टेट एक्स सर्विसमैन बेनेवोलेंट फंड में अंशदान किया और देश के बहादुर सैनिकों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान प्रकट किया। उन्होंने कहा कि उनकी कुर्बानियॉ अमर है। वे अपने जान के मूल्य पर राष्ट्र पर आये बाह्य एवं आंतरिक संकटों का मुकाबला बहादुरी के साथ करते हैं। इन बहादुर सैनिकों के कल्याण एवं पुनर्वास के लिये उन्होंने राज्यवासियों से बिहार स्टेट एक्स सर्विसमैन बेनेवोलेंट फंड में अंशदान किये जाने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि आपका यह अंशदान बहादुर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, अपर मुख्य सचिव गृह सह मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, गृह विभाग के सचिव श्री के0 सेंथिल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल

सिंह, सैनिक कल्याण निदेशालय के निदेशक ब्रिगेडियर मृगेन्द्र कुमार, सैनिक कल्याण निदेशालय के संयुक्त सचिव श्री परवेज आलम, सैनिक कल्याण निदेशालय के उप सचिव श्री प्रशांत कुमार, पटना जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी कर्नल (सेवानिवृत) मनोज कुमार, क्षेत्रीय पदाधिकारी श्री राजेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।●

झारखण्ड का दूसरा देवघर घृष्णेश्वर धाम

सरकार-प्रशासन के उपेक्षा का शिकार

पक्षी कहता है कि चमन बदला है, धरा कहती है कि गगन बदला है, मगर शमशान की खामोशियां कहती है, ना चमन बदला है ना धरा बदला है, मुर्दा वहीं है सिर्फ कफन बदला है। चौकिये मत झारखंड राज्य में एक और देवघर है, अति प्राचीन बाबा की नगरी जहां लंकापति रावण भी आए थे, द्वादश ज्योतिर्लिंगों में एक महादेव की नगरी है,लेकिन सरकार के उदासीनता, पर्यटन विभाग के उदासीनता जनप्रतिनिधियों के उदासीनता उपेक्षा के कारण इतना उपेक्षित, और विकास से रहित है कि कहीं नक्शे पर भी इस देवघर के चर्चा नहीं हो पाती है, जबकि झारखंड राज्य का दूसरा देवघर सतगामा प्रखंड के कटिया पंचायत के दुमडुमा ग्राम में अति प्राचीन घृष्णेश्वर धाम है, जो अपनी बदनसीबी का रोना रो रहा है, जबकि पर्यटन स्थल, मंदिर, गुरुद्वारा मठ हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और भौगोलिक विविधता दुनिया भर से आए पर्यटकों को आकर्षित करता है, भारत में पर्यावरण, अध्यात्म शिक्षा और चिकित्सा पर्यटन क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, भारत के घरेलू और विदेश नीति में भी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, विकसित करने के लिए करोड़ों, करोड़ रुपय का बजट है, लेकिन झारखंड का दूसरा देवघर कहे जाने वाला यह अति प्राचीन घृष्णेश्वर धाम मंदिर आज कुव्यवस्था और विकास से वंचित है, इस दूदूमा गांव में कन-कन में भगवान है और और घृष्णेश्वर महादेव द्वादश लिंगों में इनका स्थान है, इसकी चर्चा शिव पुराण में भी है, सब पर अपनी कृपा और दया बरसाने वाले महादेव के इस नगरी पर अगर गंभीरता से झारखंड सरकार, पर्यटन विभाग, और जिला प्रशासन पहल करे तो यह घृष्णेश्वर धाम भी बाबा देवघर की नगरी की तरह विकसित और समृद्ध हो जाए, और फिर श्रद्धालुओं का आना-जाना जहां होगा, वही बोल बम के नारों से पूरा सतागामा प्रखंड ही नहीं, बल्कि कोडरमा जिला में भी चप्पे-चप्पे हर हर महादेव का नारा गूंजता रहेगा और सरकार का राजस्व की भी बढ़ोतरी होगी। **अरविंद मिश्रा की रिपोर्ट :-**

कोडरमा जिला के सत्गामा प्रखंड में गया-नवादा से देवघर जाने के रास्ते में सकरी नदी के किनारे दुमदुमा ग्राम है, सच पूछा जाए तो इस गांव में साक्षात सभी भगवानों का लगता है की जन्म स्थल है, क्योंकि इस ग्राम में जहां भगवान घृष्णेश्वर महादेव वास करते हैं जो द्वादश ज्योतिर्लिंगों लिंगों में एक है, जिसकी चर्चा शिव पुराण में भी है, शिव पुराण में घृष्णेश्वर धाम की चौहद्दी जो बताई गई है उसके अनुसार पूरव में शिवपुरी ग्राम, पश्चिम में दर्शनीय नाला, उत्तर में सकरी नदी, और दक्षिण में महावर पहाड़ है, यहां स्थित मंदिर के द्वार पर बने पत्थर के चौखट पर 1336 ई

अंकित है, मंदिर में पत्थर का जो चौखट है जिसका वजन 100 क्विंटल से ऊपर है, मंदिर के अंदर 5 फीट गोलाकार विशाल शिवलिंग है, इसके अलावा इस मंदिर में सैकड़ो देवी देवताओं की भी प्रतिमा है, कहा जाता है कि यहां स्थापित मंदिर की सारी मूर्तियां भगवान विश्वकर्मा ने एक रात में ही बनाई थी, इस क्षेत्र का पूरा स्थल उत्तर गुप्तकालीन माना जाता है, मुख्य मंदिर परिसर में उमा महेश्वर, सूर्य, दुर्गा, एक मुखी महादेव, भगवान विष्णु, मां सरस्वती लक्ष्मी, गणेश, नंदी, सहित सैकड़ो मूर्तियां विभिन्न देवी देवताओं का है, और तो और खेतों में भी विभिन्न स्थलों में खुदाई के बाद भी बड़े-बड़े प्रतिमा भगवान के

मुंह चिढ़ाता शौचालय और चापाकल।

निकलते रहते हैं, गांव के अन्य जगहों में भी टूटे-फूटे और खंडित मूर्तियां बिखरी पड़ी हुई है, कई बेस कीमती मूर्तियों को चोरों ओर तस्करो ने भी बेचने में पीछे नहीं रहा, इतने पुरातात्विक अवशेष, और प्राचीन धरोहर और प्राचीन मंदिर आज सरकार के विकास को मुंह चिढ़ा रहा है, क्योंकि इस ग्राम में पहले 101 मंदिर था, आज एक दो मंदिर छोड़कर, बाकी मंदिर और मूर्तियां विलुप्त हो चुका है, 12 एकड़ में बसा बाबा के इस प्राचीन मंदिर में बाउंड्री तो है लेकिन चार चापाकल में मात्र एक चापाकाल जैसे तैसे चल रहा है, शौचालय का पूर्ण अभाव चारों तरफ है, महिलाओं को कपड़ा बदलने के लिए कोई स्थान नहीं है, पेड़ पौधे जो पर्यावरण को बढ़ावा देता है, छाया देता है उसका भी अभाव है, पूरा मंदिर परिसर स्वच्छता का मुंह चिढ़ाता है, क्योंकि मंदिर के साफ सफाई के कोई ठोस व्यवस्था नहीं है मंदिर को धोने, पोछने और श्रद्धालुओं को नहाने के लिए भी पानी का तो कोई व्यवस्था ही नहीं है, शौचालय की स्थिति सिर्फ गड्ढा खोदा गया है, चार चापाकल में मात्र एक चापाकल किसी तरह प्यास बुझाने के लिए सक्षम है,इसके अलावा चारों ओर जंगलों और पहाड़ों से इस मंदिर परिसर के आसपास भी चिकित्सा की भी कोई व्यवस्था नहीं है ,और ना खाने पीने के लिए, और ना ठहरने के लिए कोई विश्राम स्थल है, जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा के कारण दूदूमा गांव भी विकास के लिए तड़प रहा है, गांव में टूटी-फूटी नालियां है, यत्र तत्र गंदगी का ढेर पीसीसी का आभाव पीने के लिए पानी का भी अभाव दिखता है। कटिया पंचायत के मुखिया श्रवण रविदास भी कम दोषी नहीं है, क्योंकि उनके द्वारा भी कोई भी काम इस मंदिर परिसर में या उस दूदूमा गांव के लिए नहीं किया गया है, कागज पर भी लगता है की योजनाएं बनती है, अगर जनप्रतिनिधियों का ध्यान इस मंदिर पर और इस गांव के लिए होता, तो आज प्राचीन मंदिर और यह दूदूमा गांव इतना उपेक्षित नहीं होता, मंदिर और दूदूमा गांव में सरकार के जन उपयोगी योजनाओं से ग्रामीण उपेक्षित हैं, क्योंकि सरकार के उन सारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है और लगता है कि प्रखंड और अनुमण्डल और जिला के पदाधिकारी भी बाबा की यह नगरी को उस गांव को कभी कभार आकर अपना फर्ज निभा देते हैं। कोडरमा जिला मुख्यालय से करीब 75 किलोमीटर दूर बाबा की यह नगरी है, वही नवादा से बरेव के रास्ते होकर जाने में लगभग 50 किलोमीटर है। इस बाबा के नगरी में शिवरात्रि में तीन दिवसीय मेला एवं माघी पूर्णिमा कार्तिक पूर्णिमा में भी विशाल मेला का आयोजन होता है। सावन माह में तो हजारों कांवरिया भी बोल बम के नारों के साथ बाबा के दर्शन करने के लिए आते हैं। इसके साथ झारखंडी धाम होते हुए भी कावड़ लेकर इस बाबा के नगरी में कांवरियों का आना-जाना लगा रहता है। नवादा के रास्ते पैदल चलकर कांवरिया ककोलत से जल भरकर इस बाबा की नगरी में जल चढ़ाने आते हैं। मंदिर में बराबर रुद्राभिषेक पूजा पाठ तो श्रद्धालुओं को लगा ही रहता है, लेकिन मंदिर परिसर में व्यवस्था नहीं रहने के वजह से श्रद्धालुओं में और आसपास के क्षेत्र के जनता के द्वारा सरकार और प्रशासन के प्रति निराशा के भाव देखने को मिलता है, प्रकाण्ड विद्वान और कामाख्या मां के भक्त आर०के० बैद्य मंदिर के कुव्यवस्था पर कहते है की, झारखंड में कई सरकार बदली, लेकिन आज भी बाबा का नगरी पूर्ण उपेक्षा का शिकार है। इस क्षेत्र के विधायक हो या मंत्री, सांसद कभी नहीं गंभीरता से सोचते इस मंदिर के विकास के लिए। अगर यह मंदिर का विकास होता तो झारखंड का दूसरा देवघर की भांति यहां

मेघा भारद्वाज
डीसी, कोडरमा

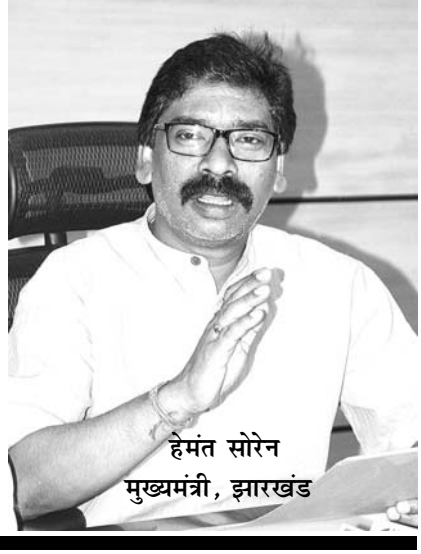
हेमंत सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखंड

नारो और पोस्टर तक ही सिमट गया, धरातल पर कहीं भी स्वच्छता का नामोनिशान नहीं है।

भी ताता लगा रहता। वहीं क्षेत्र के जाने-माने प्रबुद्ध राजा बाबू भी सरकार और प्रशासन के प्रति दुखी रहते हैं। वे कहते हैं कि, लगा था कि झारखंड राज बनने के बाद बाबा के इस मंदिर का भी कायाकल्प होगा विकास होगा यहां भी देवघर की तरह भीड़ होगी, दुकाने लगेगी, लोगों को रोजगार मिलेगा, लेकिन सब सरकार एक जैसा ही है, वही भखड़ा गांव के जाने माने विद्वान और ब्राह्मण जो इस मंदिर के पुजारी भी हैं कहते हैं कि आखिर इस मंदिर का कब विकास होगा।, मैं प्रतिदिन जब पूजा के लिए हम सब परिवार आते हैं तब लगता है कि अब आने वाले समय में इस मंदिर का भी मूलभूत समस्याएं सरकार और प्रशासन निदान करेगी, लेकिन मामला ढाक के तीन पात होकर रह जाता है। वही झारखंड एकता परिषद के संरक्षक और जाने-माने समाजसेवी भाई रामस्वरूप जी ने भी इस प्राचीन मंदिर के दुर्दशा पर गंभीर चिंता किए हैं और उन्होंने कहा है कि एकता परिषद के बैनर तले इस क्षेत्र के सांसद महोदय को, इस क्षेत्र के विधायक को कोडरमा के लोकप्रिय जिलाधिकारी मेघा भारद्वाज से जल्द ही मिलकर इस मंदिर के विकास के लिए अपनी बात रखूंगा ताकि बाबा का यह प्राचीन मंदिर और भी खूबसूरत और सुसज्जित हो। वही नवादा के लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी बुंदेल मांझी, पूर्व सरपंच दिलीप पांडे, भाई भरत, डॉ० पंकज कुमार, धर्मेंद्र मांझी, शत्रुघ्न जी, रूपेश पांडे, भोला पांडे, उज्जवल पांडे, रजनीश झा शिक्षक मनोज यादव, सहित कई समाजसेवी और जनप्रतिनिधि भी झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को और कोडरमा के आयुक्त महोदय, जिलाधिकारी महोदय को भी पत्र लिखने की बात किए हैं, ताकि बाबा का यह नगरी पूर्ण विकसित हो। सबसे चौंकाने वाली बात तो यह है कि रेवेन्यू भी देवघर मौजा के नाम से ही है। पुरातात्विक और धार्मिक स्थल महादेव की यह नगरी जो द्वादश ज्योतिर्लिंगों में एक घृष्णेश्वर धाम जहां भगवान शंकर समेत और देवी-देवताओं के प्रतिमा है, एक प्राचीन प्रतिमाएं, किसी प्राचीन सभ्यता के अवशेष होने का प्रमाण देता है, जरूरत है झारखंड के लोकप्रिय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी का। उस क्षेत्र के विधायक और सांसद और जनप्रतिनिधियों का, कोडरमा के कर्मठ न्याय प्रिय उपायुक्त मेघा भारद्वाज जी का इस प्राचीन बाबा की नगरी को विकास के पैमाने पर ले जाए, और एक विशिष्ट और पुरातात्विक धार्मिक स्थल को विलुप्त होने से बचाए, ताकि सरकार के प्रति प्रशासन के प्रति आम जनता को भरोसा बने और पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए भी बाबा की यह नगरी आकर्षित करें, वही सरकार को भी राजस्व आता रहे। अब तो वक्त ही बताएगा कि सरकार और प्रशासन इसमें कितनी दिलचस्पी लेती है। वर्तमान सरकार को इस मंदिर के निर्माण और विकास के लिए, पर्यटन के मानचित्र पर लाने के लिए या अन्य वादे की तरह इस बार भी मंदिर का विकास और दूदूमा गांव के विकास के लिए क्या करती ह? क्योंकि यहां तो स्थिति यह है की 'बर्बाद गुलिस्तां करने का, बस एक ही उल्लू काफी है, हर शाख पर उल्लू बैठा है अंजाम-ए-गुलिस्ता क्या होगा'। ●

भतीजे ने की चाचा की बेरहमी से हत्या

● ओम प्रकाश

झारखंड की राजधानी रांची के तुपुदाना क्षेत्र अंतर्गत, कर्रा रोड के मुख्य सड़क किनारे, बांदा गांव निवासी भैया राम मिंज उर्फ चरकू की पत्थर से कुछकर हत्या कर दी गई थी। हत्या तुपुदाना अमरेश्वर धाम जाने वाली सड़क पर मृतक के घर से आधा किलोमीटर दूर कुसुमटोली में किया गया। ग्रामीणों ने हत्या में प्रयुक्त दो बड़े पत्थर घटनास्थल के समीप झाड़ी से बरामद किए है। इधर घटना से गुस्साये ग्रामीणों ने पुलिस को शव उठाने नही दिया था। जानकारी के अनुसार हत्या देर शाम सात से आठ बजे के करीब की गई थी। गांव के कुछ लोग ट्रेक्टर में धान लेकर घर लौट रहे थे। उन्हें लगा की सड़क दुघर्टना में मृत्यु हुई है। फिर उन्होंने ही परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने जब खोजबीन की तो शव के समीप झाड़ी के नीचे नाली से खून लगा दो पत्थर मिला जिससे हत्या की गई थी। ग्रामीणों ने घटना की सूचना रात साढ़े नौ से दस बजे के बीच पुलिस को दी। उसके बाद करीब 11 बजे पुलिस मौके पर पहुँची। बताया जाता है कि भईया राम खेती एवं मजदूरी करते थे। इसके अलावा भाजपा खिजरी मंडल के सक्रिय कार्यकर्ता भी थे।उनके दो बेटे एवं तीन बेटी है। इस मामले में मृतक की पुत्री पूनम मिंज के लिखित आवेदन के आधार पर धुर्वा थाना में सुलेमान तिर्की एवं अमित तिर्की (दोनो ही निवासी धुर्वा थाना क्षेत्र) के विरुद्ध मामला दर्ज

किया गया।जिसके बाद मामले का उद्वेदन एवं अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस उपाधीक्षक हटिया राजा कुमार मित्रा के नेतृत्व में, पुलिस अधीक्षक नगर राजकुमार मेहता के द्वारा एक टीम का गठन किया गया। टीम में तुपुदाना थाना प्रभारी मीरा सिंह एवं जगन्नाथपुर थाना प्रभारी अरविंद कुमार सिंह भी कार्य कर रहे थे। गठित टीम ने अनुसंधान के क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर इस घटना में संलिप्त मुख्य अभियुक्त महेश मिंज उम्र 35 वर्ष निवासी धुर्वा जिला रांची को गिरफ्तार कर लिया। कड़ाई से पूछताछ करने पर इसने अपना गुनाह स्वीकारते हुए इस पूरे हत्याकांड के बारे में बताया। इसकी निशानदेही पर पुलिस ने इसके घर से घटना के समय इसके द्वारा पहने हुए खून लगा हुआ कपड़ा, एक काला रंग का फुलपैंट, एक आसमानी गुलाबी काला सफेद, चेकदार रंग का गमछा एवं एक ब्लू रंग का हाफ टी शर्ट बरामद किया। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया की प्राथमिक में जिन दो व्यक्ति (सुलेमान तिर्की और अमित तिर्की) को नामजद अभियुक्त बनाया गया था, उनका इस हत्याकांड से कोई नाता नहीं है। हत्या का मुख्य आरोपी महेश मिंज है जो रिश्ते में मृतक का भतीजा लगता था। उन्होंने आगे बताया कि महेश मिंज के द्वारा ही इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया था।हत्या कारने के बाद यह मृतक के पास ही उपस्थित था।जब पुलिस पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे तब भी वह भीड़ में खड़ा था और पुलिस की संपूर्ण कार्रवाई को देखता रहा। मामला दर्ज होने के बाद भी ये गांव में ही मौजूद रहा, ताकि उस पर कोई शक ना करें। जब पुलिस की जांच तेज हुई तब भय के कारण वह गांव को छोड़ कर फरार हो गया। जांच के दौरान पुलिस को कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले, जिसके बाद इसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार होने के बाद आरोपी ने बताया कि मृतक के द्वारा बीच-बीच में डांट देने के कारण इसे गुस्सा आ गया था और इसी वजह से इसने इस हत्याकांड को अंजाम दिया। ●

सीआईडी डीजी ने प्रतिबिंब ऐप के बारे में राज्य पुलिस को दी जानकारी

● ओम प्रकाश

साइबर अपराधियों को ट्रैक कर पकड़ने के लिए झारखण्ड सीआइडी डीजी अनुराग गुप्ता द्वारा तैयार कराया गया प्रतिबिंब ऐप पूरे देश में चर्चित हो गया है। गृह मंत्रालय के अधीन काम करने वाली संस्थान इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर आइफोरसी के सहयोग से इस ऐप के बारे में पूरे देश की पुलिस को जानकारी देने के लिए शुक्रवार की शाम वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक हुई। इसमें सीआइडी डीजी अनुराग गुप्ता ने पूरे देश की पुलिस को बताया कि प्रतिबंध ऐप कैसे काम करता है। इसके जरिये कैसे साइबर अपराधियों को ट्रैक किया जाता है। इस ऐप में वह जल्द ही एक अन्य सुविधा जोड़ने वाले हैं, जिसके आधार पर पुलिस यह भी पता लगा सकेगी कि साइबर अपराधी ने मोबाइल किस दुकान से खरीदा है। ऐप के बारे में जानकारी लेने के बाद सभी राज्यों की पुलिस ने इस सुविधा को अपने-अपने राज्य की पुलिस के लिए उपलब्ध कराने को कहा है। सीआइडी डीजी ने आश्वासन दिया है कि वे जल्द ही आइडी तैयार कर संबंधित राज्य के पुलिस अधिकारी को उपलब्ध करायेंगे, ताकि वे

ऐप को एक्सेस कर सकें। उन्होंने ब्रीफिंग के दौरान यह भी बताया कि झारखण्ड पुलिस ने इस ऐप का प्रयोग करते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके जरिये लगातार साइबर अपराधी राज्य के विभिन्न जिले से पकड़े जा रहे हैं। जामताड़ा जिले के करमाटांड़ थाना क्षेत्र से शुक्रवार को छह साइबर अपराधियों को इसी ऐप के जरिये ही ट्रैक कर गिरफ्तार किया गया। इस क्रम में अपराधियों के पास से 21 सिमकार्ड, तीन बाइक और चार एटीएम कार्ड बरामद किये गये। इधर गिरिडीह पुलिस ने शनिवार को 6 साइबर अपराधियों को इसी ऐप के जरिये पकड़ा है और 27 मोबाइल और 32 सिम बरामद किए है। जमशेदपुर पुलिस ने भी प्रतिबिंब ऐप के जरिये तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। कई जिले की पुलिस इस ऐप के जरिये साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी में जुटी है। गिरिडीह पुलिस ने प्रतिबिंब एप्लीकेशन के माध्यम से प्राप्त मोबाइल नंबरों से गिरिडीह जिला में अब तक 19 साइबर अपराधि यों को गिरफ्तार कर चुकी है एवं उनके पास से कुल 71 मोबाइल फोन तथा 106 सिम कार्ड जप्त किए गए हैं । देवघर जिले से अभी सर्वाधि क साइबर ठगी के कॉल हो रहे हैं। रोज प्रतिबिंब एप्लीकेशन से 400-500 नंबरों को ट्रेस कर रहा है। जो देवघर जिले से सक्रिय हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि देश के कुल साइबर अपराध से जुड़े कॉल में हर पांचवां कॉल देवघर जिले से किया जा रहा। यानी साइबर ठगी में 20 फीसदी कॉल अकेले देवघर से किए जा रहे हैं। ऐसे में सीआईडी व पुलिस मुख्यालय के ऑपरेशन विंग ने जिले में साइबर अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का फैसला लिया है।●

ऑनलाइन ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़, तीन ड्रग तस्कर गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

झारखंड की राजधानी राँची में ड्रग तस्कर युवाओं को नशे का आदी बना रहे हैं। राँची पुलिस ने शहर के युवाओं को ड्रग्स सप्लाई करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में राहुल रॉय, अभिषेक कुमार और आलोक कुमार शामिल हैं। तीनों मोबाइल पर ही ड्रग्स बुक करते थे और फिर स्कूटर की डिक्की में रखकर डिलीवरी करते थे। गिरफ्तार तस्करों के पास से पुलिस ने अच्छी क्वालिटी की 32 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद किए है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि राजधानी में बड़े पैमाने पर नशे के कारोबार की सूचना मिल रही थी,जिसके बाद पुलिस ने सबसे पहले सदर इलाके को टारगेट किया। जानकारी मिली थी कि इस इलाके में सबसे ज्यादा नशे के सौदागर सक्रिय हैं। यह

भी जानकारी मिली कि अधिकतर दवाओं का कारोबार बड़े मैदानों के आसपास होता है। इस सूचना पर पुलिस की एक टीम खुद सादे लिबास में सदर इलाके में नशीली दवाएं खरीदने पहुंची। इस दौरान तीन तस्कर 32 पैकेट ब्राउन शुगर की डिलीवरी देने आए थे, इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने उनका पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तार तस्करों के पास से पुलिस ने 32 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद किया है। पूछताछ में तस्करों ने खुलासा किया है कि उनके नंबर पूरे राँची में नशे के आदी लोगों के बीच सर्कुलेट हो रहे हैं। ये पूरा कारोबार मोबाइल पर ही चलाते हैं।जब पैसे का भुगतान फोन पर या अन्य ऑनलाइन तरीकों से किया जाता है, तो वे व्यक्तिगत रूप से पैसे देने वाले व्यक्ति को ड्रग्स पहुंचाते हैं। यह ड्रग्स जमशेदपुर से आता है। गिरफ्तार तीनों तस्करों का पुराना आपराधिक इतिहास भी है।●

नाबालिग लड़कियों का न्यूड वीडियो बनाने वाले बिहार से गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची के एक नामी शिक्षण स्थान की आठ लड़कियों की तस्वीर डीपफेक के जरिए न्यूड वीडियो बनाकर उसे इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले आरोपी को राँची पुलिस ने बिहार के मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार किया है। राँची पुलिस ने इस कार्रवाई को बेहद गुप्त तरीके से अंजाम दिया जिसके बाद आरोपी गिरफ्त में आ पाया। मिली जानकारी के अनुसार बीते दिनों सिटी एसपी राजकुमार मेहता के पास कुछ नबालिग लड़कियां मिलने पहुंची थी, जिनकी उम्र 16 से 17 साल के बीच थी। सभी भीतर से काफी डरी हुई थी और किसी अनजान भय के कारण भयभीत थी। मामले की गंभीरता को समझते हुए सिटी एसपी ने उन्हें सारी बात बताने को कहा। इसके बाद जो कुछ भी सामने आया वह बेहद चौंकाने वाला था। नाबालिक लड़कियों ने बताया कि एक युवक ने उनके जैसी आठ लड़कियों की डीपफेक फोटो बनाकर उसमें न्यूड वीडियो लगा दिया है। वह व्यक्ति उस वीडियो को सोशल साइट्स पर अपलोड भी कर रहा है। मामले की जानकारी मिलने के बाद राँची के सिटी एसपी ने आनन-फानन में साइबर टीम के साथ आरोपी के खिलाफ जानकारी जुटाना शुरू किया ताकि उसे जल्द से जल्द

गिरफ्तार किया जा सके। जांच में जुटी साइबर टीम को यह जानकारी मिली कि डीपफेक के जरिए न्यूड वीडियो बनाने वाला शख्स बिहार के मुजफ्फरपुर का रहने वाला है। जानकारी मिलने के बाद राँची पुलिस की एक स्पेशल टीम गुरुवार की रात ही मुजफ्फरपुर के लिए निकल गई। इसके बाद मुजफ्फरपुर पुलिस की सहायता से विवेक नाम के उस शख्स को गिरफ्तार किया गया, जिसने राँची की आठ नाबालिक लड़कियों के अलावा दर्जनों दूसरी लड़कियों के न्यूड फोटो को इंटरनेट पर वायरल किया था। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गिरफ्तार विवेक एक शातिर अपराधी है। विवेक ने सबसे पहले सोशल मीडिया पर अपने आप को अमीर बताते हुए अपनी एक प्रोफाइल क्रिएट की थी। उसी प्रोफाइल के आधार पर ही उसने राँची की एक लड़की के साथ दोस्ती की और फिर उसे अपने जाल में फंसा कर उसकी नग्न तस्वीर हासिल कर ली। इसके बाद विवेक ने उस लड़की को ब्लैकमेल करना शुरू किया। वह इस लड़की से उसकी दोस्तों की न्यूड फोटो मंगाया करता था और फिर उन्हें डिपफेक फोटो के जरिए न्यूड वीडियो में जोड़ कर उसे वायरल कर देता था। आरोपी विवेक के पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है, जिसमें लड़कियों का फोटो तथा कई इंस्टाग्राम की फेक आईडी का स्क्रीनशॉट पाया गया है।●

पुलिस को देखकर भाग रहे चैन स्नेचर का टूटा पैर

● ओम प्रकाश

झारखंड की राजधानी राँची का कुख्यात चेन स्नैचर पुलिस के हत्थे चढ़ चुका है। अरगोड़ा पुलिस ने कुख्यात चेन स्नैचर मो शाकिब उर्फ देबा को गिरफ्तार कर लिया है। राँची पुलिस को लंबे समय से इसकी तलाश थी। राजधानी के कई थाना क्षेत्रों में यह स्नैचिंग (छिनतई) के लिए कुख्यात है। पिछले कई महीने में इसने अपने गिरोह के साथ मिलकर तीन दर्जन से अधिक स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम दिया है। इसकी गिरफ्तारी नाटकीय तरीके से तब हुई, जब यह अरगोड़ा चौक के पास स्नैचिंग करने की फिराक में था। पुलिस इसके पीछे लगी हुई थी, इस बात से यह अंजान था। लेकिन जैसे ही पुलिस पर इसकी नजर पड़ी यह भागने लगा। इसी क्रम में वह गिर पड़ा और इसका दांया पैर टूट गया। पैर टूट जाने के बाद देबा भाग नहीं सका। उसके बाद पुलिस ने घायल अवस्था में शाकिब उर्फ देबा को रिम्स में भर्ती कराया है।जहाँ उकसा इलाज चल रहा है। बताया जाता है कि अपराधी देबा का पैर घुटना के पास से टूट गया है। शाकिब और उसका गिरोह अरगोड़ा थाना क्षेत्र के अलावा डोरंडा, जगन्नाथपुर,चुटिया, सुखदेवनगर और धुर्वा में लगातार स्नैचिंग करता था। गिरफ्तार शाकिब हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र के छोटा तालाब के पास का रहने वाला है।

★ अब तक कर चुका है 20 लाख से अधिक की स्नैचिंग :- गिरफ्तार शाकिब ने पुलिस के समक्ष कबूला है कि वह अबतक जितनी चेनें छीनी हैं, उसका मूल्य 20 लाख रुपए से ऊपर होगा। उसने बताया कि छीनी गई कोई भी चेन 10 ग्राम से कम की नहीं थी, जिन्हें वह 25 से 30 हजार रुपए में ही बेचा है। चेन बेचकर जो पैसे मिले थे, उन्हें उसने अपने गिरोह में बांट दिया हैं। इससे पहले भी शाकिब जेल जा चुका है। राँची पुलिस इससे पहले अगस्त माह में शाकिब की पत्नी सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। लेकिन शाकिब उर्फ देबा फरार चल रहा था और शहर में नए अपराधियों के साथ चेन स्नैचिंग की घटना को अंजाम दे रहा था।

★ पत्नी से करवाता था चेन की बिक्री,सोनार भी मिला हुआ था :- अरगोड़ा थाना की पुलिस ने अगस्त महीने में मो. शाकिब की पत्नी, उसके गिरोह के दो सदस्य और एक सोनार को गिरफ्तार किया था। इसका गिरोह इतना शातिर है कि मो. शाकिब अपनी पत्नी शबनम परवीन उर्फ जोया उर्फ चांदनी के माध्यम से स्नैचिंग का चेन सोनार के यहां बेचने के लिए भेजता था। ताकि किसी को शक नहीं हो कि जो चेन बेचा जा रहा है वह स्नैचिंग का है। वहीं एक सोनार अजय वर्मा उर्फ अजय सोनी भी मो. शाकिब से मिला हुआ था। वह स्नैचिंग के सभी चेन कम दाम में इनसे खरीद लेता था। फिर उसे गला कर उसका उपयोग दूसरे जेवरात को बनाने में करता था। पुलिस ने अजय सोनी को भी गिरफ्तार किया था। उसके पास से पुलिस ने 14 ग्राम गलाया हुआ सोना भी बरामद किया था।●

डेली मार्केट की सब्जी मंडी में आग लगने से दुकाने जलकर राख

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची में मंगलवार 12 दिसंबर की रात करीब 10:00 बजे के आसपास डेली मार्केट थाना अंतर्गत सब्जी मंडी पर अचानक आग लग गई और देखते-देखते 100 से अधिक दुकानें जलकर खाक हो गयी। अग्नि शमन वाहन समय पर काबू पाती तब तक लाखों का नुकसान हो चुका था। हालांकि सब्जी मंडी तो जल गया लेकिन कुछ फल मंडी जलने से बच गयी। आग लगने के दौरान सड़क पर आसपास के लोग जुट गए। इस कारण डेली मार्केट के सामने रोड में दोनों तरफ जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना के दौरान डेली मार्केट के कई दुकानदार मौके पर मौजूद थे। इसमें से कई दुकानदार गाड़ियों से फल और सब्जी अनलोड कर रहे थे। जब घटना की जानकारी दुकानदारों को मिली तब उनके बीच अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हो गई। वही सूचना मिलने पर कोतवाली थानेदार के अलावा डेली मार्केट एवं हिंदपीढ़ी थानेदार सहित कई अन्य पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम को वहां बुलाया गया। जब फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने के लिए पाइप लेकर अंदर पहुंची, तब मौके पर मौजूद लोग यह प्रयास करने लगे कि पहले उनकी दुकान में लगी आग पर काबू पाया जाये। इस स्थिति में कई दुकान संचालक पहले आग बुझाने के चक्कर में पानी के पाइप की छीना-झपटी करने लगे। फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों के द्वारा रात के करीब 12 बजे आग पर काबू पाया गया। इसके बाद दुकानदारों ने राहत की सांस ली। अगर समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तब मेन रोड के किनारे स्थित फल की सभी दुकानें भी जलकर खाक हो जातीं। आप किन कारणों से लगी इसका पता सही-सही नहीं चल पाया है। जहां पर आग लगी, बताया जा रहा है कि ठंड अधिक होने के कारण, वहां पर आग तापने के लिए, आग जलाया गया था। इसी कारण से आग लगने की शंका जताई जा रही,हालांकि यह जांच का विषय माना जा रहा है।

☞ **थाना प्रभारी ने कहा :-** डेली मार्केट थाना प्रभारी प्रदीप मिंज के अनुसार वहां पर करीब 100 से अधिक दुकानें है जो सब्जी बाजार लगाकर सब्जियां वगैरह बेचते हैं। कुछ लोगों ने प्लास्टिक एवं आदि लगाकर दुकान बना रखा था। अनुमान लगाना थोड़ा मुश्किल है कि कितना का नुकसान हुआ है। लेकिन इतना जरूर कहा जा सकता है कि लाखों का नुकसान हुआ है, एसडीएम अपने माध्यम से इसकी जांच करेंगे तभी सही आकलन किया जा सकता है।

☞ **सरकारी जमीन है :-** बताया जा रहा है कि जिस जमीन पर सब्जी मंडी लगती थी वह डेली मार्केट थाना से सटा हुआ था और यह मंडी करीब 10 डीसिमल जमीन में लंबे सालो से लागातार बाजार लगाई जा रही है। वहीं कहने वाले कह रहे हैं कि जमीन सरकारी है, लेकिन किस नेचर की है यह जानकारी नहीं है। इसी जमीन पर बहुत पहले एक प्रपोजल भी तैयार किया गया था कि यहां पर पुलिस पिकेट बनाया जाए ताकि शहर के बीचो-बीच किसी भी घटना में पुलिस तुरंत घटनास्थल पर ऑन द स्पॉट पहुंच सके ।

☞ **अब बाजार लगेगा या पिकेट बनेगा :-** लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि इस 10 डेसिमल के जमीन में पुलिस पिकेट बनाया जाएगा या इसी जमीन पर फिर से गरीबों को सब्जी मंडी लगाने दिया जायेगा इसपर असंमजस की स्थिति बनी हुई है। इस मामले पर कोई कुछ नहीं बोल रहें हैं। हालांकि कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के उमैर खान , झामुमो रांची महानगर पूर्व प्रवक्ता जितेंद्र गुप्ता सहित कई समाजसेवी लोगो ने घटना स्थल का निरीक्षण किया है।●

हथियार के साथ दो अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

रांची की अरगोड़ा थाना पुलिस ने हत्या करने की नियत से पहुंचे दो अपराधी को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में हरमू निवासी ठाकुर धर्मेंद्र सिंह उर्फ बबलू और रविंद्र सिंह उर्फ बिट्टू सिंह शामिल है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि 14 दिसंबर की रात को हरमू इमली चौक के समीप वीर कुवंर सिंह चौक पर एक काले रंग की बुलेट पर आकर दो लोग पिस्टल लहरा रहे थे। इनके द्वारा फायरिंग भी की गई थी। आसपास के लोगो ने इसकी सूचना अरगोड़ा थाना की पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस उपाधीक्षक हटिया राजा कुमार मित्रा रांची एव पु०नि० सह थाना प्रभारी अरगोडा बृज कुमार रांची के नेतृत्व में गठित छापामारी दल के साथ, समय करीब पौने दस बजे अपने दलख़बल के साथ घटनास्थल पर पहुँचे। पुलिस जब वहां पहुंची तो उन्हें देख दोनों युवक बुलेट से भागने का प्रयास करने लगे। जिसके बाद हरकत में आई पुलिस ने सशस्त्र बल के सहयोग से घेर कर उन्हे पकड़ लिया। इनकी तलाशी लेने पर पुलिस को ठाकुर धर्मेन्द्र सिंह के बायें कमर में खोसा हुआ एक लोडेड देसी पिस्टल, एवं पिस्टल के मैगजीन में 02 जिंदा गोली तथा पिस्टल के चेम्बर में एक खोखा फंसा

हुआ मिला और इनके पेंट के बाये पॉकेट से एक मैगजीन जिसमें 04 जिंदा गोली लोड अवस्था में मिला तथा पैट के दाहिने पॉकेट से लेनवो कंपनी का गोल्डन रंग का मोबाईल एवं काला रंग का बुलेट मोटरसाईकिल रजि० न०- जे.एच.01-FF4322 बरामद हुआ। दूसरा आरोपी रविन्द्र सिंह उर्फ बिट्टू सिंह के पैट के दाहिने पॉकेट से एक लाल काला रंग का विभो कंपनी का मोबाईल बरामद हुआ। बरामद अवैध आग्नेयास्त्र, मोबाईल एवं मोटरसाईकिल का वैध कागजात मांगने पर इनके द्वारा कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही कोई संतोषजनक जबाव दिया गया। कड़ी पूछताछ करने पर पुलिस को आरोपी ने बताया कि दोनों संजीत कुमार मिश्रा नाम के युवक की हत्या करने के लिए वहां पहुंचे हुए थे। दोनों ने पुलिस को बताया कि हरमू चौक पर संजीत कुमार मिश्रा से इनकी लड़ाई हुई थी। इसके बाद ही दोनों ने योजना बना के संजीत की हत्या के इरादे से वहां पहुंचे थे। दोनों ने संजीत के घर पर फायरिंग भी की। लेकिन उनका पिस्टल फंस गया और वे दोबारा गोली नहीं चला सके। इसलिए बच गई मिश्रा जी की जान।

☞ **छापामारी दल के सदस्य :-** इनकी गिरफ्तारी में हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा, अरगोड़ा थाना प्रभारी बृज कुमार, दारोगा अनिमेष शान्तिकारी, कृष्णा कुमार, आसीत कुमार लकड़ा, राकेश कुमार सिंह, सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

संजय पाहन हत्याकाण्ड मामले में पुलिस को मिली सफलता

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची की सदर थाना पुलिस ने बीते 30 नवम्बर को समाजसेवी संजय पाहन हत्याकांड का खुलासा करते हुए पत्नी समेत आठ लोगो को गिरफ्तार किया है। संजय पाहन के अवैध संबंध से नाराज पत्नी ने भाई के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई थी। योजना के अनुसार ही हत्या की घटना को अंजाम दिया गया था। पत्नी व साले ने उसकी हत्या के लिए 4.50 लाख रुपये की सुपारी दी थी। इस हत्याकांड मामले में पुलिस ने पत्नी सालो देवी (बूटी बस्ती, डुमरदगा), साला कमरू नाग एवं चचेरा ससुर मानवेल खलखो(दोनो ही पंडरा ओपी क्षेत्र के बनहौरा निवासी) आशीष नेपाली उर्फ आशीष (डोरंडा के सिद्धार्थ नगर हॉस्पिटल लाइन निवासी), पीएलएफआई के पूर्व सदस्य व शूटर धनेश्वर भगत, दाउद एक्का उर्फ बच्चा (दोनों गुमला के जारी व मेराल थाना क्षेत्र निवासी), सूरज कुमार ठाकुर (बुढ़मू के ठाकुर गांव निवासी), अजहर अंसारी (मेसरा ओपी क्षेत्र के चुट्टू रिंग रोड ओवरब्रिज निवासी) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास एक देसी पिस्टल,दो जिंदा गोली हत्या में प्रयुक्त मोबाइल एवं सिम कार्ड और एक हथौड़ी बरामद किया है। संजय पाहन की हत्या की योजना अगस्त माह से बन रही थी। हत्या के पूर्व काफी दिनों तक संजय पाहन की गतिविधियों की रेकी भी की गयी थी। धनेश्वर भगत ने संजय पाहन को गोली मारी थी, जबकि दाउद एक्का उर्फ बच्चा ने हथौड़ी से वार किया था। संजय पाहन की हत्या 30 नवंबर की देर रात हुई थी। रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने रविवार 17 दिसंबर को इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए बताया कि संजय पाहन की हत्या उसकी पत्नी सालो देवी ने अपने भाई (साला) कमरु नाग के साथ मिलकर करायी थी। इसके लिए दोनों ने साढ़े चार लाख रुपये की सुपारी दी थी। उन्होंने बताया कि बूटी बस्ती में बीते 30 नवंबर को संजय पाहन की हत्या कर दी गई थी। अपराधी बूटी बस्ती स्थित संजय पाहन के घर में घूसकर पहले उसपर धारदार हथियार से हमला किया इसके बाद पीठ में गोली मार दी। पुलिस ने घर के आंगन में खून से लथपथ संजय पाहन का शव बरामद किया था। संजय पाहन का अन्य महिला के साथ अवैध संबंध को लेकर पत्नी के साथ विवाद चल रहा था। इसी क्रम में पत्नी ने अपने भाई के साथ मिलकर संजय पाहन की हत्या की साजिश रची। जिसके बाद उसकी हत्या कर दी गई।

☞ **डोरंडा के आशीष नेपाली को दी गई थी हत्या की सुपारी :-** पुलिस जांच में इस बात की जानकारी मिली कि विगत एक-डेढ़ वर्ष से संजय पाहन अपनी पत्नी से अलग किसी दूसरी महिला के संपर्क में थे और अधिकतम समय उन्हीं के साथ व्यतीत करने थे। इस वजह से उनकी पत्नी सालो देवी से अक्सर वाद-विवाद होते रहता था। संजय पाहन का घर परिवार छोड़कर अधिकतम समय दूसरी जगह व्यतीत करना एवं देर रात तक शराब के नशे में घर लौटना, पत्नी एवं बच्चों के साथ दुर्व्यव्यवहार एवं मारपीट के कारण पत्नी सालो देवी इस हद तक उब चुकी थी कि उन्होने अपनी व्यथा अपने भाई कमरू एवं गाँव के चाचा छोटु उर्फ मानवेल को बताई एवं किसी तरह अपने पति संजय पाहन को रास्ते से हटाने के लिए जोर देने लगी। तब सालो देवी के भाई कमरू नाग एव मानवेल उर्फ छोटु ने डोरण्डा के आशिष नेपाली से संपर्क कर संजय पाहन की हत्या की सुपारी दे दी। आशीष नेपाली ने अपने सहयोगी सुरज कुमार, सूरज ठाकुर, धनेश्वर भगत उर्फ भगत जी, दाउद एक्का उर्फ बच्चा एवं मृतक की पत्नी सालो देवी के साथ सुनियोजित ढंग से संजय पाहन को हथौड़ा से जख्मी कर एव गोली मारकर उसकी हत्या उनके घर में ही कर दी। एसएसपी ने बताया की आशीष नेपाली ने इस हत्याकांड को अंजाम देने के बाद सुपारी के रूप में मिले रुपए में से कुछ रुपए एक अन्य आरोपी को दिया और कहा कि अभी और पैसे मिलने बाकी हैं। जबकि वह सुपारी की पूरी रकम ले चुका था। इस दौरान वह धार्मिक स्थल कामरूप कामख्या, कोलकाता के दक्षिणेश्वर काली मंदिर तथा पुरी भी गया। इस दौरान पुलिस उसका लगातार पीछा कर रही थी। पुलिस के पीछा करने की जानकारी उसे हो गयी थी। इसलिए उसने पुलिस को चकमा देने के लिए तीन फोन और 15 सिम बदला। पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद आशीष ने पुलिस को राज्य के बड़े पुलिस अधिकारियों से उसके संबंध का हवाला दिया एवं बड़ी-बड़ी बातें करने लगा। वह पूर्व में पुलिस का मुखबीर भी रह चुका है। लेकिन बाद में अपराध की दुनिया में कदम रख उसने अपराध करना शुरू कर दिया। गिरफ्तार आशीष नेपाली, सूरज कुमार एवं धनेश्वर भगत का पूर्व का आपराधिक इतिहास रहा है। आर्म्स एक्ट, लूट, डकैती, उग्रवादी जैसी घटना में संलिप्त रहे हैं। धनेश्वर भगत पीएलएफआई कमाण्डर प्रकाश उराँव के दस्ता का सक्रिय सदस्य रहा है और पूर्व में पालकोट, गुमला से जेल जा चुका है।●

अपहरणकर्ताओं के चंगुल से रिहा हुई मासूम खुशी

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची की नामकुम थाना पुलिस ने बच्ची के अपहरण करने के मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया है, जिसमें दो नाबालिक शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से घटना में इस्तेमाल स्कूटी (रजि० जे०एच० 01 एफ0एफ0 3437) एवं एक मोबाईल बरामद किया है। बताते चले की बीते दिनों रांची स्थित नामकुम थाना क्षेत्र अंतर्गत रहने वाले उदन महतो की छः वर्षीय पुत्री खुशी कुमारी का अपहरण कर लिया गया था। इसकी शिकायत अपहृत खुशी के पिता ने लिखित आवेदन के साथ नामकुम थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। पिता उदन महतो के अनुसार दिनांक 15-11-2023 को करीब 1:30 बजे शाम में खुशी कुमारी, उम्र 6 वर्ष को सावन महतो निवासी हंसापिड़ी थाना नामुकम एवं जगरनाथ मुण्डा निवासी हुवांगहातू टोना भाडाबुरू तथा दो अन्य लड़को ने अपहरण कर लिया। अपहरण के बाद अपहरणकर्ताओं ने 8:30 से 9:00 बजे के बीच रात्रि में मेरे मोबाइल पर फोन कर धमकी दी और कहा की एक लाख रूपया लेकर दो। लदनापिढ़ी बांस के झुण्ड के पास पैसा रख देना नहीं तो कल दोपहर तक पैसा नहीं मिलने पर तुम्हारी पुत्री को जान से मार देंगे। उसके बाद मैने एक पेपर में खाली कागज मोड़ कर बनाये स्थान पर रख दिया। रात्रि करीब 11:30 - 12:00 बजे पेपर रखने के 10 मिनट बाद उक्त अपराधियो द्वारा मेरी पुत्री को छोड़ दिया गया। काण्ड के अनुसंधान एवं गवाहो के बयान से वरीय पदाधिकारी को सूचित किया गया। जिसके बाद वरीय पुलिस अधीक्षक राँची चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश के आलोक में पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राँची मनीष टोप्पो एवं सहायक पुलिस अधीक्षक (मुख्या0-01), राँची के निर्देशन में पु०नि० -सह- सह - थाना प्रभारी नामकुम सुनील तिवारी राँची के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए छापामारी कर मुख्य आरोपी सावन महतो (19 वर्ष,) निवासी हेसापिढ़ी थाना नामकुम जिला राँची एवं दो अन्य नाबालिक को विरासत में ले लिया। वही दो अन्य लडको का नाम एवं पता का सत्यापन किया जा रहा है। पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि बच्ची का अपहरण उन लोगों ने पैसों के लिए किया था।●

सुनील तिवारी
नामकुम थाना प्रभारी

बच्ची का अपहरण करने वाला
मुख्य आरोपी सावन महतो

-: छापामारी दल के सदस्य :-

☞ पु०नि० सुनील कुमार तिवारी, पु०नि०-सह- सह थाना प्रभारी नामकुम थाना, रॉची

☞ पु०अ०नि० अविनाश राज, नामकुम थाना

☞ पु०अ०नि० बोअस मुण्डू, नामकुम थाना (4) स०अ०नि० चन्द्रनाथ उरॉव, नामकुम थाना (5) नामकुम थाना सशस्त्र बल।

घटना के समय इस्तेमाल किया गया स्कूटी

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म मामले में छः आरोपी गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची की तुपुदाना पुलिस ने नाबालिक से दुष्कर्म मामले में 6 लोगों को हिरासत में लिया है। 9 दिसंबर शनिवार को तुपुदाना ओ०पी० क्षेत्र के हुलहुण्डू चर्च के पास से एक नाबालिग युवती को जबरदस्ती बाईक पर बैठाकर 08 युवकों के द्वारा खरसीदाग ओ०पी० क्षेत्र के ग्राम-चुकरू गाँव के पूरब की तरफ पत्थर चट्टान पर ले जाकर रात्रि में सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था। इस मामले में 08 व्यक्तियों के विरूद्ध धुर्वा (तुपुदाना) थाना में पोक्सो एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। इस काण्ड का उद्भेदन करने के लिए पुलिस उपाधीक्षक, हटिया रॉची राजा कुमार मित्रा के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इस टीम में तुपुदाना प्रभारी मिरा सिंह एवं टेक्निकल सेल की टीम काम कर रही थी। गठित टीम के द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर घटना में शामिल 06 युवकों को पकड़ा गया है, जिसमें 04 नाबालिग एवं 02 बालिग शामिल है। वही घटना में उपयोग किये गये मोपेड मोटर साईकिल को भी जप्त किया गया है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया की 5 दिसंबर दिन मंगलवार को एक नाबालिग लड़की जोजोसिरिंग में अपने ही गॉव के रहने वाले दोस्त से मिलने के लिए आई थी। 09 दिसंबर को दोस्त से झगड़ा होने के बाद लड़की अकेले ही संध्या में जोजोसिरिंग से पैदल सतरंजी होते हुए खूँटी की ओर जा रही थी। उसी क्रम में सतरंजी के पास पकड़ाये युवकों की नजर लड़की पर पड़ी और वे उसका पीछा कर हुलहुण्डू चर्च के पास एक आर०एस० मोटर साईकिल पर दो युवक लड़की को जबरदस्ती बैठा लिये और लूना मोटर साईकिल पर चार युवक सवार को

-: छापामारी दल के सदस्य :-

- ☞ श्री राजा कुमार मित्रा, पुलिस उपाधीक्षक, हटिया रॉची।
- ☞ पु०अ०नि० मीरा सिंह, प्रभारी तुपुदाना ओ०पी०, रॉची।
- ☞ पु०अ०नि० सुखदेव शाहा, प्रभारी खरसीदाग ओ०पी०, रॉची।
- ☞ पु०अ०नि० अमित कुमार पासवान, तुपुदाना ओ०पी०, रॉची।
- ☞ पु०अ०नि० राहुल सिन्हा, तुपुदाना ओ०पी०, रॉची।
- ☞ पु०अ०नि० सुनील कुमार, तुपुदाना ओ०पी०, रॉची।
- ☞ स०अ०नि० सुनील कुमार सिंह, तुपुदाना ओ०पी०, रॉची।
- ☞ स०अ०नि० योगेन्द्र प्रसाद, तुपुदाना ओ०पी०, रॉची।
- ☞ स०अ०नि० मुखदेव महतो, तुपुदाना ओ०पी०, रॉची।
- ☞ रिजर्व गार्ड एवं चालक।

खरसीदाग ओ०पी० क्षेत्र के चुकरू गॉव के पूरब में एक सुनसान स्थान पत्थर चट्टान पर लेकर गये। वहाँ पर एक युवक के द्वारा नाबालिग लड़की के साथ जबरदस्ती बलात्कार किया गया। वही घटना के संबंध में नाबालिग ने पुलिस को बताया है कि वह मूल रूप से खूंटी की रहने वाली है। अपने दोस्त से मिलने के लिए खूंटी से राँची आई हुई थी। लेकिन शनिवार की रात को दोस्त के साथ उसकी कुछ अनबन हो गई और झगड़ा होने के कारण वह अकेले ही संध्या में जोजोसिरिंग से पैदल सतरंजी होते हुए खूँटी की ओर जा रही थी। तभी ये घटना घटी।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

मुस्लिम लॉ में परिवारिक विवाद पर लोगों के बीच जागरूकता जरूरी

● ओम प्रकाश

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के तत्वाधान में 13 दिसंबर 2023 को गोस्सनर कॉलेज थियोलॉजिकल हाल में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका विषय था 'मुस्लिम लॉ में उत्तराधिकारी एवं परिवारिक विवाद मोहम्मडन लॉ'। सेमिनार की अध्यक्षता डॉ मजीद आलम ने की। इस सेमिनार के मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉक्टर एसएन पाठक थे। वहीं विशिष्ट अतिथि हैदराबाद के मुस्लिम पर्सनल बोर्ड के निदेशक उमर आबेदीन, पर्सनल बोर्ड के सदस्य मुफ्ती नजर ए तौहीद, डीएक्स के निदेशक विपिन पाणि, पूर्व वीसी फिरोज अहमद, झारखंड बार एसोशिएशन के परमेश्वर,जिला जस्टिस आसीफ इकबाल, वरीय अधिवक्ता मोख्तार खान,रिजस्टार एनएलयू कर्नल खालिद ,वरीय अधिवक्ता उच्च न्यायालय के ए अललाम, को कनवीनर मुमताज अहमद खान, अधिवक्ता सह को कन्वीनर एके रसीदी सहित कई गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य था मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, अधिवक्ता, न्यायाधीश और मुस्लिम के काजी और अंजुमन के पदाधिकारियों के बीच मुसलमान के जो मसाइल हैं , शादी- ब्याह , जायदाद ,वक्फ संपत्तियों सहित कई मसाले होती हैं, इसकी जानकारी बहुत कम लोगों को होती है। खासकर तलाक से संबंधित और पारिवारिक विवाद जैसे मामले कोर्ट पहुंच जाती है, इसके लिए न्यायालय प्रक्रिया में थोड़ा सहूलियत मिले और लोगों को इंसाफ मिल सके, इस पर लोगों के बीच जानकारी हो तो सरल तरीके से न्यायिक प्रक्रिया में अपना अहम योगदान निभा सकते हैं । इंसाफ भी मिलने की उम्मीद अधिक हो सकती है । इन सब के अलावा जो गरीब हैं, बेवा और बेसहारा हैं ऐसे लोगों के लिए वक्फ की जो संपत्ति है उसका सही-सही अधिकार इन तक नहीं पहुंच पता है, इसके लिए उन्हें मदद मिले, इसके लिए भी जानकारी होना जरूरी है। मुख्य रुप से डॉक्टर एसएन पाठक , उमर आबेदीन, अधिवक्ता एके रशीदी, डा मजीद आलम सहित कई अतिथियों ने सेमिनार में आकर सभी लोगों को मुस्लिमों की समस्यायों, औरतों के अधिकार, पुरूषों की जिम्मेदारी,वक्फ संपत्तियों सहित कई मसले पर संबोधित किया और कानूनी तरीके से हक लेने के लिए जागरूक किया।●

उत्पाद विभाग की टीम ने पिकअप वैन से किया अवैध शराब जप्त

● ओम प्रकाश

उत्पाद विभाग ने वाहन चेकिंग के दौरान भारी मात्रा में अवैध शराब पकड़ा। सहायक आयुक्त उत्पाद राँची को गुप्त सूचना मिली थी कि कांके थाना क्षेत्र के रिंग रोड लॉ कॉलेज मोड़ के पास, एक पिकअप वैन में अवैध रूप से विदेशी शराब ले जाया जा रहा है। इसी सूचना पर निरीक्षक उत्पाद प्रेम प्रकाश उरांव के नेतृत्व में उत्पाद विभाग राँची की विशेष छापामार दल एवं एसटीएफ ने चेकिंग अभयन चलाया। इस दौरान एक टाटा 407 पिकअप वैन (जेएच-09-जे-6139) को रोका गया। जब उसकी तलाशी ली गई तो उसमे अवैध विदेशी शराब पाया गया। पिकअप वैन में ओल्ड मान्क 2880 पीस (240 पेटी) लगभग 2160 लीटर शराब लदा था जिसे उत्पाद विभाग की टीम ने जब्त कर लिया। वही घटनास्थल से एक अभियुक्त को गिरफ्तार भी किया गया। इस दौरान एक अन्य अभियुक्त फरार होने में सफल रहा। जिनके विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। छापामारी दल में शामिल पदाधिकारी प्रेम प्रकाश उरांव निरीक्षक उत्पाद, ललित सोरेन, पंकज कुमार, अवर निरीक्षक उत्पाद सिपाही व गृह रक्षक शामिल थे।●

लीवर सोरायसिस का होम्योपैथिक में है दवा

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

होम्योपैथी हॉस्पिटल फतुहा के प्रांगण में भारतीय जनता पार्टी द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसका अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी के अनामिका पाण्डेय तथा मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल एंव रंजीत प्रसाद। डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि मानव शरीर का सबसे बड़ा ग्रंथि लीवर है। सिरोसिस एक पुरानी जिगर की बीमारी है जिसमें लीवर की संरचना और कार्य करने में असामान्यता होती है। सिरोसिस आमतौर लीवर कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है, इन क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को तब निशान ऊतकों द्वारा प्रति स्थापित किया जाता है, जो अंग को सामान्य रूप से काम करने के लिए प्रतिबंधित करते हैं, निशान उतको के साथ सामान्य लीवर कोशिकाओं का प्रतीक स्थापना एक लंबी और धीमी प्रक्रिया है। कुछ स्थितियों के कारण लीवर कोशिकाओं की निरंतर सूजन पनपत्ति है और पूर्ण जन्म की प्रक्रिया फाइब्रोसिस और निशान ऊतक गठन के साथ काम करती है। यदि इलाज नहीं किया जाता है और उसकी जांच की जाती है। उन्होंने कहा कि होम्योपैथिक न केवल सिरोसिस के लक्षणों का इलाज करती है बड़ी अनुवांशिक प्रवृत्ति वायरल संक्रमण,चयापच्य परिवर्तन, मादक दुष्प्रभाव आदि जैसे इसके अंतनर्हित कारणों का भी इलाज करती है।

☆ लक्षणों के आधार पर चुनाव :-

☞ लिवर में शोथ, जौंडिस, पित की कै, चुभन शील दर्द, कमर के चारों कसा हुआ वस्त्र सहन नहीं कर सकता। दाई करवट पर लेटने से कष्ट बढ़ जाता है। मल द्वारा में जलन, कुचलने जैसा दर्द, अतिसार पीला प्रातः कालीन पतले दस्त, अनजाने में दस्त होना आदि में बहुत ही कारगर नेट्रम सल्फ 30 एक बूंद तीन बार रोज।

☞ लीवर के संक्रमण होने पर चेलिडोनियम एक बेहतरीन दवा है। चेलिडोनियम से हेपेटाइटिस, पित पथरी और पीलिया का एक अच्छी दवा है। यह दवा इस प्रकार के लक्षणों में उपयोगी है। जॉन्डिस के साथ यकृत में रक्त संचय तथा जटिल यकृत में पीलिया रोग,पित दोष, मिचली वमन आदि में बहुत कारगर दवा है।

☞ पित पथरी जैसी लीवर की समस्या, पित्ताशय में सूइया जैसी चुभती है, मल त्याग की अनवरत इच्छा बनी रहती है, मलद्वार के चारों और चीरने फाड़ने जैसे दर्द होते हैं। ऐसे लक्षणों में बर्बेरिस वल्गेरिस और चियोनैनथस बहुत कारगर दवाइयां है।

☞ फैटी लीवर जैसी समस्याओं के लिए पिक्रिक एसिड और लैकेसिस बहुत कारगर दवा है।

☞ लिवर रोगों के लिए कार्डुअस मौरिएनस बहुत कारगर दवा है।

☞ लीवर सोरायसिस के रोगी दुबल पतले लोग, लगातार गुस्से में रहना, चिड़चिड़ा, पेट की समस्या तथा बवासीर तथा अत्यधिक चाय कॉफी शराब तंबाकू नींद की कमी एवं लीवर के विकारों के लिए नक्स बोमिका 30 दवा काफी प्रभावशाली है। इस दवा है कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करें।

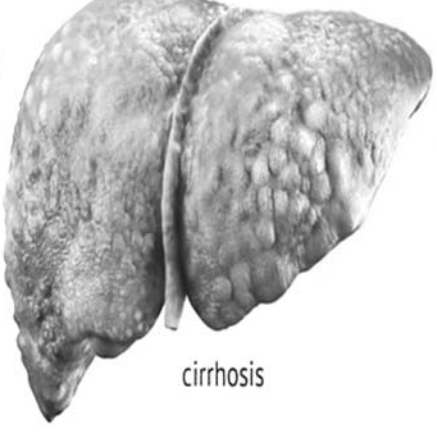

☞ लाइकोपोडियम 30 इस दवा ऐसे लक्षणों में कारगर दवा है जो धीरे-धीरे विकसित होते हैं, क्रियात्मक शक्ति कमजोर होती जाती है साथ ही पाचन शक्ति नष्ट हो जाती है। जहां जागृत की क्रिया शीलता गंभीर रूप से गड़बड़ रहती है। सामान्य तान अथवा शक्ति की कमी कुपोषण, मृदुभाषी प्रकृति के साथ शक्ति की कमी प्रवृत्तियां, जिनकी त्वचा पर पीले पीले एवं धब्बे होते हैं। यूरिक एसिड धातु के होते हैं इत्यादि एवं समय से पहले परिपक्व कमजोर बच्चों में भी उपयोगी है इसके लक्षण दाई ओर से बाएं और चलते हैं विशेष कर शरीर के दाहिने ओर पर क्रिया ज्यादा करती है। असमय में बुढ़ापा आना, यकृत रोगों में जलोदर, दुबला, पतला और शुष्क होता है।

इस अवसर पर शोभा पटेल ममता पटेल अनामिका पटेल अनामिका पटेल, टीपू सिंह, लक्ष्मण शाह, बेबी देवी, पिंकी देवी,अंजली देवी रूबी देवी आदि मौजूद थी।●

यूरिक एसिड का होम्योपैथिक में है कारगर दवा

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

विश्व चिकित्सा विज्ञान के अंतर्गत में बढ़े हुए यूरिक एसिड के साथ गठिया की चिकित्सा के लिए होम्योपैथी सर्व श्रेष्ठ माना जाता है। होम्योपैथिक दवा केवल यूरिक एसिड के स्तरों को ही कम नहीं करता बल्कि रोगी की शारीरिक प्रतिरक्षा को भी बढ़ाता है। रक्त जांच में यूरिक एसिड के स्तर अधिक पाए जाने पर जोड़ों में दर्द, सूजन, कट -कट की आवाज बात,गठिया ,अर्थराइटिस आदि बीमारियों के लक्षण देखे जाते हैं। रक्त जांच में बढ़े हुए यूरिक एसिड के स्तरों को ठीक करने के लिए होम्योपैथिक दवाओं में कॉलचिकम, लिडमपाल तथा ग्वायकम सर्वोत्तम है :-

☞ कॉलचिकम दवा कौन-कौन लक्षण में इस्तेमाल किया जा सकता है। पैर की एड़ी में दर्द, जोड़ो में सूजन, जलन और लाल , पीला, जगह बदलने वाला, दर्द रात्रि में बढ़ जाता है, घुटने आपस में टकराते हैं, चलना मुश्किल हो जाता है, यह दवा बहुत कारगर है।

☞ लीडम पाल 200 उच्च स्तर पर बढ़े हुए यूरिक एसिड को आरोग्य करने की एक बेहतरीन दवा है। इसके दर्द बराबर नीचे से ऊपर की ओर जाता है। रोगी के पैर में सूजन, किसी रोगी का बात ग्रस्त अंग यदि पतला पड़ जाए तो बहुत कारगर दवा है। चलने में ऐसा दर्द जैसे मोच आ गया हो,अंगूठे में अत्यधिक दर्द के साथ सूजन।यह बहुत कारगर दवा है।

☞ ग्वायकम ऐसे रोग में काम करता है जिन्हें गर्मी बर्दाश्त नहीं होती। घुटना में सूजन होती है,रोगी को गर्मी सहन नहीं होती तथा उसके शरीर से गंध आता है। ऐसे लक्षणों में बहुत कारगर दवा है।3-बेंजोइक एसिड इस दवा का लक्षण है की पेशाब गहरा भूरा एवं अत्यंत दुर्गंध पूर्ण होता है, सच तो यह है कि जिस व्यक्ति ने इस दवा के रोगी का यदि एक बार भी पेशाब देखा है उसकी दुर्गंध जीवन भर याद होगी ऐसे लक्षणों में बहुत कारगर दवा है।

★ **खान पान एवं आहार के बारे में अवश्य पालन करें** :- स्वच्छ एवं अच्छा जल पीने से व्यक्ति के शरीर के हानिकारक पदार्थों के निष्कासन में मदद मिलता है। कम से कम तीन लीटर तक शुद्ध पानी पीने के अनुशंसा की जाती है। क्रीम निकाला हुआ दूध सेवन करें। शाकाहारी भोजन करें। सेव, नाशपाती,अमरूद का सेवन ज्यादा करें। सेव में मेलाइक एसिड होता है, जो यूरिक एसिड को निष्क्रिय करने में बहुत मदद करता है। नींबू के रस में साइट्रिक एसिड पाया जाता है जो यूरिक एसिड को अच्छी तरह समाप्त कर देता है। कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करें।इस अवसर पर रंजीत प्रसाद, पंकज कुमार, शैलेश गुप्ता, मीना देवी, पिंकी देवी, अंजली देवी, रूबी देवी, ममता कुमारी, अनामिका पाण्डेय, मीणा देवी, लक्ष्मण साहू दिनेश कुमार, टीपू सिंह, अभिषेक कुमार, जितेंद्र मिस्त्री आदि मौजूद थे।●

भूलने की समस्या हो सकता है अल्जाइमर

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

होम्योपैथिक अस्पताल फतुहा के प्रांगण में भाजपा द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया जिसका अध्यक्षता राणा राजेंद्र पासवान तथा मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल , शोभा देवी।इस अवसर डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि उम्र बढ़ने के साथ भूलने की समस्या बढ़ना स्वाभाविक नहीं है यह डिमेंशिया का सबसे प्रचलित रूप अल्जाइमर रोग हो सकता है। बढ़ती उम्र के साथ कमजोरी ज्यादा हो, स्वाभाविक मानने का भ्रम के कारण अधिकतर रोगी गंभीर लक्षण उभरने पर ही अस्पताल पहुंचते हैं। देश की आबादी का 0.75 प्रतिशत या 7 वर्ष की उम्र से अधिक के 7.5% यानी करीब एक करोड़ रोगी चिन्हित है। यह वास्तविक आंकड़े से बहुत कम है। अनुवांशिक कारणोंसे यह कम ही इसकी चपेट में आ रहे हैं इसलिए इसकी संख्या बहुत ही कम है। अधिकतर पहचान तब सामने आते हैं जब वह कपड़ों में पेशाब करना शुरू कर देते हैं ,और परिवार वालों की समस्याएं बढ़ जाती है क्योंकि अल्जाइमर के अधिकतर अवसाद ग्रस्त होने के साथ ही बहुत चिड़चिड़ा व गुस्से में हो जाते हैं। तुरंत भूलने से होती है शुरुआत। धीरे-धीरे करीब 8 से 10 वर्ष में इसके गंभीर लक्षण सामने आते हैं और वह पुराने यादों व ड्राइविंग जैसे अन्य कौशल भूलने लगता है एक समय ऐसा आता हैघ। जब नित्य क्रिया भी भूल जाते हैं और अपने कपड़े भी खराब करने लगते हैं।

★ **होम्योपैथी में लक्षणों के आधार पर दवा दी जाती है** :-

☞ ठंडी हवा के प्रति सम्मेलन सी रहने वाले और सुन्नता, झनझनाहट, ठंड लगने की शिकायत करने वाले, उलझन, झटके महसूस होने लोगों के लिए एगारिकस मस्केरियस 6/12/30/ बहुत कारगर दवा है।

☞ कमजोरी याददाश्त और घबराहट की वजह से अपच की शिकायत, सुनने और देखने की क्षमता में कमी महसूस, डिप्रेशन, मनोभ्रंष में कारगर दवा है।

☞ सेक्स की लत, झगड़ालू स्वभाव, उन्माद से ग्रसित व्यक्ति, संदेहास्पद और ईर्ष्यालु स्वभाव में-हायोसायमस 30/200, 1 एम बहुत कारगर दवा है।

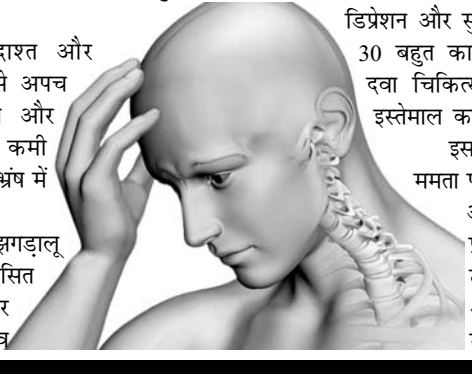

☞ जिन लोगों को लिफ्ट में जाने पर चक्कर, उल्टी,जी मिचलाना, सिर दर्द, बहुत ज्यादा उत्साहित डिप्रेशन में बेलाडोना 30/200 बहुत कारगर दवा है।

☞ तीव्र एवं लंबे समय से कुपोषण के कारण विकास न हो पाना, हड्डियों से संबंधित विकाश न हो पाना,बहुत ही ज्यादा ठंड लगना, चिड़चिड़ापन रहने पर बहुत कैल्केरिया फास 30/200/1 एम बहुत कारगर दवा है।

☞ जिन लोगों को दर्द महसूस नहीं होता है, और ज्यादा नींद आती है, पसीना आता है, उन्हें डिप्रेशन और सुस्ती रहने पर ओपीयम 30 बहुत कारगर दवा है। कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करें।

इस अवसर पर शोभा पटेल ममता पटेल अनामिका पाण्डेय, अनामिका पटेल, रंजीत प्रसाद, सत्येंद्र पासवान, टीपू सिंह, लक्ष्मन साह, अरुण कुमार साह आदि मौजूद थे।●

15 जनवरी 2024 को मनाई जायेगी मकर सक्रांति पर्व : ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा

● निलेन्दु झा

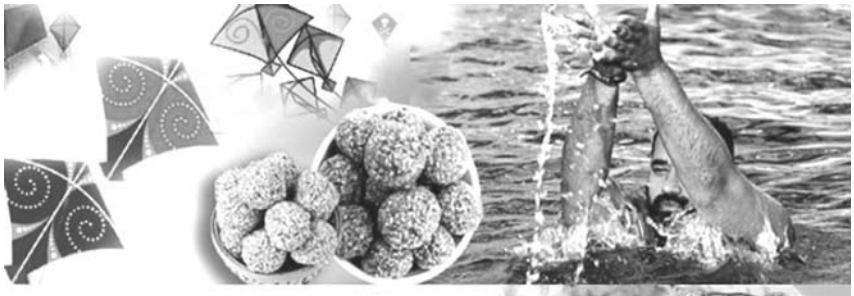

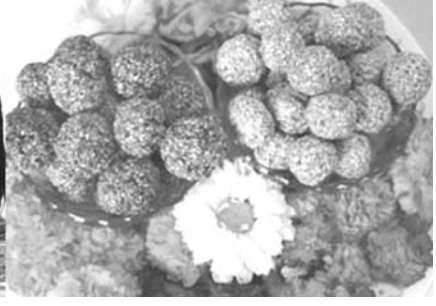

मकर सक्रांति का अर्थ मकर राशि से है और सक्रांति का अर्थ प्रवेश करना होता है, जब सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है तो इसे मकर सक्रांति कहते है। मकर सक्रांति को अलग-अलग राज्यों में अलग नाम से जाना जाता है जैंसे तमिलनाडु में मकर संक्रांति को पोंगल के नाम से और गुजरात, राजस्थान में मकर संक्रांति को उत्तरायण के नाम से और हरियाणा और पंजाब में मकर संक्रांति को माघी के नाम से जाना जाता है। मकर संक्रान्ति का पर्व हर साल पौष माष को मनाया जाता है,इस साल 2024 में यह पर्व सोमवार के दिन 15 जनवरी के दिन है। मकर सक्रांति के बाद शरद ऋतु के जाने का आरम्भ हो जाता है और वर्षा ऋतु के दिन शुरू हो जाते हैं, और इस महीने से दिन लम्बे और रातें छोटी होने लगती है।

☞ **मकर सक्रांति क्यों और कैसे मनायी जाती है :-** वसंत ऋतु के आने के बाद फसलें लहराने लगती है और फसलें अच्छी होने लगती हैं, खरीब की फसलों के बाद रबी की फसलें होने लगती हैं और सरसों के फूल महकने लगते हैं, दक्षिण भारत में इसे पोंगल के नाम से मनाया जाता है,इस दिन बच्चे पतंगे भी उड़ाते हैं। उत्तर भारत में इसको लोहड़ी ,पतंगोत्सव ,खिचड़ी पर्व आदि नाम से भी जाना जाता है। शरद ऋतु के समाप्त होने से बहुत सी बीमारियां जल्दी होने लग जाती हैं जिससे तिल और गुड़ से बने पकवान का प्रसाद बनाया जाता है। इसको उत्तर भारत में उत्तरायन ,माघी ,खिचड़ी आदि नाम से भी जाना जाता है। इस दिन लोग जप, तप, दान करते हैं और गंगा में स्नान करने जाते है।

☞ **मकर संक्रांति का ऐतिहासिक महत्व :-** मकर सक्रांति के दिन भगवान सूर्य देव अपने पुत्र शनि के घर गए थे, क्योकि शनिदेव मकर राशि के स्वामी हैं। और इसी दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। महाभारत काल में भीष्म पितामह ने अपनी देह मकर सक्रांति के दिन ही त्याग दी थी। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि उत्तरायण एक शुभ दिन है जो व्यक्ति इस दिन अपनी देह का त्याग करता है वो मोक्ष को प्राप्त होता है और इसका एक महत्व ये भी है कि मकर संक्रांति के दिन ही गंगाजी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होकर सागर में जा मिली थीं। इन सभी महत्व के कारण मकर सक्रांति भारत में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है।●

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

मेष राशि :- मेष राशि के लिए कार्य में सफलता मिल सकती है, और वित्तीय लाभ संभव है,हालांकि स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित हो सकता है, परिवार के भीतर संभावित संघर्षों और साथी के साथ तनावपूर्ण संबंधों से सावधान रहें, इस महीने के दौरान जीवन के विभिन्न पहलुओं में संतुलन बनाए रखने पर नजर रखें।

वृषभ राशि :- दिसंबर मे वृषभ राशि के व्यक्तियों अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देंना चाहिए,क्योंकि इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है, संभावित करियर की समस्याओं से बचने के लिए क्रोध का प्रबंधन करना महत्वपूर्ण है,अपनी भलाई के प्रति सचेत रहें और इस महीने के दौरान अपने पेशेवर जीवन में किसी भी बदलाव को बुद्धिमानी से नेविगेट करें।

मिथुन राशि :- संभावित मानसिक तनाव के बावजूद आप चुनौतियों पर काबू पा लेंगे,आपके वित्त में सफलता की उम्मीद है और विदेशी स्रोतों से आय की संभावना है,क्षितिज पर काम और कल्याण दोनों में सुधार के साथ महीने के माध्यम से नेविगेट करने के लिए लचीला और सकारात्मक रहें।

कर्क राशि :- कर्क राशि के जातकों के लिए दिसंबर मे करियर, व्यवसाय और वित्त में संभावित लाभ की उम्मीद करें,लेकिन बढ़े हुए खर्चों के प्रति सावधान रहें,अपने स्वास्थ्य का अतिरिक्त ध्यान रखें, क्योंकि चोट और दुर्घटनाओं का खतरा है, इस महीने वाहन चलाने से बचने की सलाह दी जाती है, उतार-चढ़ाव के माध्यम से नेविगेट करने के लिए सतर्क रहें और इस अवधि के दौरान अपनी भलाई सुनिश्चित करें।

सिंह राशि :- आर्थिक रूप से इस महीने सकारात्मक परिणामों की उम्मीद है,उतार- चढ़ाव में संतुष्टि प्राप्त करें, अपने परिवार के भीतर की खुशियों को संजोएं,यह अवधि कुछ लंबे समय से चली आ रही इच्छाओं की प्राप्ति को चिह्नित कर सकती है, जो संतोष की समग्र भावना में योगदान देती है।

कन्या राशि :- बढ़े हुए खर्चों और संभावित ऋण मुद्दों पर ध्यान दें,इस महीने बुद्धिमानी से वित्त का प्रबंधन करने के लिए बजट बनाने की सलाह दी जाती है, वित्तीय जिम्मेदारी के साथ खुशी को संतुलित करना कन्या राशि के लिए एक फलदायी और संतोषजनक दिसंबर सुनिश्चित करेगा।

तुला राशि :- आर्थिक संभावनाएं सकारात्मक हैं और विदेश जाने की योजना बना रहे हैं, तो सफलता संभव है। खर्च बढ़ने के बावजूद वाद-विवाद से बचने के लिए वाणी में सावधानी बरतें, खासकर करीबी दोस्तों के साथ, कुल मिलाकर तुला राशि के तहत पैदा हुए लोगों के लिए दिसंबर विभिन्न अनुकूल पहलू रखता है, जो वित्तीय विकास और व्यक्तिगत कल्याण के अवसर प्रदान करता है।

वृश्चिक राशि :- आपके स्वास्थ्य में सुधार होना तय है और आर्थिक लाभ क्षितिज पर हैं, जबकि कुछ मानसिक तनाव उत्पन्न हो सकता है, आप सफलतापूर्वक चुनौतियों पर काबू पा लेंगे। यह महीना विभिन्न पहलुओं में एक सकारात्मक बदलाव लाता है, जिससे आप बेहतर कल्याण और वित्तीय लाभ के साथ अपनी जिम्मेदारियों के माध्यम से नेविगेट कर सकते हैं।

धनु राशि :- आपके आय के स्रोत स्थिर रहते हैं, पर्याप्त धन प्रदान करते हैं। यह विभिन्न उद्यमों में निवेश पर विचार करने का एक उपयुक्त समय है, इस महीने अनुकूल परिस्थितियों का लाभ उठाएं, क्योंकि वे अंतरराष्ट्रीय यात्रा और वित्तीय विकास के लिए आपकी आकांक्षाओं के साथ अच्छी तरह से संरेखित हैं।

मकर राशि :- यह महीना गहन चिंतन को प्रेरित करता है, जिससे निर्णय लेने में मजबूती आती है, अब तैयार की गई रणनीतियों के लंबे समय में प्रभावी साबित होने की संभावना है, जबकि वित्तीय पहलू अलग- अलग हो सकते हैं, महीना विचारशील योजना और निर्णयों के अवसर प्रदान करता है जो स्थायी प्रभाव डाल सकते हैं।

कुंभ राशि :- दोस्तों और रिश्तेदारों से पूर्ण समर्थन पर भरोसा करें,अपने प्रयासों के लिए एक सकारात्मक वातावरण बनाएं, कार्यों को कुशलतापूर्वक पूरा करने के लिए इस महीने की ताकत का उपयोग करें, इस ज्ञान में सुरक्षित रहें कि आपके प्रयास एक मजबूत समर्थन प्रणाली द्वारा समर्थित हैं।

मीन राशि :- विदेशी स्रोतों से संभावित आय के साथ बेहतर स्वास्थ्य और वित्त में सफलता की उम्मीद करें, रोजगार के अवसर प्रचुर मात्रा में हैं, कर्ज और खर्चों से राहत मिलती दिख रही है, एक सुखद पारिवारिक वातावरण बना हुआ है, जो इस महीने को मीन राशि के लिए उत्कृष्ट बनाता है, जो जीवन के विभिन्न पहलुओं में सकारात्मक परिवर्तन और अवसरों से चिह्नित है।

शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com

★ फरलो क्या होता है?

जो भी जेल के अंदर होता है, उन्हें एक साल के अंदर 70 दिन की पैरोल दी जाती है। इसी के साथ कैदी को 21 से 28 दिन की फरलो मिलना उनका अधिकार है। आम आदमी के कार्यकाल में फरलो का मतलब अनुपस्थिति की छुट्टी देना है। हालाँकि कानूनी शब्दों में यह जेल से एक दोषी को एक निर्दिष्ट समय अवधि के लिए अनुपस्थिति की छुट्टी देने को संदर्भित करता है। प्रत्येक राज्य के जेल नियमों में फरलो देने के नियम और प्रक्रिया निर्धारित की गई है। हालाँकि फरलो की व्यापक अवधारणा सभी राज्यों में समान रहती है और केवल इसे करने की प्रक्रिया अलग-अलग राज्यों में भिन्न होती है।

★ कैदी के लिए फरलो क्या है?

फरोल आमतौर पर उस कैदी को दी जाती है जिसे काफी लंबे वक्त के लिए सजा मिली हो. फरलो को कैदी की सजा में छूट और उसके अधिकार के तौर पर देखा जाता है. एक कैदी को फरलो देने के लिए किसी कारण की जरूरत नहीं पड़ती, लेकिन परोल के लिए कारण होना काफी जरूरी है।

★ पैरोल क्या है?

पैरोल आपराधिक न्याय प्रणाली का एक महत्वपूर्ण पहलू है। इसका अर्थ होता है किसी सजायाफ्ता कैदी को सजा पूरी होने से पहले कुछ वक्त के लिए या पूरी तरह रिहा कर दिया जाना। हालांकि पैरोल देते वक्त कैदी के अच्छे व्यवहार को ध्यान में रखा जाता है। साल 1894 के जेल अधिनियम और 1900 के कैदी अधिनियम के तहत पैरोल की प्रक्रिया निर्देशित होती है। इसी के मुताबिक हर राज्य में पैरोल दिशा-निर्देशों का अपना सेट होता है, जो एक-दूसरे से थोड़ा भिन्न होता है। पैरोल सुधार की प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसका मकसद कैदियों को समाज से फिर से जोड़ना होता है। ये दो प्रकार का होता है- कस्टडी पैरोल और रेगुलर पैरोल । कस्टडी पैरोल के अंतर्गत दोषी अथवा अपराधी को किसी विशेष स्थिति में जेल से बाहर लाया जाता है, और उस समय वह पुलिस कस्टडी में ही रहता है। पुलिस का सुरक्षा घेरा उसके साथ होता है, जिससे कि वह फरार ना हो सके। इस प्रकार की पैरोल अपराधी को तब दी जाती है, जब उसके परिवार में किसी खास रिश्तेदार की मौत हो जाती है, या फिर उसके परिवार में किसी विशेष व्यक्ति की शादी होती है। उसके परिवार में यदि कोई बीमार होता है, या फिर कोई भी ऐसी परिस्थिति जो कि अपराधी के लिए बहुत आवश्यक है, तो उस अपराधी को पैरोल पर कुछ घंटों के लिए बाहर लाया जाता है।

रेगुलर पैरोल की स्थिति में वह अपराधी जिसे सजा सुनाई जा चुकी होती है, तो वह रेगुलर पैरोल के लिए आवेदन कर सकता है। इसके लिए आवश्यक है, कि वह अपराधी कम से कम एक साल की सजा जेल में काट चुका हो, और जेल में उस अपराधी का व्यवहार अच्छा हो। इसके अलावा यदि वह पहले भी जमानत पर रिहा हो चुका है तो उसका ऐसा रिकॉर्ड होना चाहिए कि उस जमानत के दौरान अपराधी ने कोई अन्य अपराध ना किया हो। रेगुलर पैरोल एक साल में कम से कम एक महीने के लिए दी जा सकती है। रेगुलर पैरोल भी कुछ खास परिस्थितियों में ही दी जा सकती है। उदाहरण के तौर पर सजायाफ्ता के परिवार में कोई बीमार हो, किसी विशेष व्यक्ति का परिवार में विवाह हो या फिर किसी परिस्थिति में मकान की मरम्मत करानी बहुत जरुरी हो, यदि परिवार में किसी व्यक्ति की मृत्यु हो गयी हो, यदि पत्नी गर्भवती हो और डिलीवरी होनी हो और घर में कोई और व्यक्ति देख रेख के लिए ना हो और इसके अलावा किसी और प्रकार का ऐसा काम हो जिसे पूरा किया जाना अपराधी के लिए जरुरी हो जैसे कि अपना वसीयत तय करना। इसके अलावा भी रेगुलर पैरोल मिलने के लिए कई कानूनी नियम एवं शर्तें होती हैं। उदाहरण के लिए राम रहीम को रेगुलर पैरोल पर ही छोड़ा गया था। कुछ ऐसी भी परिस्थितियां होती हैं जब पैरोल के आवेदन को अस्वीकार किया जा सकता है उदाहरण के तौर पर :-

1. अगर अपराधी का व्यवहार जेल में संतोषजनक ना हो
2. यदि अपराधी पहले कभी पैरोल पर बाहर आया हो और उसने पैरोल की शर्तों का का उल्लंघन किया हो
3. बेहद ही गंभीर अपराध किया हो जैसे कि बलात्कार के बाद हत्या, देशद्रोह और आतंकवादी गतिविधि में शामिल होना आदि

पैरोल के जैसा ही एक फरलॉ होता है इसमें भी कैदियों को कुछ समय के लिए रिहा किया जाता है। लेकिन पैरोल और फरलों में कुछ मूलभूत अंतर होता है जैसे कि पैरोल किसी भी कैदी का अधिकार नहीं होता जबकि फरलॉ कैदी का अधिकार माना जाता है। पैरोल मिलने की कुछ उचित वजह होती हैं और रिहाई के बाद दोषी को तय वक्त में अधिकारियों के आगे हाजिरी लगानी होती है। वहीं फरलॉ लंबे वक्त के लिए सजा काट रहे कैदियों को एक तय समय में दी जाने वाली छुट्टी होती है। इसका मकसद लंबे वक्त तक सजा काटने से पड़ने वाले बुरे असर को दूर करना और सामाजिक रिश्ते बनाए रखना होता है। फरलॉ को सजा में माफी के तौर पर भी देखा जाता है।

नववर्ष, मकर संक्रांति, गणतंत्र दिवस एवं बसंत पंचमी के
शुभ अवसर पर हिलसा की समस्त जनता सहित नालंदावासियों को
हार्दिक
शुभकामनाएँ
-: निवेदक :-
धनंजय कुमार
मुख्य पार्षद
नगर परिषद हिलसा (नालंदा)
श्रीमती दुर्गा कुमारी
उप मुख्य पार्षद
नगर परिषद हिलसा (नालंदा)

जन-जन की आवाज है केवल सच
केवल सच
Kewalachlive.in
वेब पोर्टल न्यूज
24 घंटे आपके साथ
Kewalsach news
खबर वहीं, जो केवल सच हो
केवल सच TIMES
आत्म-निर्भर बनने वाले युवाओं
को सपोर्ट करें
आपका छोटा सहयोग, हमें मजबूती प्रदान करेगा
BHIM UPI
www.kewalsach.com
www.kewalsachlive.in
-: सम्पर्क करें :-
पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या-28/14,
कंकड़बाग, पटना (बिहार)-800020, मो०:-9431073769, 9308815605

GSTIN : 10KEPD0123PIZP
उत्तर भारत का COOKIE MAKER, सीवान में पहली बार
आपके लिए लेकर आया है
Cookie का बेहतर श्रृंखला
PRATIK ENTERPRISES
राजपुर (रघुनाथपुर) में अत्याधुनिक मशीनों द्वारा रस्क, बिस्कुट, बर्गर, मीठा ब्रेड, वंद, क्रीम रोल, पेटीज और बर्ड डे केक, पार्टी केक ग्राहकों के मनपसंद तैयार किया जाता है।
शुद्धता एवं स्वाद की 100% गारंटी
किसी भी अवसर पर
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।
प्रतीक फुड कंपनी
प्रतीक इंटरप्राइजेज, प्रतीक पतंजलि
राजपुर, रघुनाथपुर, सीवान (बिहार)
-: सौजन्य से :-
ब्रजेश कुमार दुबे
Mob.-9065583882, 9801380138

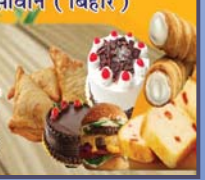

राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव
राष्ट्रीय अध्यक्ष
जन अधिकार पार्टी (लो.)

जन अधिकार युवा परिषद्, बिहार

मैं राजू दानवीर, बीते **12** वर्षों से समाज सेवक के रूप में काम करता रहा हूँ। मैंने इतने साल लोगों की सेवा निःस्वार्थ भाव से की और इसके लिए मैंने कभी न तो सरकारी और नही गैर सरकारी मदद ली। बचपन मे सीखा था, गरीबों जरूरतमंद लोगों की सेवा निःस्वार्थ होनी चाहिए। इसी सिद्धांत पर मैं काम करता रहा हूं। जिस उम्र में लोग करियर की ओर ध्यान लगाते हैं, उस उम्र में मैं मानव सेवा की ठानी। इसी बीच हम जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मधेपुरा के पूर्व सांसद आदरणीय श्री पप्पू यादव जी के संपर्क में आए। वहां हमने उनके साथ उनके कार्यों से प्रभावित होकर विगत **4** सालों से सेवादारी की शुरुआत की। यह कार्य अभी भी अनवरत जारी है और आगे जारी रहेगा। सेवादारी शुरू भी हुई, लेकिन हमारे यहां गरीब, दलित, दमित और बदहाली की मार ज्यादा है। इस वजह से अपने स्तर से जितना मैं कर रहा था, वो छोटा लगने लगा। लगा कि अभी तो बहुत सारे लोगों को मदद की जरूरत है, जो इस तरह आसान नहीं था। उसके लिए संगठन की जरूरत थी, जिसमें कई लोगों के साथ मिलकर सेवा के कार्य को आगे ले जाना था। उसके लिए मैंने राजनीति में आकर अधिक से अधिक लोगों की सेवा का मन बनाया। हमारे यहां राजनीति को स्थायी रूप से विनम्रता और शालीनता से जोड़कर नहीं देखा गया। लेकिन हमने इसी को आधार बनाते हुए, जन सेवा की धारा को चुना। इस दौरान पटना में भयानक बाढ़ आयी , जिसमें पूर्व सांसद पप्पू यादव जी के द्वारा की गई लोगों की सेवा से प्रेरित होकर राजनीति को चुना। तब लगा किराजनीति के जरिये हम अपने लक्ष्य को पा सकेंगे और यहीं से हमने अपने सेवा कार्य को संगठित मुहिम बना लिया।राजनीति में मैं आया और सेवादारी को नए आयाम तक ले जाने का काम किया, जो अनवरत जारी है। लेकिन कभी भी मेरा राजनीति में आने का मकसद कहीं से धन संग्रह या पावर पाना नहीं रहा है। मेरे लिए राजनीति में उतरने के पीछे का मकसद लोगों की सेवा करना है। मैं जमीनी स्तर पर लोगों की समस्याएं हल करना चाहता हूँ। यही मेरेराजनीति में आने का मुख्य मकसद है। यही वजह है कि हमने राजनीति से जनता की आवाज बनकर लोगों का दिल जीता ही, साथ ही सेवा के क्षेत्र में बड़ा नेटवर्क तैयार किया है। यह आगे और बढ़ता रहेगा।

राजू दानवीर
प्रदेश अध्यक्ष
जन अधिकार युवा परिषद्, बिहार